THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने

नई दिल्ली, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोकभवन में उन्हें गोपनीयता की शपथ दिलाई। मैतेई समुदाय से आने वाले खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। दो डिप्टी सीएम को भी शपथ दिलाई जाएगी।

लोधी दिखो नागा समुदाय से आते हैं। कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम होंगी। राज्य में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनी है। आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया है।

वर्ष-30 अंक : 310 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.4, 2082 गुरुवार, 5 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ईसी बंगाल को निशाना बना रहा : ममता

> नाम मिसमैच पर दिए नोटिस वापस लिए जाएं
> पहली बार किसी सीएम ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी

नई दिल्ली/कोलकाता, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) मामले पर सुनवाई की। जहां राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी वकीलों के साथ मौजूद रहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के निशाने पर है। जो काम 2 साल में होना था, उसे 3 महीने में करवाया जा रहा है। सुनवाई के बाद सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि असली लोग चुनावी सूची में बने रहने चाहिए। ममता की याचिका पर बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी से 9 फरवरी तक जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर अपनी दलीलें रखीं। मुकदमों में आमतौर पर मुख्यमंत्रियों के वकील या सलाहकार ही पेश होते हैं। ममता बनर्जी के इलेक्शन एफिडेविट के अनुसार उन्होंने 1979 में कोलकाता यूनिवर्सिटी से एमए करने के बाद, जोगेश चंद्र चौधरी कॉलेज (कोलकाता) में एलएलबी कोर्स में एडमिशन लिया था। 1982 में उनका एलएलबी पूरा हो गया था। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से पेश होने और बहस करने की अनुमति मांगने के लिए एक अंतरिम आवेदन भी दायर किया है। अपने आवेदन में ममता ने कहा है कि आर्टिकल 32 रिट में याचिकाकर्ता होने के नाते वह मामले से पूरी तरह वाकिफ हैं। वे कहती हैं कि पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी अध्यक्ष होने के नाते वह एससी के तौर-तरीकों को समझती हैं और स्थापित नियमों के अनुसार ही व्यवहार करेंगी।

> ममता की दलीलें

चुनाव से पहले 2 महीने में ऐसा कुछ करने की कोशिश की जा रही है, जो 2 साल में होना था। खेतीबाड़ी के मौसम में लोगों को परेशान किया जा रहा है। 24 साल बाद इसे 3 महीने में पूरा करने की जल्दबाजी क्यों है। 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। ईसीआई की प्रताड़ना के चलते बीएलओ की जान जा रही है। बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। असम और नॉर्थ ईस्ट में ऐसा क्यों नहीं हो रहा। एसआईआर प्रक्रिया वोटर्स को शामिल करने नहीं बल्कि हटाने के लिए हो रही है। अब तक 58 लाख लोगों के नाम हटाए जा चुके हैं। भाजपा ने माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्ति किए, जो बीएलओ अधिकारों को दरकिनार करते हुए नाम हटा रहे हैं। नाम मिस मैच पर दिए गए नोटिस वापस लिए जाएं। सर बेटी शादी के बाद ससुराल जाती है, वह पति का टाइटल इस्तेमाल कर रही है, यह भी मिसमैच है। कुछ बेटियां जो ससुराल चली गईं, उनके नाम भी डिलीट कर दिए गए। इस पर इलेक्शन कमीशन ने कहा- राज्य सरकार से बार-बार मांग करने के बाद एसआईआर के काम के लिए पर्याप्त ग्रुप बी अधिकारी नहीं दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- सभी नोटिस वापस लेना अव्यावहारिक है। नाम की स्पेलिंग में गड़बड़ी होने पर चुनाव आयोग नोटिस जारी न करे। चुनाव आयोग अपने अधिकारियों को भी निर्देश दे कि वे संवेदनशील रहें। अगर राज्य सरकार ऐसे लोगों की टीम देती है, जो बांग्ला और स्थानीय बोलियां जानते हों, और वे जांच करके चुनाव आयोग को बताएं कि स्थानीय बोली के कारण गलती है, तो इससे मदद मिलेगी। स्थानीय बोली के अनुवाद को एआई की मदद लेने के कारण अगर ऐसा हो रहा है तो हम समाधान निकालेंगे। इस वजह से असली मतदाता को बाहर नहीं किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी 7 फरवरी को मलेशिया जाएंगे

नई दिल्ली, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दो दिवसीय मलेशिया दौरे पर जाएंगे। पीएम मोदी मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के बुलावे पर 7 और 8 फरवरी को कुआलालांपुर यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी करके यह जानकारी दी है। इसके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीसरा मलेशिया दौरा होगा। लेकिन, अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया के बीच 'कंप्रिहेंसिव स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप' होने के बाद यह पीएम मोदी की पहली मलेशिया यात्रा होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया यात्रा के दौरान वहां अपने समकक्ष अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मलेशिया में रह रहे भारतीय समुदाय के साथ भी चर्चा करेंगे और साथ ही उद्योग और कारोबार जगत के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार पीएम मोदी की यात्रा के दौरान ही 10वें इंडिया-मलेशिया सीईओ फोरम का भी आयोजन किया गया है। मलेशिया में करीब 29 लाख भारतीय रहते हैं, जो कि संख्या के हिसाब से दुनिया में तीसरे स्थान पर है। दोनों देशों के बीच न सिर्फ बेहतर राजनयिक संबंध हैं, बल्कि इनके बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की भी बहुत ही प्राचीन साझेदारी है। मौजूदा समय में दोनों देशों के रिश्तों में चौतरफा विस्तार देखने को मिल रहा है।

जीएचएमसी के अधीक्षक अभियंता 15 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में कार्यरत एक अधीक्षक अभियंता को भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने 15 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। रिश्वत एक कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से ली जा रही थी। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, कुकटपल्ली जोन में तैनात अधीक्षक अभियंता पी. चिन्ना रेड्डी ने एक ठेकेदार से किए गए कार्यों के सत्यापन और 1.40 करोड़ रुपये के बिल की प्रक्रिया के लिए 15 लाख रुपये की मांग की थी। ठेकेदार ने इस संबंध में एसीबी से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर एसीबी ने जाल बिछाया और बुधवार को चिन्ना रेड्डी तथा कंप्यूटर ऑपरेटर बी. प्रवीण कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें हैदराबाद स्थित एसीबी अदालत में पेश किया जा रहा है।

अगले महीने तारीखों का एलान संभव : पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में इलेक्शन के लिए तैयारियां शुरू

नई दिल्ली , 4 फरवरी, (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल समेत इस साल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग ने तैयारियां करना शुरू कर दी हैं। सूत्रों का कहना है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग इन राज्यों में इसी महीने से कुछ दिनों बाद ही विजिट करना भी शुरू कर देगा। ताकि चुनावों का ऐलान करने से पहले इन राज्यों में कानून-व्यवस्था की चुनौतियों से लेकर अन्य तरह के इंतजामों की जानकारी ली जा सके। उम्मीद है कि मार्च के पहले सप्ताह के बाद कभी भी इन राज्यों के लिए चुनावों का ऐलान कर दिया जाएगा। इस साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें 294 विधानसभा सीटों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल सात मई 2026 तक है।

इसके अलावा 234 सीटों वाले तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 10 मई, 140 सीटों वाले केरल विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, 126 विधानसभा सीटों वाले असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को और 30 सीटों वाले पुडुचेरी विधानसभा का कार्यकाल इस साल 15 जून को खत्म हो रहा है। इससे पहले इन राज्यों में नई विधानसभा का गठन होना जरूरी है। जिसे देखते हुए ही चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इनमें चार राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल मई में और पुडुचेरी का जून में खत्म हो रहा है। इनमें भी सबसे पहले सात मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इसे देखते हुए सूत्रों का कहना है कि चुनाव आयोग फरवरी से मार्च के पहले सप्ताह तक इन राज्यों में चुनाव कराने से पहले विजिट करना शुरू करेगा। इसमें इन राज्यों के चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी और सीईओ के अलावा राजनीतिक पार्टियों से भी बैठक की जाएंगी।

काठमांडू से इस्तांबुल जा रही फ्लाइट की कोलकाता में आपात लैंडिंग

> 236 यात्री थे सवार

कोलकाता, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। टर्किश एयरलाइंस की काठमांडू से इस्तांबुल जाने वाली फ्लाइट के दाहिने इंजन में आग लगने की आशंका के बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। कोलकाता एयरपोर्ट पर हुई इस इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी 236 यात्री सुरक्षित हैं। विमान की जांच की जा रही है। कोलकाता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय (एनएससीबीआई) एयरपोर्ट के हवाई अड्डा निदेशक ने बताया कि काठमांडू से इस्तांबुल जा रहे तुर्की विमान संख्या- 727 की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। विमान के कैप्टन ने कोलकाता एटीसी को बताया कि दाहिने इंजन में आग लगने की आशंका है। इसके बाद विमान को दोपहर करीब 2:49 बजे कोलकाता हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया।

संसद के अंदर और बाहर राहुल गांधी ने दिखाई जनरल नरवणे की किताब

> बोले-पीएम को गिफ्ट करेंगे

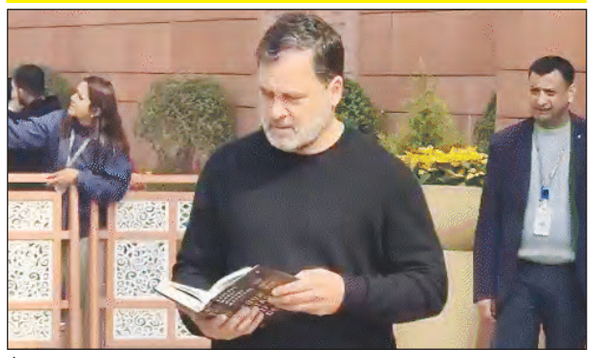

नई दिल्ली, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संसद के बाहर और संसद के अंदर पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक लेकर पहुंचें। वे संसद परिसर में भी वह किताब देखा रहे थे और लोकसभा के अंदर भी लगातार स्पीकर को किताब दिखाते हुए उन्हें बोलने देने की मांग करते रहे। जनरल नरवणे की ऑटोबायोग्राफी 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' में लिखी बातों को लेकर सोमवार से ही सदन में विपक्ष विरोध कर रहा है।

लोकसभा में कांग्रेस सांसद बैनर लेकर पहुंचे थे। जिसमें लिखा था –जो उचित समझो वो करो। इसमें एक तरफ पीएम और रक्षा मंत्री की तस्वीर थी और दूसरी तरफ जनरल नरवणे की। जब विपक्षी सांसद वेल में आकर नारेबाजी कर रहे थे तब राहुल गांधी अपनी सीट पर भी खड़े होकर किताब दिखा रहे थे। सत्ता पक्ष की तरफ सबसे आगे के बैंच में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अकेले बैठे थे। विपक्ष की नारेबाजी पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी पर इशारों-इशारों में पलटवार भी किया। उन्होंने कहा कि सदन में बोलने की अनुमति देना या नहीं देना नियम-पक्रिया से निर्धारित होता है। राहुल गांधी ने मंगलवार को बिरला को पत्र लिखकर उन पर सरकार के इशारे पर खुद को सदन में बोलने से रोकने का आरोप लगाया था। बिरला ने कहा कि इस देश में अलग-अलग समय आप सरकार में रहे हैं। मेरा मत है कि इतने लंबे समय तक सरकार में रहने के बावजूद आप सदन की परंपराओं और मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं। विरोध का तरीका और हो सकता है। लेकिन आप उस जगह (सत्तापक्ष की सीटों की तरफ) जाकर मर्यादाओं को तोड़ेंगे तो लोकतंत्र के प्रति लोगों को विश्वास कम होगा। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा कि आप इतने वरिष्ठ नेता हैं, आपने लंबे समय तक शासन किया है। बोलने की अनुमति देना या नहीं देना नियम प्रक्रिया से निर्धारित होता है। क्या आप मर्यादा तोड़ेंगे? आपके सदस्य इधर से उधर जाएंगे, क्या यह उचित है?

पीएम की सीट घेरकर महिला सांसदों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। लोकसभा का बजट सत्र लगातार हंगामेदार बना हुआ है। सदन में बुधवार को भी हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा।

हंगामे की वजह से राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब रद्द करना पड़ा। सदन में राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरणों से कोट करने की इजाजत नहीं दी गई। इसके बाद से ही विपक्षी सांसद सदन में हंगामा कर रहे हैं। सदन की कई बार कार्यवाही रोकी गई। जैसे ही शाम 5 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष का हंगामा शुरू हो गया। प्रधानमंत्री मोदी के बोलने की उम्मीद से कुछ ही देर पहले विपक्ष की तरफ से कुछ महिला सांसदों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिला सांसदों में वर्षा गायकवाड़ और ज्योतिमणि शामिल थीं। इन लोगों ने सत्ताधारी पार्टी की सीटों, जिसमें पीएम मोदी की सीट भी शामिल थी, की कुर्सियों को ब्लॉक कर दिया। महिलाओं ने एक बड़ा बैनर पकड़ा हुआ था।

> राहुल के जवाब में भाजपा भी लाई किताब

नई दिल्ली , 4 फरवरी, (एजेंसियां)। संसद में किताब के हवाले से बयान देने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बड़ा राजनीतिक टकराव बन गया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा एक कथित अप्रकाशित सैन्य पुस्तक का जिक्र करने के बाद अब भाजपा ने भी पलटवार किया है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे कई प्रकाशित और प्रतिबंधित किताबों के कवर लेकर सदन पहुंचे और कांग्रेस पर इतिहास छिपाने का आरोप लगाया। इसी मुद्दे पर सदन में हंगामा बढ़ा और कार्यवाही रोकनी पड़ी। हालांकि इसके बाद उन्होंने सभी किताबों को लेकर मीडिया से बात की निशिकांत दुबे ने मीडिया से बातचीत में कई किताबों के नाम गिनाए। इनमें नेहरू और गांधी परिवार से जुड़ी किताबें, इमरजेंसी पर लिखी किताबें और मित्रोखिन आर्काइव का जिक्र शामिल रहा। उन्होंने दावा किया कि इन पुस्तकों में कांग्रेस शासन, आपातकाल और कथित विदेशी प्रभाव से जुड़े गंभीर आरोप दर्ज हैं। उनका कहना था कि कई किताबों पर कांग्रेस सरकार के समय प्रतिबंध लगाया गया था और अब उन पर खुली चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मेरा स्पीकर साहब से यह भी अनुरोध है कि आप जो छपी हुई किताब है। उसपर ही चर्चा करा लीजिए। संसद में चर्चा हो जाएगी तो गांधी नेहरू परिवार की जो मक्कारी है, वो सबके सामने आ जाएगी। 50 के दशक में चीन हमसे पीछे हुआ करता था। लेकिन वो कैसे आगे निकल गया।

कमल हासन का राज्यसभा में पहला भाषण

> चुनाव आयोग हमारे वोट की जांच कर रहा है

नई दिल्ली, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राजनीतिक दल- मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक और राज्यसभा सांसद कमल हासन ने आज राज्यसभा में पहला भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मैं इस पल को सम्मान की बात मानता हूं, मुझे मेरी भाषा से मेरे तमिल टीचरों ने मिलवाया। उनमें से एक पॉलिटिकल लीडर थे, सीएन अन्नादुरई, उन्होंने हमें हमारी भाषा, हमारी संस्कृति और हमारे अधिकारों पर किसी भी हमले का सामना करना सिखाया।

हासन ने आगे कहा कि आप कह सकते हैं कि हाई स्कूल ड्रॉपआउट होने की वजह से मैं इकोनॉमिक्स पर बोलने के लायक नहीं हूं। कोई बात नहीं, ऐसा ही सही। आप सभी जिस भी यूनिवर्सिटी से हैं, उसके एक बाहरी स्टूडेंट के तौर पर, एक तमिलियन होने के नाते मेरी भी एक राय है। राष्ट्रपिता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने मुझे बिना गुस्से के यह भाषण लिखने में मदद की। पेरियार ने मुझे इसे तार्किक बनाने में मदद की। अन्ना ने मुझे इस बिल्डिंग (संसद) को समझने में मदद की... मेरी सबसे बड़ी चिंता आने वाले विधानसभा चुनाव हैं।

हासन ने चुनाव आयोग को घेरा

हासन ने कहा कि मैंने अपना भाषण केवल मौजूदा समय के बारे में सोचकर लिखा है। मैं इसे जिंदा लाशों की स्पेल-चेक की हुई कहानी कहता हूं। हम वोट डालना चाहते हैं। चुनाव आयोग हमारे वोट देने के अधिकार की जांच कर रहा है। मतदाताओं के नाम की स्पेलिंग और पते की जांच गलत तरीके से की जा रही है। हम बस अपना वोट डालना चाहते हैं।

अपनी पार्टी से ज्यादा भाजपा के करीब हैं प्रफुल्ल पटेल, संजय राउत का पलटवार

मुंबई, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता प्रफुल्ल पटेल पर निशाना साधा। राउत ने कहा कि पटेल अपनी पार्टी से ज्यादा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के करीब हैं। उन्होंने कहा कि पटेल को वही करना चाहिए जो महाराष्ट्र और मराठी मानुष के लिए स्वीकार्य हो।

उन्होंने आगे कहा, प्रफुल्ल पटेल को वहीं करना चाहिए जो केवल महाराष्ट्र और मराठी मानुष के लिए मंजूर हो। एनसीपी पवारों की पार्टी है, पटेलों की नहीं। वह अपनी पार्टी के नेता नेता होने से ज्यादा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बड़े भक्त हैं। इसके पहले प्रफुल्ल पटेल ने मंगलवार को कहा था कि वह एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की दौड़ में नहीं हैं। यह पद दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पास था। उन्होंने यह भी कहा कि अजित पवार की पिछले हफ्ते एक विमान में हादसे में मौत के बाद पार्टी के फैसलों पर ऐसे लोग बोल रहे हैं, जिनका एनसीपी से कोई लेना-देना नहीं है। विपक्षी दल प्रफुल्ल पटेल पर यह कहते हुए निशाना साध रहे हैं कि अजित पवार के निधन के बाद वह एनसीपी की कमान संभालना चाहते हैं। राउत ने यह भी आरोप लगाया कि मूल एनसीपी और शिवसेना में जो टूट हुई है, उसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। एनसीपी की स्थापना शरद पवार और शिवसेना की बाल ठाकरे ने की थी।

पहली बार 83 हिमालयीन चोटियां सभी के लिए खुलीं

भारतीयों के लिए फीस शून्य-विदेशियों को 80 हजार तक की छूट

देहरादून, 4 फरवरी, (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं हिमालय की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पहली बार सभी पर्वतारोहियों के लिए खोल दिया है। इस फैसले के साथ भारतीय पर्वतारोहियों को इन चोटियों पर चढ़ाई के लिए लगने वाली सभी सरकारी फीस पूरी तरह माफ कर दी गई है, जिससे अब पर्वतारोहण पहले की तुलना में आसान और सस्ता हो गया है। इस फैसले के बाद लोगों के मन में कई सवाल हैं- इन 83 चोटियों में से सबसे खास कौन-सी हैं, किन चोटियों पर जाना आसान है और किन पर चढ़ाई के लिए ज्यादा अनुभव चाहिए। यह जानना भी जरूरी है कि अलग-अलग चोटियों तक पहुंचने के रास्ते क्या हैं और वहां चढ़ाई की खासियत क्या है। हमारी इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं कि इन 83 खुली चोटियों में से कौन-कौन सी सबसे अहम हैं, वहां तक कैसे पहुंचा जा सकता है और अगर आप भी पर्वतारोहण की योजना बना रहे हैं, तो रजिस्ट्रेशन कहां और कैसे करना होगा।

अब तक पर्वतारोहण को अमीरों या स्पॉन्सर्ड अभियानों का खेल माना जाता था, क्योंकि सरकारी शुल्क ही बड़ा बोझ बन जाता था। नई एसओबी में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए पीक फीस, कैंपिंग चार्ज, ट्रेल मैनेजमेंट फीस और पर्यावरण शुल्क सब कुछ जीरो कर दिया गया है। इससे एक अभियान पर औसतन 15 से 20 हजार रुपए तक की सीधी बचत होगी।

उधमपुर में 2 जैश आतंकवादी ढेर

सेना ने उस गुफा को उड़ाया, जिसमें छिपे थे आतंकी

उधमपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में जैश-ए-मोहम्मद के 2 आतंकियों को सेना ने ढेर कर दिया है। सेना ने उस गुफा को ही ब्लास्ट कर दिया है, जिसमें आतंकी छिपकर गोलीबारी कर रहे थे। उधमपुर जिले के एक दूरस्थ वन क्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षाबलों द्वारा जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो से तीन संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों को एक प्राकृतिक गुफा के अंदर घेर लिए जाने के बाद लगभग एक घंटे तक चली भीषण गोलीबारी ने इलाके को दहला दिया।

सेना के अधिकारियों ने बताया उधमपुर जिले में एक गुफा में छिपे जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो आतंकवादियों पर सुरक्षा बल अंतिम प्रहार कर कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि रात के दौरान कोई गोलीबारी नहीं हुई। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार शाम करीब चार बजे रामनगर के जाफर वन क्षेत्र में सेना, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त दस्ते ने गुफा के अंदर आतंकवादियों का पता लगाया, जिसके बाद एक घंटे से अधिक समय तक मुठभेड़ होती रही। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी घायल हुआ, लेकिन अपने साथी के साथ गुफा में चला गया।

आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठा भागने की कोशिश की

अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, जिसके बाद इलाके में फिर से गोलीबारी और जोरदार धमाके हुए। उन्होंने बताया कि इसके बाद घेराबंदी को और मजबूत करने के लिए पैराट्रूपर्स और डॉग स्क्वॉड सहित सेना की अतिरिक्त टुकड़ियों को मौके पर भेजा गया।

सेना ने गुफा में किया ब्लास्ट

अधिकारियों ने बताया कि रात में गोलीबारी नहीं हुई और सुरक्षा बलों ने ड्रोन के जरिये इलाके, खासकर गुफा के आसपास कड़ी निगरानी बनाए रखी। उन्होंने बताया कि गुफा में छिपे आतंकवादियों द्वारा आत्मसमर्पण करने से इनकार किए जाने के बाद उनके खिलाफ अंतिम प्रहार की तैयारी की गई। आज उस गुफा को भी उड़ा दिया गया है, जिसमें आतंकी छिपे हुए थे।

अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

अधिकारों की सुरक्षा की उठाई मांग

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के लिए विभिन्न फिल्मी हस्तियों के बाद अब अभिनेता विवेक ओबरॉय ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। एडवोकेट सना रईस खान और प्रणय चिटाले के माध्यम से दायर मुकदमे में विवेक ओबराय ने जॉन डो सहित अन्य प्रतिवादियों को उनकी छवि, नाम व वीडियो के बगैर अनुमति उपयोग पर रोक लगाने की मांग की है। वहीं, मुकदमे में कहा गया है कि प्रतिवादी बगैर याची की अनुमति के उनके नाम, आवाज और छवि सहित उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर न सिर्फ मुनाफा कमा रहे हैं, बल्कि दुरुपयोग भी कर रहे हैं।

दीवान पलंग में बंद मिली 13 साल की नाबालिग, 6 साल से बना रखा था घरेलू नौकर

गुवाहाटी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गुवाहाटी के पंजाबारी इलाके से मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची को घर के भीतर दीवान पलंग में बंद कर छिपाया गया था। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। यह घटना पंजाबारी के जुरिपार स्थित हाउस नंबर 69 की है, जहां अमरीन अख्तर लस्कर नामक महिला के घर पर जिला श्रम टास्क फोर्स ने छापेमारी की। यह कार्रवाई रविवार शाम एक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद की गई। अधिकारियों के अनुसार, नाबालिग बच्ची पिछले छह वर्षों से घरेलू कामकाज में लगाई गई थी और उसे लगातार शारीरिक प्रताड़ना दी जा रही थी। छापेमारी की भनक लगते ही आरोपी महिला ने बच्ची को लगभग 25 मिनट तक दीवान पलंग के अंदर बंद कर दिया। जिला श्रम टास्क फोर्स के एक अधिकारी ने बताया कि जब टीम घर पहुंची तो मकान मालकिन अरिना लस्कर खातून ने बच्ची की मौजूदगी से इनकार किया और दावा किया कि बच्ची के पिता उसे तीन-चार दिन पहले ले गए हैं।

हालांकि, घर के अंदर संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए टीम ने निरीक्षण की अनुमति मांगी, जिसका शुरू में विरोध किया गया। काफी प्रयासों के बाद जब कमरे की तलाशी ली गई, तो बच्ची को वार्डरोब/दीवान पलंग के अंदर छिपा हुआ पाया गया। बच्ची की हालत बेहद कमजोर थी। बाहर निकालने के बाद उसे पानी दिया गया और होश में आते ही वह फूट-फूटकर रोने लगी। प्रारंभिक पूछताछ में बच्ची ने बताया कि उसे लंबे समय से मारपीट और प्रताड़ना का शिकार बनाया जा रहा था। इसके बाद उसे तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

पूर्व शिक्षा मंत्री को विधानसभा की दो समितियों में मिली जगह

कोलकाता, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, जो शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में थे। उन्होंने बजट सत्र से पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा की दो समितियों में शामिल किया गया। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, बेहाला पश्चिम के विधायक चटर्जी को विधानसभा की पुस्तकालय समिति और आवास, अग्नि एवं आपातकालीन सेवाओं और आपदा प्रबंधन संबंधी स्थायी समिति में शामिल किया गया है।

11 नवंबर को जमानत पर किया गया रिहा

भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद जुलाई 2022 में चटर्जी से उनका मंत्री पद और टीएमसी में उनके सभी पद छीन लिए गए थे। उससे जुड़ी संपत्तियों से करोड़ों रुपये नकद बरामद हुए, जिसके चलते उनकी गिरफ्तारी हुई। उन्हें पिछले साल 11 नवंबर को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा कि सदन के नियमों के अनुसार प्रत्येक निर्वाचित सदस्य को कम से कम दो समितियों में सेवा देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, स्पीकर बिमान बनर्जी का चटर्जी को दो समितियों में शामिल करने का निर्णय स्थापित संसदीय प्रक्रिया के अनुरूप था, क्योंकि वह वर्तमान में विधायक हैं।

यह किसी भी प्रकार का विशेष विचार नहीं है। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि अगर आगामी बजट सत्र के दौरान चटर्जी को सत्ता पक्ष में जगह दी जाती है, तो इससे पता चलेगा कि टीएमसी भ्रष्टाचार से लड़ने के बारे में गंभीर नहीं है।

सुबह कांपी धरती, अरुणाचल में महसूस किए गए झटके

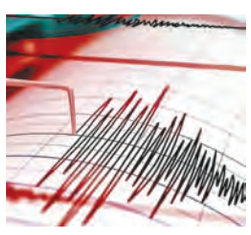

ईटानगर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के अरुणाचल प्रदेश में आज बुधवार (4 फरवरी) को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप राज्य के पश्चिम कामेंग में महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सुबह 8 बजकर 57 मिनट 36 सेकंड पर आया। भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग में था, जिसकी गहराई 5 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके 27.04 अक्षांश और 92.31 देशांतर पर महसूस किए गए। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

गुलदार की दहशत, पांच साल के बच्चे को खींचकर ले गया, आठ स्कूलों में दो दिन का अवकाश घोषित

देहरादून, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रुद्रप्रयाग तहसील रुद्रप्रयाग के सिंद्रवाणी क्षेत्र में गुलदार द्वारा एक बच्चे को उठाए जाने की घटना के बाद प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए चार और पांच फरवरी को क्षेत्र के आठ विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। अवकाश घोषित विद्यालयों में राजकीय प्राथमिक विद्यालय चमसील, सारी, सिंद्रवाणी, झालीमठ, छिनका, हिलोरीधार, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय छिनका तथा जनता हाई स्कूल ककोड़ाखाल शामिल हैं। इसके साथ ही इन विद्यालयों के आसपास संचालित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भी दो दिन का अवकाश रहेगा। रुद्रप्रयाग जनपद के न्याय पंचायत सारी अंतर्गत सिन्द्रवाणी गांव में दर्दनाक घटना सामने आई है। पांच साल के बच्चे को गुलदार उसकी मां के हाथ से खींचकर ले गया।

आईआईटी के छात्र ने किया सुसाइड, हॉस्टल की नौवीं मंजिल से लगाई छलांग

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई के आईआईटी पवई परिसर से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां पढ़ाई कर रहे एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस घटना से छात्रों में शोक की लहर है। मृतक छात्र की पहचान नमन अग्रवाल के रूप में हुई है। वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पवई में सिविल इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष का छात्र था। जानकारी के अनुसार, नमन ने हॉस्टल की नौवीं मंज़िल से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना का पता चलते ही संस्थान प्रशासन और अन्य छात्र तुरंत हरकत में आए। इस हादसे ने पूरे कैंपस को स्तब्ध कर दिया है। सहपाठी और जानने वाले छात्र इस घटना से गहरे सदमे में हैं।

एसएएफ घोटाला में मास्टरमाइंड समेत अन्य पर एफआईआर

जबलपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जबलपुर में स्पेशल आर्म्ड फोर्स (एसएएफ) की 6वीं बटालियन में 2 करोड़ रुपए से अधिक का ट्रैवलिंग अलाउंस (टीए) घोटाला सामने आया था, जो अब बढ़कर 3 करोड़ हो गया है। इस मामले में रांझी थाना पुलिस ने यहां तैनात एक एसएआई, मृत आरक्षक और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस घोटाले का मास्टरमाइंड सत्यम शर्मा लंबे समय से गायब है, जबकि मामला सामने आने के बाद आरक्षक अभिषेक झारिया ने 12 नवंबर को शोभापुर रेलवे फाटक के सामने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली थी। टीए घोटाले की जांच एसएएफ के साथ-साथ जिला प्रशासन की टीम भी कर रही थी। पुलिस ने मामले में धारा 318-4, 338, 336-3, 340-2, 316-5 और 61-2 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है।

पंचायत चुनाव मामला

हिमाचल हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची सुक्खू सरकार

शिमला, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार अब इस पूरे मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है।

बता दें कि हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने पंचायती राज संस्थाओं की चुनाव प्रक्रिया 30 अप्रैल तक पूरा करने के आदेश दिए हैं। पंचायत चुनाव समय पर करवाने के लिए प्रदेश सरकार और राज्य चुनाव आयोग को आदेश देते हुए हाईकोर्ट ने कहा था कि सांविधानिक प्रावधानों का पालन किया जाए। संविधान के अनुच्छेद 243-ई के तहत पंचायती राज संस्थाओं का 5 साल का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव कराना अनिवार्य है। राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत जारी आदेश सांविधानिक जनादेश को दरकिनार नहीं कर सकते।

असाधारण

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PUB/1876

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

अधिसूचना

सिकंदराबाद, 21 जनवरी, 2026

का.आ 381 (अ).– रेलवे अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (इसके पश्चात् उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित) की धारा 20ए की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट होने के पश्चात् कि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए भूमि, जिसका संक्षिप्त विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, विशेष रेलवे परियोजना अर्थात् तेलंगाना राज्य के निजामाबाद जिले में दक्षिण मध्य रेलवे के निजामाबाद–सिकंदराबाद और निजामाबाद–पेद्दपल्ली मुख्य लाइन को जोड़ने के लिए निजामाबाद जंक्शन स्टेशन (1.548 किमी.) पर बाइपास लाइन के निष्पादन के लिए आवश्यक है, एतद्द्वारा ऐसी भूमि का अधिग्रहण करने की अपनी मंशा की घोषणा करती है;

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 20डी की उप–धारा (1) के अंतर्गत पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अधिग्रहण और उपयोग के संबंध में आधिकारिक राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर भू–अर्जन में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है.

प्रत्येक ऐसी आपत्ति, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् भूमि अधिग्रहण अधिकारी एवं राजस्व मंडल अधिकारी, निजामाबाद को लिखित रूप में की जाएगी और उसके आधारों को निर्धारित की जाएगी तथा सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को व्यक्तिगत रूप से या कानूनी व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के बाद तथा आगे ऐसी जांच करने के पश्चात् यदि भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी यह आवश्यक समझता है तो वह किसी आदेश द्वारा आपत्तियों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है.

उक्त अधिनियम की धारा 20 (डी) की उप–धारा (II) के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा.

इस अधिसूचना के अंतर्गत शामिल की गई भूमि की भू–योजनाएं और अन्य विवरण उक्त सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध हैं और इच्छुक व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण किया जा सकता है.

अनुसूची

तेलंगाना राज्य के निजामाबाद जिले में विशेष रेल परियोजना, दक्षिण मध्य रेलवे के निजामाबाद–सिकंदराबाद और निजामाबाद–पेद्दपल्ली मुख्य लाइन को जोड़ने के लिए निजामाबाद जंक्शन स्टेशन (1.548 किमी.) पर बाइपास लाइन हेतु किसी संरचना सहित या उसके रहित अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का संक्षिप्त विवरण:

अधिग्रहण की जाने वाली भूमि का विवरणरू यात्री और माल सुविधा के लिए निजामाबाद जिला क्षेत्राधिकार के सीमा के भीतर दक्षिम मध्य रेलवे के निजामाबाद–सिकंदराबाद और निजामाबाद–पेद्दपल्ली मुख्य लाइन को जोड़ने के लिए निजामाबाद जंक्शन (1.548 किमी.) पर बाइपास लाइन.

अनुसूची–1

अधिग्रहण की जाने वाली भूमि का विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे के निजामाबाद–सिकंदराबाद और निजामाबाद–पेद्दपल्ली मुख्य लाइन को जोड़ने के लिए निजामाबाद जंक्शन स्टेशन (1.548 किमी.) पर बाइपास लाइन.

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	भूमि वर्गीकरण पट्टा/सरकारी	भूमि का प्रकार	अधिग्रहण का क्षेत्र (एकड़–गुंटा–वर्ग यार्ड)	अभ्युक्तियाँ
गाँव: गोपानपल्ली		मंडल: निजामाबाद रूरल			जिला: निजामाबाद	
1	बरदो कविता	389/एए2/2	पट्टा	कृषि भूमि	0.0400	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
	एस सयत्रा	389/ए2/1	पट्टा	कृषि भूमि	0.0800	
				कुल	0-12	
2	बोड्डू निर्मला	390/एए	पट्टा	कृषि भूमि	0.0100	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
3	वक्फ	391/1	इनाम	वक्फ	0.0200	
4	न्यालम अंजन कुमार	398/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.1900	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
5	गोपारी गंगाराम	400/ईई1/4	पट्टा	कृषि भूमि	0.0800	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूमारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/एंजॉयर 0.0625 सीमा तक हैं, दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
	गोपारी गंगा किशन	400/एए1/1	पट्टा	कृषि भूमि	0.0200	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
	पद्लोल्ला शंकर रेड्डी	400/ई1/3/1/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0500	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
		400/ई2/2	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0500	
	पद्लोल्ला स्वाति	400/यू2	पट्टा	कृषि भूमि	0.0650	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
		400/यू4	पट्टा	कृषि भूमि	0.0700	
		400/यू6	पट्टा	कृषि भूमि	0.0650	
6	काटिपल्ली सुधाकर रेड्डी	400/ई1/1/1/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0075	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
		400/ई1/1/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0163	
		400/ई1/3/1/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0163	
		400/ई2/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0075	
		400/ई2/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0225	
7	लोका राजा रेड्डी	400/ई1/1/1/4	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0084	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
		400/ई1/2/1/4	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0318	
		400/ई1/3/1/1/4	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0050	
8	बवंती देवी दास	400/ई1/1/1/1/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0478	एंजॉयमेंट सर्वेक्षण किया गया
9	बालापुरम गंगा रेड्डी	400/ई1/2/1/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0319	
		कुल			1-1950	
		सकल योग			एकड़ 2.1350 गुंटा	
गाँव: पंग्रा		मंडल: निज़ामाबाद रूरल			जिला– निज़ामाबाद	
1	न्यालम अंजन कुमार	159/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0700	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
2	न्यालम सत्यानारायणा	160/1/1	पट्टा	घर	0.0200	
	तुमल्ला अशोक रेड्डी	160/1/3/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0200	
	मड्डुम तिरूपति रेड्डी	160/1/4/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0200	
	वेंकट रेड्डी	160/1/2/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0200	
	कुल				0-1500	
3	न्यालम सत्यानारायणा	161/1/1	घर	गैर कृषि भूमि		
	तुमल्ला अशोक रेड्डी	161/1/3/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0100	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
		161/1/4/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0100	
	मड्डुम तिरूपति रेड्डी	161/1/2/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0100	
	कुल				0-0400	
4	पंचारेड्डि मोहन	162/पी2	पट्टा	कृषि भूमि	1.1000	
	अंजिर्गे अजय कुमार	162/पी1		कृषि भूमि		
	आर बानु चंदर	162/1		कृषि भूमि		
	कुल				1-1000	
5	पंचारेड्डि नडिपि गंगाराम	163/पी1/1	पट्टा	कृषि भूमि	0.2800	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
	पंचारेड्डी गंगाधर	163/पी1/2				
	रघुपति लिंगामणि	163/पी4				
	पंचारेड्डी संतोष	163/पी2				
	पंचारेड्डी सक्करी	163/पी5				
	पी.श्रीलता रेड्डी	163/पी3				
	पंचारेड्डी ओडुेन्ना	163/पी6/1				
	पंचारेड्डी लिंगन्ना	163/पी6/2				
	कुल				0-2800	
6	न्यालम चिन्ना ओडुेन्ना	164/पी3/1/1	पट्टा	कृषि भूमि	2.0100	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
	पी श्रीलता रेड्डी	164/पी3/1/2	पट्टा			
	न्यालम आनंद	164/पी2/3	पट्टा			
		164/पी3/2	पट्टा			
	एसके अहमद हुसैन	164/पी1/2	पट्टा	कृषि भूमि		
	ए विजयलक्ष्मी	164/पी1	पट्टा	कृषि भूमि		
	न्यालम पुष्पा	164/पी2/1	पट्टा			
	न्यालम अंजन कुमार	164/पी2/2	पट्टा			
	कुल				2.0100	
7	युनियन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड	165/1/1/3	पट्टा	गैर कृषि भूमि	1.1400	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
	युनियन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड	165/2/1/3	पट्टा			
	युनियन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड	165/1/5	पट्टा			
	युनियन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेडट	165/2/5	पट्टा			
	पोददुदूर विजयलक्ष्मी	165/1/1/4	पट्टा			
		165/2/1	पट्टा			
	कुल				1.1400	
8	केसु लक्ष्मी	166/पी1	पट्टा	कृषि भूमि	1.3800	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/ एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
	केसु भूमय्या	166/पी3	पट्टा			
	के ललिता	166/पी2/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि		
	कुल				1.3800	
9	के ललिता	167/ए/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.0650	तहसीलदार, निजामाबाद रूरल की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं।
		167/एए/1				
	प्रोदुटूरी श्रीलता रेड्डी भूमा रेड्डी, करण रेड्डी	167/1				
	कुल				0.0650	
10	येंडला सुरेंदर	168/ए	पट्टा		0.0350	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/ एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
	के ललिता	168/एए/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि		
	कुल				0.0350	
11	प्रोदुटूरी श्रीलता रेड्डी भूमा रेड्डी, करण रेड्डी	174/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.1300	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/ एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
12	पोद्दूटूरी रोनित रेड्डी	176/पी1/1	पट्टा	गैर कृषि भूमि	0.1900	
	प्रोदुटूर सुखीत रेड्डी	176/पी2/1	पट्टा			
	कुल				0.1900	
13	गंटा सदानंद	177	पट्टा	कृषि भूमि	0.0700	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/ एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
14	गंटा सदानंद	178	पट्टा	कृषि भूमि	0.0200	
15	नडिपि गंगाधर	179/1	पट्टा	कृषि भूमि	0.0800	
	दोंटुला सुधीर	179/2	पट्टा			
	कुल				0.0800	
16	मुल्कलक्ष्मी	180	पट्टा	कृषि भूमि	0.0900	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/ एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
17	दोंटूल सुधीर	181/एपी1/1	पट्टा	कृषि भूमि	0.1500	
	दोंटूत मल्लय्या	181/एपी/1/2	पट्टा	कृषि भूमि		
	मुल्कलक्ष्मी	181/एए	पट्टा			
	कुल				0-15	
18	नंदी बिक्शापति	182/पी1	पट्टा	कृषि भूमि	0.0600	तहसीलदार, निजामाबाद ग्रामीण की रिपोर्ट के अनुसार, भूभारती पोर्टल पर दिखाए गए पट्टेदार/ एंजॉयर अपना भौतिक कब्जा नहीं दिखा रहे हैं। दिनांक 12.12.2025 के पत्र संख्या बी/1394/2024 के अनुसार
	न्यालम सत्यनारायणा	182/पी2/1	नाला	गैर कृषि भूमि		
	कुल				0.0600	
	सकल योग				9.3900	
	दो गाँवों का सकल योग				12.1250	

[फा.सं. W.Con.182/SRP-06/MUE-BSX/23-24/247/20A/210126]

अमित अग्रवाल, मुख्य इंजीनियर/निर्माण/आयोजना एवं सर्वेक्षण

A2375

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 5 फरवरी - 2026

विचार

जिंदगी कभी कुछ भी दोहराएगी नहीं, जो यादें समेट सको समेट लो

हैदराबाद को फिल्म उद्योग का केंद्र बनाने की योजना : भट्टी

गद्दर फिल्म अवाड्र्स की जूरी सदस्यों की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि राज्य सरकार तेलुगु फिल्म उद्योग को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और हैदराबाद को राष्ट्रीय फिल्म उद्योग का केंद्र बनाने की दृष्टि से काम कर रही है।

उन्होंने यह बात सचिवालय में बुधवार को गद्दर फिल्म अवाड्र्स की जूरी सदस्यों की बैठक में कही। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में फिल्म उद्योग के विस्तार की अधिक संभावना नहीं है, जबकि हैदराबाद में सभी भाषाओं के फिल्म उद्योग के विकास और प्रसार के लिए कई अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

भट्टी ने कहा कि अगर सभी भाषाओं के फिल्म उद्योग हैदराबाद में आएं, तो यह राज्य के युवाओं के लिए तकनीशियन, लेखक और निर्देशक सहित रोजगार के अवसर पैदा करेगा। हैदराबाद वैश्विक फिल्म बाजार का केंद्र बनेगा।

सरकार इस दिशा में विस्तृत रूपरेखा तैयार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली सरकार ने कई दशकों तक फिल्म अवाड्र्स की अनदेखी की, जबकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में प्रजा सरकार ने फिल्म अवाड्र्स को पुनर्जीवित किया है ताकि सिनेमा क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जा सके, जिसका समाज पर गहरा प्रभाव है। उपमुख्यमंत्री ने गद्दर को समाज के लिए कला के माध्यम से जीवन समर्पित करने वाले महान व्यक्तित्व के रूप में वर्णित किया।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना कला, क्रांति, प्रश्न, संवेदनशीलता, प्रेम और करुणा का प्रतिनिधित्व करता है, और गदर ने तेलंगाना की कला और संस्कृति को विश्व स्तर पर प्रस्तुत किया। इसी कारण सरकार ने पिछले वर्ष से उनके नाम पर फिल्म अवाड्र्स देना शुरू किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि फिल्म अवाड्र्स के चयन में केवल प्रतिभा और पारदर्शिता को मानदंड बनाया जाएगा और पिछली बार जूरी सदस्यों की चयन प्रक्रिया की सराहना की गई थी। उन्होंने सुझाव दिया कि गद्दर अवाड्र्स के लिए फिल्मों का चयन करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि उनमें व्यावसायिक तत्वों के साथ-साथ मजबूत सामाजिक संदेश भी मौजूद हो, ताकि आने वाले दिनों में सार्थक सिनेमा को बढ़ावा मिले।

भट्टि विक्रमार्का ने घोषणा की कि गद्दर फिल्म अवाड्र्स के लिए फिल्मों की स्क्रीनिंग 6 फरवरी से शुरू होगी और पुरस्कार वितरण समारोह 19 मार्च को, उजाड़ी उत्सव के अवसर पर, भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। बैठक में फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के चेयरमैन दिल राजू, आईएंडपीआर कमिश्नर प्रियांका, एफडीसी कार्यकारी निदेशक किशोर बाबू और फिल्म उद्योग की जानी-मानी हस्तियां तनीकेल्ला भरनी, के.एस. रामा राव, रोजा रामानी, अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

संपत्ति विवाद में महिला वकील की हत्या, वकीलों में आक्रोश

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद में बुधवार को पारिवारिक संपत्ति विवाद के दौरान एक 34 वर्षीय महिला वकील की कथित तौर पर उसके अपने भाई ने हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और वकीलों में भारी आक्रोश देखा गया। पीड़िता की पहचान स्वप्ना के रूप में हुई है, जो चेवेल्ला कोर्ट में प्रैक्टिसिंग वकील थीं। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह घटना मोइनाबाद पुलिस थाना क्षेत्र के केथिरेड्डीपल्ली गांव में हुई। स्वप्ना एक खेत में गई थी, जहां परिवार के बीच लंबे समय से चले आ रहे संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए पंचायत चल रही थी।

बताया गया कि विवाद के दौरान बहस काफी बढ़ गई, इसी बीच स्वप्ना के भाई ने कथित तौर पर गुस्से में आकर चाकू से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल स्वप्ना को स्थानीय लोग तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी भाई मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

इस जघन्य हत्या के विरोध में जिले भर के वकीलों में आक्रोश फैल गया। विरोध स्वरूप चेवेल्ला और आसपास की अदालतों में वकीलों ने कामकाज का बहिष्कार किया। बड़ी संख्या में वकील मोइनाबाद पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी व कड़ी सजा की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान वकीलों ने हैदराबाद–बीजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग को कई घंटों तक जाम रखा, जिससे यातायात बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निंदा करते हुए वकीलों, विशेषकर महिला वकीलों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और वकीलों को आश्वासन दिया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद विरोध प्रदर्शन आंशिक रूप से समाप्त कर दिया गया।

पवन कल्याण तेलंगाना विरोधी नेता हैं : टीपीसीसी अध्यक्ष

नितिन नबीन का तेलंगाना दौरा जनता को भड़काने की साजिश

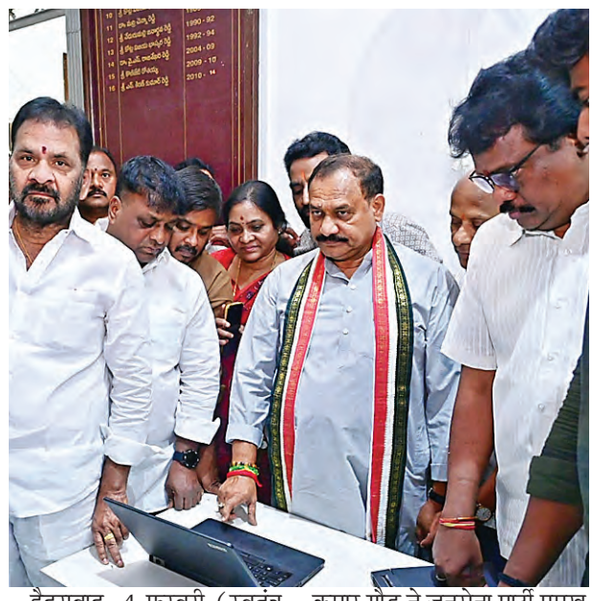

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने जनसेना पार्टी प्रमुख एवं आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वे तेलंगाना में राजनीति करने के बजाय अपने राज्य तक सीमित रहें।

उन्होंने आरोप लगाया कि पवन कल्याण तेलंगाना विरोधी नेता हैं और अतीत में राज्य के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर चुके हैं। बुधवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना में जनसेना को कोई वोट नहीं मिलने वाला है, चाहे पवन कल्याण कितना भी प्रचार करें। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि नगर पालिका चुनावों में भाजपा का खाता तक नहीं खुलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जुबली हिल्स उपचुनाव में धर्म के नाम पर भड़काने वाली भाजपा की जमानत जब्त हो गई थी और वही पार्टी अब नगर पालिका चुनावों में भी धार्मिक उकसावे की राजनीति कर रही है।

उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के तेलंगाना दौरे को भी जनता को भड़काने की साजिश बताया और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना के लोग धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर भाईचारे के साथ रहते हैं और भाजपा को समर्थन नहीं देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भैंसा दंगों के कारण ही भाजपा को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में फायदा हुआ। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि जब राज्य से 8 भाजपा सांसद और 2 केंद्रीय मंत्री हैं तो बजट में तेलंगाना को क्या दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने संसदीय चुनावों में वोटों की चोरी से जीत हासिल की। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में तेलंगाना ने केंद्र को 4.32 लाख करोड़ रुपये जीएसटी के रूप में दिए, लेकिन बदले में केवल 3.76 लाख करोड़ रुपये मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बजट में उत्तर भारतीय राज्यों को अधिक प्राथमिकता देकर संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ काम कर रही है और तेलंगाना के कर राजस्व को गुजरात स्थानांतरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आज साइबर सुरक्षा ब्यूरो के 'शील्ड 2.0' कार्यक्रम का करेंगे उद्घाटन

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य साइबर सुरक्षा ब्यूरो के तत्वावधान में गुरुवार को हैदराबाद के आईसीसी ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले 'शील्ड 2.0' कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी करेंगे। इस राष्ट्रीय स्तर के साइबर इनोवेशन चैलेंज 'साइफर स्प्रिंट' कार्यक्रम का नारा हैः ' पीड़ितों की सुरक्षा – डिजिटल भविष्य के लिए सुरक्षा'। यह कार्यक्रम राज्य की तकनीकी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के साथ-साथ साइबर क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे, जबकि उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव और डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

बिना लाइसेंस मेडिकल डिवाइस निर्माण का भंडाफोड़

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन (डीसीए) ने बिना लाइसेंस मेडिकल डिवाइस के निर्माण और बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रायदुर्ग, सेरिलिंगमपल्ली स्थित ब्लूसेमी रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर छापा मारा। इस दौरान करीब 4 लाख मूल्य के मेडिकल डिवाइस ज़ब्त किए गए।

जानकारी के अनुसार, ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन, तेलंगाना के अधिकारियों ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर यह छापेमारी की। कार्रवाई केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से की गई।

जांच में पाया गया कि कंपनी बिना वैध लाइसेंस के 'पेशेंट मॉनिटर (ईवाईवीए – इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल डिवाइस)' का निर्माण और बिक्री कर रही थी, जिसका उपयोग मानव शरीर के महत्वपूर्ण संकेतकों की निगरानी के लिए किया जाता है। छापे के दौरान अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में तैयार मेडिकल डिवाइस, बिक्री के लिए रखे गए स्टॉक, उपयोग पुस्तिकाएं और बिक्री चालान बरामद कर ज़ब्त किए।

ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन ने बताया कि जोखिम वर्ग ए(स्टेराइल एवं मापने वाले) तथा वर्ग बी के मेडिकल डिवाइस का निर्माण अनिवार्य रूप से फॉर्म एमडी -5 के अंतर्गत जारी वैध लाइसेंस के साथ ही किया जा सकता है। यह उत्पाद ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 एवं मेडिकल डिवाइसेज़ नियम, 2017 के अंतर्गत मेडिकल डिवाइस की श्रेणी में आता है, और इसके निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली तथा मानकों का पालन आवश्यक है। यह कार्रवाई डिप्टी डायरेक्टर-II अंजुम आबिदा और सहायक निदेशक के. अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में की गई। छापे में ड्रग्स इंस्पेक्टर डी. श्वेता बिंदु (गंडीपेट), के. अन्वेष (शमशाबाद) तथा सीडीएससीओ हैदराबाद ज़ोन के एम. विक्रम शामिल थे।

डीसीए प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बिना लाइसेंस मेडिकल डिवाइस का निर्माण गंभीर अपराध है, जिसके लिए पांच वर्ष तक की कैद का प्रावधान है। बिना लाइसेंस निर्मित उपकरण गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरते और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। मामले की आगे की जांच जारी है और सभी दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पासपोर्ट लौटाने की मांग, डीजीपी को पूर्व डिजिटल मीडिया निदेशक का पत्र

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डिजिटल मीडिया के पूर्व निदेशक कोनाथम दिलीप ने पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी को पत्र लिखकर अपना पासपोर्ट वापस करने की मांग की है। उनका आरोप है कि पुलिस पिछले आठ महीनों से उनका पासपोर्ट अपने पास रखे हुए है।

डीजीपी को संबोधित और मीडिया को जारी एक ज्ञापन में दिलीप ने बताया कि 10 जून 2025 को हैदराबाद हवाई अड्डे पर खानपुर सर्कल इंस्पेक्टर ने उनकी गिरफ्तारी के दौरान उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया था।

उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी एक राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठे मामले में की गई थी।

दिलीप ने कहा कि आठ महीने बीत जाने के बावजूद उनका पासपोर्ट न तो अदालत में पेश किया गया है और न ही उन्हें वापस किया गया है। उन्होंने पासपोर्ट को लगातार रोके रखने को गैरकानूनी बताते हुए डीजीपी से व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर इसे तुरंत जारी कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना पासपोर्ट रोकना नियमों का उल्लंघन है और इससे उनकी निजी व पेशेवर जिम्मेदारियां प्रभावित हो रही हैं। दिलीप ने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनके खिलाफ कई झूठे मामले दर्ज किए हैं और पासपोर्ट रोकना भी इसी उत्पीड़न का हिस्सा है।

गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है राज्य सरकार : बंडी संजय

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को कहा कि यदि वेमुलवाड़ा नगर पालिका में भाजपा को सत्ता सौंपी जाती है तो वे केंद्र सरकार से पर्याप्त धनराशि लाकर नगर के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी स्वयं लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपने दो वर्षों के कार्यकाल में नगर पालिका के लिए कोई फंड आवंटित नहीं कर पाई और राज्य सरकार गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनावी वादों को पूरा नहीं कर जनता को ठगा है और एक बार फिर भ्रामक आश्वासनों के साथ जनता के पास जा रही है। वेमुलवाड़ा में बंडी संजय ने बीआरएस पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि 10 वर्षों के शासनकाल में पार्टी ने जनता का शोषण किया, इसलिए उसे समर्थन देने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने वेमुलवाड़ा विधायक पर भाजपा नेताओं को धमकाने और मनमानी करने का आरोप लगाया तथा कहा कि पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय विधायक का साथ दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो वे इस मामले को डीजीपी और एसपी के संज्ञान में लाएंगे।

ईसीआई 24 को आयोजित करेगा राज्य चुनाव आयुक्तों का राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली , 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) 24 फरवरी को नयी दिल्ली के भारत मंडप में राज्य चुनाव आयुक्तों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। इसमें देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव आयुक्त भाग लेंगे। यह राष्ट्रीय एसईसी सम्मेलन 25 सालों के लंबे अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले ऐसा सम्मेलन 1999 में आयोजित हुआ था। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार करेंगे। उनके साथ चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह सांधू और डॉ. विवेक जोशी भी उद्घाटन सत्र में राज्य चुनाव आयुक्तों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में राज्य चुनाव आयुक्त अपने विधिक और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ भाग लेकर अपने सुझाव और अनुभव साझा करेंगे। इसके अलावा, भारतीय निर्वाचन आयोग के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) भी इसमें शामिल होंगे। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया और लॉजिस्टिक्स से जुड़े मामलों में भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और राज्य चुनाव आयुक्तों (एसईसी) के बीच समन्वय को मजबूत करना है। सम्मेलन में प्रतिभागी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मतदाता पात्रता कानून, ईसीआईएनईटी डिजिटल प्लेटफॉर्म, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) और अन्य संबंधित विषयों पर चर्चा करेंगे। डिप्टी डायरेक्टर भारतीय निर्वाचन आयोग, पी. पवन ने बताया कि भारतीय संविधान और देश के कानूनों के अनुसार, निर्वाचन आयोग की चुनाव संचालन और मतदाता सूची निर्माण में वर्षों की विशेषज्ञता को राज्य चुनाव आयुक्तों के साथ साझा किया जाएगा।

फर्स्ट और लास्ट माइल कनेक्टिविटी मजबूत करेगा आरटीसी

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने राजधानी क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से फर्स्ट-माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करने का फैसला किया है। इसके तहत एमएमटीएस स्टेशनों से आने-जाने वाली बस सेवाओं में सुधार किया जाएगा। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, रेलवे अधिकारियों से मिलने वाले यात्री मांग और संख्या के आंकड़ों के आधार पर प्रमुख एमएमटीएस स्टेशनों से जुड़ी बस सेवाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। दैनिक यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घनी आबादी वाले आवासीय और व्यावसायिक इलाकों पर विशेष फोकस रहेगा।

निगम जीएचएमसी अधिकारियों के साथ मिलकर हैदराबाद के सभी 51 एमएमटीएस स्टेशनों के आसपास मौजूदा बस रूट और स्टॉप का विस्तृत मानचित्रण करेगा। इसके आधार पर जरूरत के अनुसार नए रूट शुरू किए जाएंगे और बसों की आवृत्ति बढ़ाई जाएगी। साथ ही प्रमुख मार्गों पर बस संचालन को सुचारू बनाने के लिए जीएचएमसी से सड़क चौड़ीकरण और बुनियादी ढांचे में सुधार का अनुरोध किया गया है।

टीजीएसआरटीसी एमएमटीएस स्टेशनों को आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने के लिए निजी ऑपरेटरों के माध्यम से फीडर सेवाएं शुरू करने पर भी विचार कर रहा है। इन सेवाओं को जीपीएस आधारित निगरानी प्रणाली से जोड़कर बेहतर कवरेज और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सकती है।

इसके अलावा, मेट्रो स्टेशनों को नजदीकी बस स्टॉप से जोड़ने के लिए मेट्रो रेल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने की योजना है, जिससे भीड़ कम हो और पैदल यात्रियों को सुविधा मिले।

आरटीसी बस, मेट्रो रेल और एमएमटीएस के लिए एकीकृत टिकट प्रणाली लागू करने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों ने कहा कि इन पहलों का मकसद राजधानी क्षेत्र के यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, कुशल और सुव्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क उपलब्ध कराना है।

महिला सुरक्षा विभाग ने महिला ड्राइवर्स के लिए एमओयू पर किया समझौता

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ परिवहन क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से, तेलंगाना पुलिस का महिला सुरक्षा विभाग एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। महिलाओं के नेतृत्व में पर्यावरण-हितैषी परिवहन रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु एक प्रमुख वाहन डीलरशिप कंपनी के साथ बुधवार को जागरूकता समझौता (एमओयू) किया गया। महिंद्रा के लास्ट माइल मोबिलिटी के आधिकारिक साझेदार के सहयोग से शहर में महिला आधारित इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर महिला सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त डीजीपी चारुसिंहा कार्यालय में दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अभिनव योजना के तहत हैदराबाद के चार पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्रों से लगभग 500 महिलाओं का चयन किया जाएगा और उन्हें इलेक्ट्रिक ऑटो ड्राइवरों के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा।

एक साल तक चलने वाले इस पायलट प्रोजेक्ट से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और सार्वजनिक स्थानों में उनकी उपस्थिति बढ़ने से यात्रियों के लिए अधिक सुरक्षित परिवहन वातावरण तैयार होगा, यह जानकारी अतिरिक्त डीजीपी चारु सिन्हा ने दी। महिला सशक्तिकरण और स्थायी परिवहन प्रणालियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, महिला सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त डीजीपी चारु सिन्हा ने कहा कि यह साझेदारी न केवल शहर के परिवहन परिदृश्य को बदलने में मदद करेगी बल्कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देगी।

विवेक ने बीआएस पर तेलंगाना को लूटने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रोजगार और श्रम मंत्री तथा मेदक संसदीय क्षेत्र के प्रभारी विवेक वेंकटस्वामी ने बीआएस पार्टी और कल्वाकुंटला परिवार की सत्ताकालीन कार्यशैली की कड़ी आलोचना की और राज्य के वर्तमान कर्ज संकट के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पिछले प्रशासन की कमियों को सुधारने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। हाल ही में मेदक नगरपालिका के कांग्रेस उम्मीदवारों के साथ बैठक में, विवेक ने बीआएसपार्टी और कल्वाकुंटला परिवार पर आरोप लगाया कि उन्होंने पिछले एक दशक में राज्य के संसाधनों का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने परियोजनाओं पर कमीशन मांगकर भ्रष्टाचार किया, जिससे उनकी व्यक्तिगत और पार्टी की संपत्ति में वृद्धि हुई। मंत्री ने आगे कहा कि कल्वाकुंटला परिवार की संपत्ति अत्यधिक स्तर तक पहुँच गई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बीआएस पार्टी के पास वर्तमान में 800 करोड़ रुपये की जमा राशि है। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि जबकि बीआरएस पार्टी ने गरीबों को डबल-बेडरूम घर उपलब्ध कराने में असफल रही, पार्टी के प्रमुख सदस्यों सहित पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, उनके पुत्र, पुत्री और दामाद ने बड़े भूखंडों पर विशाल फार्महाउस का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि कविता द्वारा लगाए गए आरोपों में से कोई भी गलत नहीं है, सभी सत्य हैं। मंत्री ने पिछले बीआएस प्रशासन पर राज्य को 8 लाख करोड़ रुपये के भारी कर्ज के बोझ तले डालने का आरोप लगाया और कहा कि केवल 1 लाख करोड़ रुपये की आय से, केवल ब्याज भी पूरा करना मुश्किल है।

संदिग्ध दिख रहे थे 2 यात्री, आरपीएफ ने बैग की तलाशी ली तो उड़ गए होश

गयाजी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रेलवे पुलिस (आरपीएफ) यात्रियों की सुरक्षा में लगी रहती है। रेलवे प्लेटफॉर्म, ट्रेनों आदि में अक्सर जांच की जाती है कि कहीं कोई संदिग्ध वस्तु तो नहीं है या कहीं कोई चोर-उचक्के तो नहीं घूम रहे हैं। इसी क्रम में बिहार के गयाजी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ को दो यात्री संदिग्ध दिखे। ऐसे में टीम ने जब उन दोनों यात्रियों का बैग चेक किया तो उनके होश उड़ गए। गयाजी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ को यात्री के बैग से रेड सैंड बोया सांप मिला जो करोड़ों रुपये में बिकता है। पुलिस ने तुरंत दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान कुछ देर के लिए रेलवे स्टेशन पर हड़कंप मच गया।

सीएम नीतीश कुमार जल्द बुलेटप्रूफ रेंज रोवर कार में नजर आएंगे

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)।

एके-47 की गोलियां हों या रॉकेट लॉन्चर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नई कार का कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। सीएम नई बुलेटप्रूफ रेंज रोवर गाड़ी से चलेंगे। ऐसी गाड़ी में पीएम नरेंद्र मोदी चलते हैं। सीएम के काफिले के लिए बिहार सरकार जल्द 4 नई गाड़ियां खरीदने वाली है। इसकी शुरुआती कीमत 2.5 करोड़ रुपए है। रेंज रोवर गाड़ी का मॉडल क्या है? इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मॉडल और बुलेट प्रूफिंग के लेवल के अनुसार लागत बढ़ सकती है। पीएम जिस रेंज रोवर की सवारी करते हैं वह 10 करोड़ से अधिक की है।

बुलेटप्रूफ कार इस्तेमाल करते हैं सीएम

पुलिस मुख्यालय के मुताबिक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुलेटप्रूफ कार इस्तेमाल करते हैं। छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और कई और राज्यों के सीएम भी बुलेटप्रूफ गाड़ियों से चलते हैं। बिहार दौरे पर अगर किसी राज्य के सीएम आते हैं, तो उनके लिए बुलेटप्रूफ गाड़ी की व्यवस्था होती है। बताया जा रहा है कि नीतीश के लिए नई गाड़ी ऐसी खरीदी जाएगी, जिसे एके-47 की गोलियां भेद न सके। बम धमाके और रॉकेट लॉन्चर से हुए हमले को भी बेअसर कर दे। गैस अटैक से भी बचा दे। ऐसा फैसला सीएम की सिक्योरिटी को देखते हुए लिया गया है।

पीएम मोदी भी करते हैं रेंज रोवर की सवारी

नरेंद्र मोदी मर्सिडीज-मेबैक S650 गार्ड, रेंज रोवर सेंटिनल, टोयोटा लैंड क्रूजर और बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज की कार में सवार होते हैं। मोदी के रेंज रोवर सेंटिनल की कीमत 10 करोड़ रुपए से अधिक है। ऐसी जानकारी मिल रही है कि नीतीश की कार भी पीएम जैसी हो सकती है।

आर्मर्ड वर्जन है रेंज रोवर सेंटिनल

रेंज रोवर सेंटिनल आर्मर्ड वर्जन है। भारी कवच लगाने से कार का वजन बढ़ जाता है। इसके चलते इसमें 5 लीटर का सुपरचार्ड वी8 इंजन लगा है। यह 375 बीएचपी पावर जेनरेट कर सकता है। रेंज रोवर सेंटिनल 218 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ सकती है। 10 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ लेती है। कार लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस है।

आर्मर पियर्सिंग गोली भी नहीं भेद सकती

रेंज रोवर सेंटिनल को यूके में बनाया जाता है। इसे कंपनी के स्पेशल व्हीकल ऑपरेशंस (एसवीओ) डिवीजन के लोग हाथ से बनाते हैं। इसकी खिड़की को खास तरीके से डिजाइन किया गया है। यह 150एमएम तक खुल सकती है, जिससे अंदर बैठे व्यक्ति को हमलावरों के सामने आए बिना डॉक्यूमेंट्स दिया जा सकता है। कार में खास आर्मर्ड ग्लास लगा है। इस कार को बुलेटप्रूफ बनाने के लिए हाई-स्ट्रेंथ स्टील आर्मर्ड पैसेंजर सेल का इस्तेमाल होता है। यह 7.62एमएम हाई-वेलोसिटी गोलियों और 15 किलो टीएनटी धमाकों को झेल सकती है। अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजधानी यानी पटना में हुंडई की आयोनिक 5 गाड़ी से चलते हैं। यह बुलेटप्रूफ नहीं है। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपए है।

बदमाशों ने भाजपा नेता को गोली मारी

गोरखपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर में भाजपा नेता को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। गोली उनके पीठ में लगी। जिसके बाद वह जमीन पर गिर गए। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। घटना की सूचना पर गगहा थाने की पुलिस पहुंची। तत्काल भाजपा नेता को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां इलाज चल रहा है। वारदात मंगलवार रात गगहा थाना क्षेत्र की है। गगहा थाना क्षेत्र के भैसहा के रहने वाले भाजपा नेता और लीलावती सिंह स्मारक इंटर मीडिएट कालेज भैंसहा के प्रबंधक राधामोहन सिंह को रकहट और भैंसहां के बीच बंधे पर रात करीब 8:45 बजे बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारी है। गोली उनकी पीठ में फंसी हुई है। सूचना पर गगहा थाना प्रभारी अंजुल चतुर्वेदी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

दिल्ली में बिहार के लाल का नया ठिकाना

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को मिला हाई-सिक्योरिटी टाइप-8 बंगला

बिहार के लाल और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को केंद्र सरकार ने दिल्ली में प्रतिष्ठित सरकारी आवास आवंटित किया है। यह आवास लुटियंस दिल्ली के बेहद सुरक्षित और वीआईपी इलाके में स्थित 1 मोतीलाल नेहरू मार्ग पर है। यह बंगला पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो नेता शिबू सोरेन के नाम आवंटित था। सूत्रों के अनुसार, नितिन नवीन को पहले 9 सुनहरी बाग लेन का बंगला देने की पेशकश की गई थी, लेकिन वह उन्हें उपयुक्त नहीं लगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने उन्हें टाइप-8 श्रेणी का 1 मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित बंगला आवंटित किया, जिसे दिल्ली के सबसे हाई-प्रोफाइल सरकारी आवासों में गिना जाता है।

नियमों के तहत मिला आवास

डायरेक्टरेट ऑफ एस्टेट के नियमों के अनुसार, किसी राष्ट्रीय राजनीतिक दल के अध्यक्ष को, यदि वह केंद्रीय मंत्री या सांसद नहीं है, तो टाइप-8 श्रेणी का सरकारी आवास दिया जा सकता है। इसी प्रावधान के तहत नितिन नवीन को यह बंगला आवंटित किया गया है।

हाई ग्रेड सुविधाओं से लैस बंगला

टाइप-8 सरकारी बंगला बेहद हाई ग्रेड माना जाता है। इसमें 8 बड़े कमरे होते हैं, जिनमें 5 से 6 बेडरूम, विशाल ड्राइंग रूम, स्टडी रूम, मॉडर्न किचन और डाइनिंग एरिया शामिल हैं। इसके अलावा निजी गैराज, स्टोर रूम और स्टाफ क्वार्टर की अलग व्यवस्था भी रहती है।

बिहार के लिए सियासी संदेश

दिल्ली के पावर कॉरिडोर में बिहार के लाल को मिला यह आवास केवल एक सरकारी सुविधा नहीं, बल्कि बिहार की सियासी मौजूदगी और बढ़ते कद का संकेत भी माना जा रहा है। राष्ट्रीय राजनीति में नितिन नवीन की भूमिका और प्रभाव को यह आवंटन और मजबूती देता दिख रहा है।

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा इंतजाम

इस श्रेणी के बंगले आम सरकारी आवासों की तुलना में कहीं ज्यादा सुरक्षित होते हैं। पूरे परिसर में हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाते हैं। सुरक्षा बलों की तैनाती 24 घंटे रहती है। मेहमानों और स्टाफ के लिए अलग प्रवेश और निकास की व्यवस्था की गई है।

ऑनलाइन गेमिंग की लत तीन सगी नाबालिग बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर दी जान

गाजियाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद के टीलामोड़ थानाक्षेत्र इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार की तीन नाबालिग बहनों ने कथित तौर पर अपने माता-पिता द्वारा ऑनलाइन गेमिंग पर आपत्ति जताए जाने के बाद 9वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। तीन बेटियों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों के कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि ये तीनों बहनें पिछले कुछ महीनों से ऑनलाइन गेम खेलने की आदी हो चुकी थीं और कोरोना महामारी के बाद से इनका स्कूल भी रेगुलर नहीं था। चेतन कुमार, जो ऑनलाइन ट्रेडिंग का काम करते हैं और तीन साल से भारत सिटी सोसायटी में किराये पर रह रहे हैं,

अवसानेश्वर मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचे चोर, 8 किलो चांदी समेत 25 लाख की चोरी

बाराबंकी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बाराबंकी के हैदरगढ़ स्थित श्री अवसानेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार रात चोरों ने आस्था को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर के गर्भगृह तक घुस गए और चांदी के छत्र समेत करीब 8 किलो चांदी व अन्य कीमती पूजा सामग्री लेकर फरार हो गए। चोरी की कुल कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी जा रही है। बुधवार सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो टूटा ताला और बिखरा सामान देखकर चोरी का खुलासा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की।

मैडम! मैं जिंदा हूं.. मेरी पेंशन बंद कर दी, मुख्य विकास अधिकारी से लगाई गुहार तो दो साल बाद मिली राहत

सीडीओ प्रतिभा सिंह।

आगरा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मैम! मैं मरी नहीं हूं। मैं जिंदा हूं। आपके सामने खड़ी हूं। मुझे मृत दर्शाकर वृद्धावस्था पेंशन बंद कर दी गई। फतेहाबाद की ग्राम पंचायत जटपुरा की रहने वाली भगवानदेवी ने अपनी व्यथा खंड विकास अधिकारी फतेहाबाद, समाज कल्याण अधिकारी से लगाई। सीडीओ (मुख्य विकास अधिकारी) भी वहां पहुंची, तो अधिकारी हरकत में आए, आखिर में लगभग दो साल तक धक्का खाने के बाद उसे पेंशन मिल ही गई। फतेहाबाद विकास खंड की ग्राम पंचायत जटपुरा के मजरा लायकपुरा की रहने वाली भगवानदेवी को वर्ष 2024-25 में हुए सत्यापन में पंचायत सचिव यशवंत ने मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद उसकी पेंशन रुक गई। इसका कारण जानने के प्रयास और पेंशन बहाली कराने के लिए उसे दर दर की ठोकरें खानी पड़ी।

बीडीओ को अपने जिंदा होने का सबूत दिया। एडीओ पंचायत से रिपोर्ट तैयार कराकर समाज कल्याण विभाग भिजवाया। भगवानदेवी तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी जीआर प्रजापति से मिलीं।

पप्पू यादव के खिलाफ पटना कोर्ट ने दिए कुर्की के आदेश, 31 साल पुराना है मामला

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)।

पटना की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव समेत तीन आरोपियों के खिलाफ कुर्की-जब्ती का सख्त आदेश जारी किया है। विशेष न्यायाधीश प्रवीण कुमार मालवीय की अदालत ने यह फैसला आरोपियों के लंबे समय से अदालत में पेश न होने के कारण लिया है। इस मामले में सांसद के अलावा शैलेंद्र प्रसाद और चंद्र नारायण प्रसाद को भी नामजद किया गया है, जिन्हें कोर्ट की कार्रवाई में शामिल न होने का दोषी माना गया है। यह कानूनी कार्रवाई करीब 31 साल पुराने एक विवाद से जुड़ी है, जो साल 1995 में शुरू हुआ था।

1990 के दशक में बिहार में बाहुबलियों का दबदबा था

1990 का दशक बिहार में बाहुबली राजनीति का चरम दौर था, खासकर कोसी-सीमांचल क्षेत्र में। पप्पू यादव (राजेश रंजन) भी इस दौर में एक बड़ा नाम बना। 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान पप्पू यादव ने अपने चुनावी हलफनामे में 41 आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी दी थी। इनमें हत्या, अपहरण, धमकी, दंगा, रंगदारी जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। कुछ मामलों में सजा हो चुकी है (जैसे आजीवन कारावास, बाद में अपील में राहत), लेकिन अधिकांश लंबित हैं। 1990 बिहार विधानसभा चुनाव में वे सिंहेश्वर (मधेपुरा जिला) सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधायक चुने गए। इसके बाद से उनका बिहार की राजनीति में भी कद बढ़ता गया और आज वह पूर्णिया से निर्दलीय सांसद हैं।

किस मामले में पप्पू यादव के खिलाफ कुर्की के आदेश?

1995 में पटना के गर्दनीबाग थाने में (प्राथमिकी संख्या 552/1995) मामला दर्ज कराया गया था। शिकायतकर्ता विनोद बिहारी लाल का आरोप था कि उनका मकान धोखाधड़ी के जरिए किराए पर लिया गया था। मकान मालिक को बाद में पता चला कि उनके घर का इस्तेमाल सांसद का कार्यालय चलाने के लिए किया जा रहा था, जबकि किराए पर लेते समय तथ्यों को छुपाया गया था।

मुनव्वर राणा की बेटी को उनके पति ने तीन तलाक दिया

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)।

यूपी की राजधानी लखनऊ से एक बड़ी खबर है। लखनऊ में मशहूर शायर मुनव्वर राणा की बेटी को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। शायर मुनव्वर राणा की बेटी हिबा राणा ने आरोप लगाया है कि उनके पति सैय्यद मो।साकिब ने उन्हें तीन तलाक दिया है। सआदतगंज पुलिस ने तीन तलाक का केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

मुनव्वर की बेटी हिबा ने अपने पति और ससुरालवालों पर दहेज मांगने का भी आरोप लगाया है। हिबा की तरफ से पुलिस में जो शिकायत दर्ज कराई गई है, उसमें ये बताया गया है कि हिबा और साकिब का निकाह 19 दिसंबर 2013 को हुआ था। इस दौरान दहेज में 10 लाख रुपए और सोने-चांदी के आभूषण दिए गए थे। हिबा का आरोप है कि ससुरालवाले उससे 20 लाख रुपए की मांग कर रहे थे और इसके लिए उससे मारपीट भी की जाती थी। हद तो तब हो गई जब पति ने हिबा को धक्के मारकर घर से निकाल दिया और तीन तलाक दे दिया।

आरोप ये भी है कि साकिब द्वारा हिबा को जान से मारने की धमकी भी दी गई है।

तीन तलाक को लेकर क्या है नियम?

मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत 1 अगस्त 2019 से तीन तलाक कानून लागू है। इस कानून के तहत तीन तलाक पूरी तरह अवैध है। यानी कोई भी व्यक्ति किसी महिला को तीन तलाक नहीं दे सकता है। बता दें कि ये प्रथा मुस्लिम समाज में थी, जिसमें पति अपनी पत्नी को एक ही बार में तीन बार तलाक बोलकर या लिखकर तलाक दे देता था। हालांकि अब तीन तलाक देना पूरी तरह से गैरकानूनी है।

कौन थे मुनव्वर राना?

मुनव्वर राना का नाम देश के प्रमुख शायरों में बड़े आदर के साथ लिया जाता है। वह उर्दू साहित्य के बड़े नाम थे। उनका निधन 15 जनवरी 2024 को 71 वर्ष की आयु में लखनऊ में हुआ था। उन्हें 2014 में साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला था।

सड़क पर सियासी संग्राम! 'आप मारेंगी, होश में रहना'- सपा नेता पूजा शुक्ला और महिला बीएलओ की तीखी बहस कैमरे में कैद

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में समाजवादी पार्टी (सपा) की नेता पूजा शुक्ला और एक महिला बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के बीच तीखी बहस दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि यह मामला एक मतदान केंद्र से जुड़ा है, जहां कुछ मतदाताओं की शिकायतों को लेकर विवाद शुरू हुआ। वायरल वीडियो की शुरुआत में महिला बीएलओ और पूजा शुक्ला के साथ पहुंचे कुछ मतदाताओं के बीच बातचीत होती नजर आती है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने की अंग्रेजों की तारीफ

बोले- ब्राह्मणों के न्यायिक सेवा में लिए जाने पर लगाई थी रोक

कानपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अंग्रेजों ने ब्राह्मणों को न्यायिक सेवा में लिए जाने पर रोक लगा दी थी। वही ब्राह्मण आज न्यायिक सेवाओं में 70 से 80% तक भरे पड़े हैं। उन्होंने पूछा कि क्या ब्राह्मण का चरित्र बदल गया? स्वामी प्रसाद मौर्य के एक्स पर किए गए इस पोस्ट के बाद कई आपत्तिजनक टिप्पणियां आई हैं। लोग एक दूसरे पर टीका टिप्पणी कर रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर भी बातें हो रही हैं। मानसिक संतुलन बिगड़ने तक की बातें लिखी गई हैं।

क्या लिखा स्वामी प्रसाद मौर्य ने?

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य चार बार विधायक बने। उन्होंने कैबिनेट मंत्री और विपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया है। वे बीजेपी में भी रह चुके हैं। जो इस समय अपनी टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। अपनी ताजा टिप्पणी में उन्होंने लिखा है कि अंग्रेज शासकों ने ब्राह्मणों को अति जातिवादी बताया था। उन्होंने कहा था कि ब्राह्मण जाति के आधार पर फैसला लेता है, उनका चरित्र न्यायिक नहीं होता है।

अंग्रेजों ने न्यायिक सेवा में आने से लगाई थी रोक

स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगे लिखा कि इसलिए ब्रिटिश शासन ने 1919 में ब्राह्मणों को न्यायिक सेवा में लिए जाने पर रोक लगा दी थी। इसका शासनादेश भी जारी किया था। स्वामी प्रसाद मौर्य ने लिखा है कि सोचिए जिन ब्राह्मणों पर न्यायिक सेवा में जाने पर रोक लगाई गई थी, वही ब्राह्मण आज सभी प्रकार की न्यायिक सेवाओं में हैं। यहां तक कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में भी 70 से 80% तक भरे हैं।

पूछा, क्या ब्राह्मण का न्यायिक चरित्र बदल गया?

स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगे लिखा कि क्या अब ब्राह्मण का न्यायिक चित्र बदल गया है? यदि नहीं तो क्या अब उनके फैसले जातिवाद से प्रभावित नहीं होते हैं? क्या उनके द्वारा लिए गए फैसले निष्पक्ष होते हैं? उन्होंने लिखा कि न्यायपालिका पर उन्हें विश्वास और आस्था भी है। परंतु यूजीसी कानून-2026 मामले पर रोक ब्रिटिश हुकूमत से 1999 के शासनादेश पर विचार करने को मजबूर करता है।

सपा विधायक ने लगाया वोटर लिस्ट में हेराफेरी का आरोप, कहा- बीजेपी के दबाव में हटाए जा रहे पीडीए के वोट

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग ने एसआईआर यानी मतदाता सूची सुधार प्रक्रिया को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। सपा विधायक ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार में जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को शंकराचार्य साबित करने का नोटिस दे सकती हैं तो हम अल्पसंख्यक समाज के लोग एसआईआर से नाम कटने के बाद कहां जाएंगे? उन्होंने दावा किया कि लखनऊ से फॉर्म-7 की छपी हुई प्रतियां (फॉर्म-कॉपियां) आई है और उसे भाजपा के बूथ लेवल के कार्यकर्ता जमा कर पीडीए वोटरों का नाम कटवा रहे है अगर इसे तत्काल नहीं रोका गया तो सड़क से लेकर सदन तक हर स्तर विरोध दर्ज करायेंगे।

फेसबुक पर धमकी से मचा सियासी हड़कंप कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय निशाने पर

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय को सोशल मीडिया पर धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कांग्रेस नेताओं ने कड़ा विरोध जताते हुए लखनऊ के हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और साइबर सेल की मदद ली जा रही है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह 'बबलू' ने हुसैनगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि फेसबुक के माध्यम से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को धमकी दी गई है। तहरीर में कहा गया है कि धमकी देने वाला अकाउंट फर्जी प्रतीत हो रहा है और इसका उद्देश्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को डराना और उनकी छवि धूमिल करना है।

साइबर सेल की सहायता से आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

हुसैनगंज थाना प्रभारी निरीक्षक शिवमंगल सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल से सहायता मांगी गई है। फेसबुक अकाउंट संचालित करने वाले व्यक्ति की पहचान की जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेता के खिलाफ दी तहरीर

इस मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं में खासा आक्रोश देखने को मिला। जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह के साथ कांग्रेस नेता प्रमोद सिंह, शैलेंद्र दीक्षित समेत कई कार्यकर्ता हुसैनगंज थाने पहुंचे और भाजपा नेता मनीष शुक्ला के खिलाफ अलग से तहरीर दी। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के समर्थक मनीष शुक्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक सहित अन्य माध्यमों पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की आपत्तिजनक और अपमानजनक तस्वीरें पोस्ट की हैं।

धमकी देने वाले के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन बताते हुए कहा कि राजनीतिक असहमति के नाम पर इस तरह की भाषा और तस्वीरों का इस्तेमाल निंदनीय है। उन्होंने मांग की कि सोशल मीडिया पर नफरत और धमकी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कांग्रेस का कहना है कि पार्टी नेतृत्व को डराने की कोशिशें सफल नहीं होंगी और लोकतंत्र व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। वहीं पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

अफेयर के शक में पत्नी का मर्डर कर किया कॉल कातिल पति अरेस्ट

गुरुग्राम, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में एक विवाहिता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उत्तर प्रदेश की रहने वाली शीलू की कथित रूप से उसके पति ने ही हत्या कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि पति सन्नी को पत्नी के कैरेक्टर पर शक था। इसी शक की वजह से उसने पत्नी की तकिए से गला दबाकर हत्या की। पुलिस के अनुसार, दंपती बीते चार वर्षों से गुरुग्राम के खांडसा इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे। शीलू एक निजी कंपनी में काम करती थीं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी मुख्य रूप से उन्हीं पर थी। वहीं, सन्नी के पास स्थायी रोजगार नहीं था। पूछताछ में सामने आया कि उसे शक था कि पत्नी का किसी सहकर्मी से संबंध है। इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। शीलू इन आरोपों से इनकार करती थीं, लेकिन सन्नी का संदेह कम नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक, घटना वाले दिन भी इसी को लेकर दोनों में विवाद हुआ।

फडणवीस को पवार की दो-टूक

एनसीपी के विलय पर सीएम पक्षकार नहीं, उन्हें टिप्पणी का हक नहीं

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा सियासी उबाल देखने को मिल रहा है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इन सब के बीच एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी एक बयान दिया था, जिस पर अब एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने पलटवार किया है। शरद पवार ने फडणवीस के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस एनसीपी के दोनों गुटों के बीच चल रही विलय की बातचीत का हिस्सा नहीं थे। इसलिए उन्हें इस पर कोई भी टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। पवार ने यह जवाब फडणवीस की उस टिप्पणी पर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर विलय की बातचीत सच में चल रही होती, तो अजित पवार ने उनसे इसकी जानकारी जरूर साझा की होती।

बातचीत में फडणवीस शामिल नहीं थे

शरद पवार ने साफ किया कि विलय को लेकर जो भी बातचीत चल रही थी, उसका नेतृत्व एनसीपी (एसपी) के नेता जयंत पाटिल और उनके भतीजे अजित पवार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि उन्हें (फडणवीस को) मेरा नाम लेने का क्या अधिकार है। चूंकि वह विलय की बातचीत में कहीं नहीं थे, इसलिए उन्हें इस पर टिप्पणी करने का कोई हक नहीं है।'

जब शरद पवार से पूछा गया कि क्या अब दोनों गुटों का विलय होगा, तो उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता एक-दूसरे का समर्थन करना है। इसके बाद ही आगे बढ़ने का फैसला किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, 'जहां तक राजनीतिक चर्चा का सवाल है, हम अभी किसी से बात नहीं कर रहे हैं।' अजित पवार के निधन के बाद उनकी पार्टी के नेताओं ने दावा किया था कि विलय की बातचीत अंतिम चरण में थी। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार का 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। उनके निधन के बाद शरद पवार गुट ने दावा किया था कि विलय की बातचीत अंतिम चरण में थी। यहां तक कि अजित पवार ने दोनों गुटों के एक होने की घोषणा के लिए 12 फरवरी की तारीख भी तय कर ली थी।

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने पर शरद पवार ने कहा कि यह खुशी की बात है कि उन्हें सेवा करने का मौका मिला। हालांकि, बारामती में अजित पवार के स्मारक बनाए जाने की योजना पर उन्होंने किसी भी जानकारी से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'मैंने इस बारे में अखबारों में पढ़ा है। इस पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। हम सब साथ बैठकर इस पर फैसला करेंगे।'

कोका-कोला की दो बोतलें फटने से घर को हुआ नुकसान, अब 13 साल बाद देना होगा मुआवजा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के एक परिवार को वर्ष 2012 में कोका-कोला की दो बोतलें फटने से बड़ा नुकसान हुआ था। इस मामले में उपभोक्ता अदालत ने कंपनी पर सख्ती दिखाते हुए 1 लाख रुपये मुआवजा और 50 हजार रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। अध्यक्ष पूनम चौधरी, सदस्य बारीक अहमद और शेखर चंद्र की अदालत ने सुनवाई के बाद पाया कि कंपनियां लापरवाह थीं और उनकी हरकत अनुचित व्यापार व्यवहार थी। अदालत ने कहा कि बोतलें घर में रखी थीं, तो फटने का दोष कंपनी का है। रकम चार हफ्ते में नहीं दी तो ब्याज भी लगेगा।

तरुण राजपाल नाम के एक बायोटेक्नोलॉजी छात्र ने 2012 में रिलायंस फ्रेश से छह 2 लीटर की कोका-कोला बोतलें खरीदी थीं। 11 अगस्त 2012 को शाम को किचन में एक बोतल अचानक फट गई, जैसे कोई छोटा बम हो। इससे फर्श और दीवारें गंदी हो गईं और कुछ सामान गर्म तेल में गिर गया। तरुण की 68 साल की मां, जो हाई ब्लड प्रेशर की मरीज हैं। वह इस डर से बीमार पड़ गईं और डॉक्टर के पास ले जाना पड़ा। माइक्रोवेव, वॉटर प्यूरीफायर, मिक्सर और मोबाइल फोन भी खराब हो गए। पांच दिन बाद दूसरी बोतल फटी, जिसका धमका और जोरदार था। इससे तरुण के दिल की बीमारी के मरीज 75 साल के पिता को दिल का दौरा पड़ने से जैसी समस्या हुई।

उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा। परिवार को काफी परेशानी हुई, और सफाई में कई दिन लगे। तरुण ने हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड और कोका-कोला इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से शिकायत की लेकिन कंपनियों के अधिकारी रूखा बर्ताव करते रहे और फोन नहीं उठाते थे। शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। कई ईमेल, फोन और विजिट के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला। कंपनी ने पहले नए टीवी और मोबाइल देने का वादा किया, लेकिन बाद में मुकर गई। आखिरकार, तरुण ने 2013 में दिल्ली की जिला उपभोक्ता अदालत में मामला दायर किया।

बजट को लेकर आरजेडी का केंद्र पर हमला, कोठारी आयोग का किया जिक्र

मोदी सरकार ने जनता को निचोड़कर अपने पूंजीपति मित्रों को छूट देने का काम किया है

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बजट को लेकर आरजेडी ने केंद्र सरकार पर हमला किया है। बुधवार (04 फरवरी, 2026) को आरजेडी के प्रवक्ता शक्ति यादव ने एक्स पर पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बजट में मध्यम वर्ग को सिर्फ 'झुनझुना' थमाया गया है। इनकम टैक्स स्लैब में एक रुपये की भी राहत नहीं दी गई, उल्टे शेयर बाजार में निवेश करने वालों पर एसटीटी बढ़ाकर बोझ लाद दिया गया। नतीजा हुआ कि बजट आते ही सेंसेक्स 2800 अंक गिर गया।

शक्ति यादव ने कहा कि यह सरकार सिर्फ आम जनता की जेब से पैसा निकालना जानती है, राहत देना इनके शब्दकोश में नहीं है। उन्होंने कहा कि

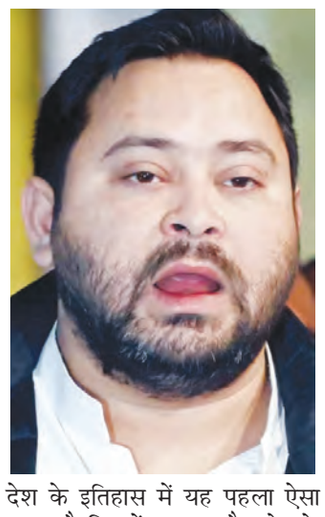

देश के इतिहास में यह पहला ऐसा बजट है जिसमें कछुए और शेर के लिए तो योजनाएं हैं, लेकिन देश का पेट भरने वाले 'अन्नदाता किसान' के लिए एक भी ठोस योजना नहीं है।

उन्होंने कहा कि एमएसपी, खाद और खेतिहर मजदूरों पर सरकार ने चुप्पी साध ली है। कृषि बजट में मामूली बढ़ोतरी ऊंट के मुंह में जीरा है। यह सरकार पूरी तरह से किसान विरोधी है। आरजेडी प्रवक्ता ने कहा कि आंकड़े गवाह हैं कि यह 'सूट-बूट की सरकार' है।

आज सरकारी खजाने में आम आदमी (इनकम टैक्स + जीएसटी) का योगदान 36% है, जबकि कॉरपोरेट जगत का सिर्फ 18 प्रतिशत। पहले कंपनियां और आम जनता बराबर योगदान देते थे, लेकिन मोदी सरकार ने जनता को निचोड़कर अपने पूंजीपति मित्रों को छूट देने का काम किया है।

शिक्षा पर 3% भी नहीं हो रहा खर्च: आरजेडी

आरजेडी नेता ने कोठारी आयोग का जिक्र किया। कहा कि कोठारी आयोग ने 60 साल पहले कहा था कि शिक्षा पर जीडीपी का 6% खर्च होना चाहिए, लेकिन मोदी सरकार 3% भी खर्च नहीं कर रही। स्वास्थ्य बजट भी जीडीपी के 2% पर अटका हुआ है। जब देश के स्कूल और अस्पताल ही बीमार रहेंगे, तो विकसित भारत का सपना कैसे पूरा होगा? यह बजट देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि शहरों को स्मार्ट बनाने का दावा करने वाली सरकार ने शहरी विकास के बजट में 11.6% की कटौती कर दी है। प्रदूषण से लड़ने के लिए 858 करोड़ आवंटित थे, लेकिन खर्च किया सिर्फ एक करोड़। बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन बजट में रोजगार सृजन का कोई 'डायरेक्ट प्लान' नहीं है। सब कुछ हवा-हवाई है, धरातल पर शून्य।

पुणे में बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां को कार ने मारी टक्कर, ड्राइवर फरार

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मां का पुणे में एक्सीडेंट हो गया है। इस हादसे में वह घायल हो गईं। इस घटना को लेकर शहजाद पूनावाला ने दावा किया है कि उनकी मां को जानबूझकर टक्कर मारा गया है। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की अपील की है।

पूनवाला के मुताबिक, एक अनजान व्यक्ति ने कथित तौर पर उनकी मां को गाड़ी से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना की सख्त जांच के आदेश दिए हैं। उनके दफ्तर ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य और पुणे के सीनियर पुलिस अधिकारियों को ज़रूरी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने शहजाद पूनावाला से भी विस्तार से बात की और उनके जल्द ठीक होने की कामना की।

एक्स पर घटना की जानकारी शेयर करते हुए पूनवाला ने लिखा, कुछ घंटे पहले, एक बहुत ही घटिया इंसान ने जानबूझकर मेरी मां पर अपनी कार चढ़ा दी - जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और भाग गया। उनकी बहुत जल्द सर्जरी होगी। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें। उन्होंने कहा, मेरी मां सबसे दयालु और अच्छी इंसान हैं और इस उम्र में उनके साथ ऐसा होना देखकर मेरा खून खौल उठता है और मेरा दिल बैठ जाता है। उम्मीद है पुणे पुलिस उस व्यक्ति को गिरफ्तार करेगी और यह पक्का करेगी कि वह बच न पाए।

पूनावाला के भाई और पॉलिटिकल एनालिस्ट तहसीन पूनावाला ने भी एक्स पर सीसीटीवी फुटेज शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर वह पल कैद हुआ जब उनकी मां को गाड़ी ने टक्कर मारी। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए तहसीन ने लिखा, मेरी मां, जो एक सीनियर सिटिजन हैं, मेरे ड्राइवर और एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट के साथ ड्राइव पर गई थीं और जब वे हमारी कार में गैस भरवा रहे थे, तब वह किनारे खड़ी थीं, किसी ने उन्हें टक्कर मार दी (जानबूझकर लगता है) और भाग गया।

पटना–इंदौर एक्सप्रेस में 311 कछुओं की तस्करी:कोच के अटेंडेंट को पकड़ा

भोपाल, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रेल से प्रतिबंधित वन्यजीवों की तस्करी का एक गंभीर मामला सामने आया है। पटना–इंदौर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 19322) के एच-1 कोच में कार्यरत अटेंडेंट को 311 जीवित कछुओं के साथ पकड़ा गया। यह कार्रवाई 3 फरवरी 2026 को रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी जसराम गूज के निर्देश पर सहायक उप निरीक्षक हेमंत कुमार राजपूत और आर। जॉनी कुमार ने ट्रेन की नियमित जांच के दौरान एच-1 कोच के अटेंडेंट अजय सिंह राजपूत को संदेह के आधार पर चेक किया। उसके पास मौजूद दो बैगों की तलाशी लेने पर उनमें बड़ी संख्या में छोटे-छोटे जीवित कछुए पाए गए। प्रथम दृष्टया यह मामला प्रतिबंधित वन्यजीवों के अवैध परिवहन का प्रतीत होने पर अटेंडेंट को ट्रेन से उतारकर आरपीएफ पोस्ट संत हिरदाराम नगर लाया गया। गिनती करने पर बैगों में कुल 311 कछुए मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत वन विभाग भोपाल को सूचना दी गई। इसके बाद वन विभाग के एसडीओ विनोद सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

जांच में कछुओं की प्रजाति इंडियन टेंट टर्टल पाई गई, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित हैं। वन विभाग ने आरोपी को 311 कछुओं सहित आगे की कार्रवाई के लिए अपने कब्जे में लिया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 273/23 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

'गुर्जर से शादी कर लें इकरा हसन , स्वामी राम विशाल दास की सपा सांसद पर विवादित टिप्पणी

शामली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गौरी शंकर गौशाला के स्वामी राम विशाल दास जी महाराज का कैराना सांसद इकरा हसन को लेकर एक विवादित बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्वामी राम विशाल दास महाराज जी सांसद इकरा हसन को लेकर विवादित बयान देते हुए नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो जनपद शामली के गांव कडेंला की 31 जनवरी की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि स्वामी राम विशाल दास महाराज शामली के कंडेला गांव में विराट हिंदू सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे। हिंदू सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा कि जब इकरा हसन हिंदू गुर्जरों के बीच वोट मांगने पहुंची थीं तो कहा था कि वह समाज की बेटी है, वह भी समस्याओं से गुजरी हैं, उन्हें वोट दें।

'केवल वोट के लिए गुर्जर बनती हैं इकरा हसन'- राम विशाल दास

महाराज ने कहा, जब सांसद इकरा हसन वोट के लिए अपने आप को गुर्जर बताती हैं तो मैं कहना चाहता हूं किइकरा हसन आएं और कंडेला के किसी गुर्जर युवक से शादी करें। केवल यह भाईचारा वोट तक ही सीमित रहता है या रिश्तेदारी में भी बदलेगा? उन्होंने यह तक कह दिया कि अगर इकरा हसन किसी गुर्जर से शादी कर लेती हैं तो तीन तलाक के टॉर्चर से बच जाएंगी। 51 सेकंड की वायरल वीडियो में स्वामी रामदास विशाल महाराज सांसद इकरा हसन भाषण पर जमकर बरस रहे हैं। इसके बाद से ही वह सोशल मीडिया पर ट्रोल भी हो रहे हैं। गौरतलब है सपा सांसद लगातार हिंदू संगठनों के निशाने पर हैं। सम्मेलन और अन्य कार्यक्रमों में सांसद इकरा हसन को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

कर्नाटक शराब घोटाला: भाजपा-जेडीएस विधायकों ने विधानसभा में गुजारी रात

बेंगलुरु, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के विधायकों ने कथित शराब घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक विधानसभा में रात गुजारी। बुधवार सुबह भी भाजपा-जेडीएस विधायकों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष व विधायक बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर। अशोक समेत कई विधायक विधानसभा परिसर में मॉर्निंग वॉक करते हुए नजर आए।

बाद में सभी विधायक एक जगह इकट्ठा हुए, चाय पी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। कुछ देर बाद विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हुआ, जिसमें भाजपा और जेडीएस के विधायक विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ गए और एक्साइज मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने गाने भी गाए और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। भाजपा विधायक चन्नाबसप्पा ने एक भक्ति गीत भी गाया। विजयेंद्र, अशोक और विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेल्लाड समेत अन्य विधायक भी उनके साथ शामिल हुए। कथित शराब घोटाले के केस में भाजपा-जेडीएस के विधायक राज्य के आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर का इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर। अशोक ने दावा किया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार शराब एसोसिएशन ने खुद एक्साइज डिपार्टमेंट में 6,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आबकारी मंत्री हर महीने 250 करोड़ से 300 करोड़ रुपए वसूल रहे थे। उनके मुताबिक, हर डिप्टी कमिश्नर की पोस्ट के लिए कथित तौर पर 2 करोड़ रुपए और कांस्टेबल लेवल की पोस्टिंग के लिए भी 10 लाख रुपए लिए जा रहे थे। आर। अशोक ने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग का भी जिक्र किया,

ओल्ड राजेंद्र नगर हादसा: सीबीआई बोली- आगे जांच की जरूरत नहीं, पीड़ित पिता ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में जुलाई 2024 में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा के अभ्यर्थियों की मौत के मामले में सीबीआई ने साफ कहा है कि अब किसी और जांच की जरूरत नहीं है। सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपनी रिपोर्ट दाखिल करते हुए बताया कि मामले से जुड़ा हर सबूत जुटाया जा चुका है और सभी पहलुओं से जांच पूरी कर ली गई है। यह जवाब मृतक नेविन डाल्विन के पिता डाल्विन सुरेश की ओर से दायर उस याचिका पर दिया गया है, जिसमें आगे जांच की मांग की गई थी। राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील अभिजीत आनंद ने आरोप लगाया कि सीबीआई ने निष्पक्ष और पूरी जांच नहीं की और कई अहम पहलुओं को नजरअंदाज किया गया। उनका कहना है कि जांच अधिकारी ने दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के बावजूद सभी कोणों से मामले की पड़ताल नहीं की। सीबीआई ने अदालत को बताया कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष, कानून के मुताबिक और दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप की गई है। एजेंसी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी आरोपी, एमसीडी या फायर सर्विस के अधिकारियों के साथ कोई मिलीभगत नहीं की गई है।

राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई के मुताबिक जिला मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट में जिन विभागीय लापरवाहियों की बात है, वे जरूरी नहीं कि आपराधिक लापरवाही साबित हों। आपराधिक जिम्मेदारी के हर पहलू की जांच की जा चुकी है। सीबीआई ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी के करोल बाग जोन के डिप्टी कमिश्नर और संबंधित इंजीनियरों की भूमिका की भी गहन जांच की गई है। जांच में यह भी सामने आया कि ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में पहले से जलभराव की समस्या रहती थी और कोचिंग सेंटर बेसमेंट में चलाया जा रहा था, जिसे चार्जशीट में शामिल किया गया है।

हालांकि कोर्ट में पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इमारत की ऊंचाई 15 मीटर से ज्यादा थी और कुछ बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई बुधवार को तय की है। दरअसल 2 अगस्त 2024 को दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपते हुए पूरी और व्यापक जांच के निर्देश दिए थे और शुरुआती पुलिस जांच पर कड़ी टिप्पणी भी की थी। मामला अभी भी विवादित बना हुआ है और पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहे हैं।

गुलमर्ग के ढ्रांग इलाके में 3-4 फीट जमी बर्फ, घरों के छत और सड़कों पर बर्फ जमने से जनजीवन ठप

जम्मू-कश्मीर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर में ताज़ा बर्फबारी ने एक बार फिर ज़िंदगी रोक दी है। बर्फ, जो आमतौर पर आकर्षण का केंद्र होती है, अब परेशानी का सबब बन गई है। श्रीनगर से 45 किलोमीटर दूर गुलमर्ग के ढ्रांग इलाके में 3 से 4 फीट बर्फ जम गई है, जिससे गांव की सभी सड़कें ढक गई हैं। घरों की छतों और सड़कों पर बर्फ जमने से जनजीवन ठप हो गया है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को गांव तक पहुंचने के लिए बर्फ हटाकर रास्ता बनाना पड़ रहा है। यह जगह गुलमर्ग से सिर्फ़ 10 किलोमीटर दूर है,

और खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट ढ्रांग वॉटरफॉल सिर्फ़ 5 किलोमीटर दूर है। हालांकि, इस मौसम में वहां पहुंचना आसान नहीं है क्योंकि भारी बर्फबारी और फिसलन भरी सड़कों के कारण सिर्फ़ स्नो चेन वाली गाड़ियों और बैटरी से चलने वाले स्कूटर को ही जाने की इजाज़त है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों को यहां तैनात किया गया है। पर्यटन विभाग ने पर्यटकों को ढ्रांग वॉटरफॉल सेल्फी पॉइंट तक ले जाने के लिए बैटरी से चलने वाली गाड़ियां उपलब्ध कराई हैं।

एमपी के पांढुर्णा में 'लेडी सिंघम' एसडीएम ने खुद चलाई जेसीबी, अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर एक्शन

भोपाल, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पांढुर्णा जिले में प्रशासनिक सख्ती का एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसकी चर्चा अब पूरे प्रदेश में हो रही है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पांढुर्णा एसडीएम अलका इक्का खुद जेसीबी की स्टीयरिंग संभालकर अवैध निर्माणों को ध्वस्त करती नजर आ रही हैं। इस साहसिक कदम ने न केवल भू-माफियाओं में खौफ पैदा कर दिया है, बल्कि सरकारी तंत्र के काम करने के अंदाज को भी नई चर्चा में ला दिया है। जानकारी के अनुसार, कलेक्टर के पास लंबे समय से शिकायतें पहुंच रही थीं कि वरुड मार्ग और अमरावती रोड पर उपजाऊ कृषि भूमि को बिना किसी डायवर्सन या अनुमति के अवैध कॉलोनियों में बदला जा रहा है।

जांच में पाया गया कि सौसर निवासी प्रदीप नेहारे द्वारा फर्जी तरीके से लेआउट तैयार कर वहां सड़कें और बिजली के खंभे खड़े कर दिए गए थे। बिना टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) की मंजूरी के यह जमीन मासूम खरीदारों को बेची जा रही थी।

शाम जब प्रशासनिक दस्ता मौके पर पहुंचा, तो कार्रवाई का नेतृत्व कर रहीं एसडीएम अलका इक्का ने खुद मोर्चा संभाला। वायरल वीडियो में उन्हें निडरता के साथ जेसीबी चलाते हुए अवैध बाउंड्री वॉल और सड़कों को तोड़ते देखा जा सकता है। उनके साथ तहसीलदार विनय प्रकाश ठाकुर भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने खुद ट्रैक्टर चलाकर मौके पर मौजूद अवैध निर्माण सामग्री को जब्त किया और उसे सरकारी वाहन में लदवाया। प्रशासन की इस सक्रियता को देखकर वहां मौजूद भीड़ दंग रह गई।

अवैध कॉलोनियों के अलावा, गुरु नानक वार्ड में संजय भांगे द्वारा किए गए अतिक्रमण को भी जमींदोज किया गया। एसडीएम ने स्पष्ट संदेश दिया कि जिले में अवैध रूप से प्लॉट काटकर जनता को ठगने का कारोबार अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने आगाह किया है कि संतोषी माता वार्ड, नागपुर रोड और भोपाल रोड जैसे क्षेत्रों में भी जल्द ही इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे अपनी मेहनत की कमाई किसी भी अवैध प्रोजेक्ट में न फंसाएं। प्लॉट खरीदने से पहले रेरा (रेरा) रजिस्ट्रेशन और अन्य विधिक दस्तावेजों की जांच अनिवार्य रूप से करें। प्रशासन का यह कदम भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त संदेश है और आम जनता के हितों की रक्षा का प्रयास है।

जिनपिंग ने अपने 23 भरोसेमंद जनरल हटाए

इनमें से कई अफसर लापता, एक्सपर्ट बोले-चीनी राष्ट्रपति जरूरत से ज्यादा शक करने लगे हैं

बीजिंग, 4 फरवरी (एजेंसियां)। चीन की सेना में बीते तीन सालों में ऐसा बदलाव हुआ है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। 2023 की शुरुआत में चीन के पास कम से कम 30 जनरल और एडमिरल थे, जो अलग-अलग खास विभागों और थिएटर कमांड की कमान संभाल रहे थे।

इनमें से लगभग सभी को या तो बाहर कर दिया गया है या वे अचानक गायब हो गए हैं। जांच में केवल 7 ऐसे जनरल मिले हैं जो अब भी एक्टिव नजर आते हैं। कई अधिकारी सार्वजनिक रूप से दिखना ही बंद हो गए हैं। आधुनिक चीन के इतिहास में इतनी बड़ी उथल-पुथल पहले कभी नहीं देखी गई। इन सफाइयों की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी सेना के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का बड़ा खालीपन पैदा हो गया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के एक्सपर्ट्स का मानना है कि शी जिनपिंग जरूरत से ज्यादा शक करने लगे हैं।

दुनिया की दूसरी सबसे शक्तिशाली सेना में कई पद खाली पड़े

2016 में शी जिनपिंग ने चीन की पूरी सैन्य व्यवस्था बदल दी। पहले चीन की सेना 7 मिलिट्री रीजन में बंटी थी। शी जिनपिंग ने इसे खत्म करके देश को 5 थिएटर कमांड में बांटा, ताकि अलग-अलग मोर्चों पर तेजी से फैसला लिया जा सके। सेना, नौसेना, वायुसेना और मिसाइल फोर्स मिलकर काम करें और जंग स्थिति में "एक कमांड, एक जिम्मेदारी" तय हो। इसमें से साउदर्न थिएटर कमांड, वेस्टर्न थिएटर कमांड और नॉर्दर्न थिएटर कमांड में सबसे ज्यादा अफसर हटाए गए हैं। सेंट्रल थिएटर कमांड बस एक मिलिट्री रीजन है जहां पर कम अधिकारी निकाले गए हैं। ये सभी थिएटर कमांड सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के आदेश पर काम करने वाली मिलिट्री यूनिट्स हैं। ये सेना, नौसेना, वायुसेना, मिसाइल फोर्स को मिलाकर ऑपरेशन चलाती हैं। इसमें से 6 में से 5 जनरल अब हटाए जा चुके हैं।

जिसने राष्ट्रपति बनने में मदद की उसे ही निकाला

साल 2022 में सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में इन छह जनरलों को शी जिनपिंग ने खुद नियुक्त किया था। शी जिनपिंग खुद इस कमीशन के अध्यक्ष हैं। अब सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में अब केवल एक जनरल बचे हैं- झांग शेंगमिन। जिनपिंग के सैन्य सफाई अभियानों की निगरानी वही कर रहे हैं। पिछले महीने जिनपिंग ने सीडब्ल्यूसी से एक ही साथ दो अधिकारियों वाइस चेयरमैन झांग यूक्सिया और टॉप कमांडर जनरल लियू झेनली को हटा दिया था। इसकी चर्चा पूरी दुनिया में हुई। जिनपिंग को 2023 में तीसरी बार राष्ट्रपति बनाने में जनरल झांग ने मदद की थी। झांग पर सीएमसी के अंदर अपनी अलग गुटबाजी करने और पार्टी में फूट डालने का भी आरोप लगाया गया। चीन से जुड़े मामलों की जानकारी रखने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि झांग यूक्सिया बहुत ज्यादा ताकतवर हो गए थे।

लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

घर में घुसकर गोली मारी; चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे

त्रिपोली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लीबियाई न्यूज चैनल फवासेल के मुताबिक जिंटान शहर में उनके घर पर चार हमलावरों ने हमला किया और उन्हें मार डाला। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी के वकील खालिद अल-जैदी और राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला ओथमान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनकी मौत की जानकारी दी। हालांकि शुरुआती बयानों में हत्या की वजह या हमलावरों की पहचान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई।

सैफ अल-इस्लाम की मौत को लेकर उनकी बहन ने अलग ही दावा किया है। लीबियाई टीवी के हवाले से बताया कि सैफ अल-इस्लाम की मौत लीबिया-अल्जीरिया सीमा के पास हुई। सैफ अल-इस्लाम की उम्र 53 साल थी। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को कभी अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जाता था। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को लंबे समय तक अपने पिता मुअम्मर गद्दाफी का राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता रहा। उनका जन्म 25 जून 1972 को त्रिपोली में हुआ। गद्दाफी परिवार लीबिया में दशकों तक सत्ता में रहा और सैफ अल-इस्लाम उसी ताकतवर परिवार का सबसे पढ़ा-लिखा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना-पहचाना चेहरा थे। उन्होंने लीबिया के बाहर भी पढ़ाई की और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से शिक्षा ली। 2000 के दशक में वे खुद को एक सुधारवादी नेता के रूप में पेश करते थे। वे पश्चिमी देशों से रिश्ते सुधारने, अर्थव्यवस्था और कुछ हद तक राजनीतिक बदलाव की बातें करते थे। इसी वजह से कई विदेशी नेता और मीडिया उन्हें गद्दाफी शासन का नरम और आधुनिक चेहरा मानने लगे थे। सैफ ने कभी कोई आधिकारिक पद नहीं संभाला, लेकिन वे लीबिया में अपने पिता के बाद सबसे ताकतवर व्यक्ति थे।

अमेरिका में दंपती ने अपने ही दो बच्चों के सिर काटे

दो छोटे बच्चों को जबरन कटे शव दिखाए, उम्रकैद की सजा मिली

कैलिफोर्निया, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दंपती को उनके दो बच्चों की क्रूर हत्या के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मॉरिस ज्वेल टेलर सीनियर (39 वर्ष) और उनकी पत्नी नताली सुमिको ब्रॉथवेल (49 वर्ष) को सोमवार को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई, साथ ही अतिरिक्त छह साल की सजा भी दी गई।

जज ने इस अपराध को राक्षसी करार देते हुए कहा कि यह बेहद क्रूर हरकत है, जिसमें उन्होंने अपने 13 साल की बेटी मालियाका और 12 साल के बेटे मॉरिस की हत्या की, जिसमें चाकू से वार कर सिर काट दिया गया। यह घटना 29 नवंबर 2020 को उनके घर में हुई थी।

पाकिस्तान की बेबसी का रोना

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बलूच लड़ाकों के खिलाफ सेना को बताया अक्षम

इस्लामाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान आंतरिक अस्थिरता से जूझ रहा है। पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर रही है। अपने अभियान को पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन हेरोफ फेज 2' नाम दिया है। बलूच विद्रोहियों ने अशांत प्रांत के कई कस्बों में एक साथ कई हमले किए। जिसमें कम से कम 80 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 30 से अधिक सरकारी संपत्तियां तहस-नहस को गईं।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बड़ा कबूलनामा

वहीं पाकिस्तान का दावा है कि आर्मी एक्शन में कम से कम 177 बलूच विद्रोहियों को मारा गया है। हालांकि बलूच राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता हकीम बलूच ने इस्लामाबाद के दावे को खारिज किया है। इस बीच अब पाकिस्तान की बेबसी पूरी दुनिया के सामने आ गई है। जिसको खुद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कबूल किया है।

बलूच लड़ाकों के सामने पाक सेना अक्षमः ख्वाजा

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना बलोच लिब्रेशन आर्मी के सामने कमजोर और असहाय नजर आ रही है। सेना ने बलूच लड़ाकों के सामने घुटने टेक दिए हैं। जिसपर बड़ा कुबूलनामा पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने किया है। ख्वाजा आसिफ ने नेशनल असेंबली में अपनी बेबसी का रोना रोया और स्वीकार किया है कि पाकिस्तानी सेना बलूच लड़ाकों का सामना करने में अक्षम है। ख्वाजा ने इस बात को स्वीकार किया कि बीएलए की ताकत बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान भौगोलिक रूप से पाकिस्तान के 40 फीसदी से ज्यादा हिस्से पर फैला हुआ है। इसे नियंत्रित करना किसी घनी आबादी वाले शहर को नियंत्रित करने से कहीं ज्यादा मुश्किल है।

'भारत को रूस से तेल खरीदने से नहीं रोक सकता अमेरिका-इंडिया अब महाशक्ति है'

वाशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी पत्रकार और फॉक्स न्यूज के पूर्व एंकर टकर कार्लसन ने इंडिया टुडे ग्लोबल को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में भारत की संप्रभुता का खुलकर बचाव किया और कहा कि अमेरिका, भारत को रूस से तेल खरीदने से नहीं रोक सकता. उन्होंने स्पष्ट शब्दों कहा कि भारत अब ऐसा देश नहीं है, जिस पर शर्तें थोपी जा सकें। दुबई में आयोजित वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट 2026 के दौरान बातचीत में कार्लसन ने कहा, भारत अब एक ग्रेट पावर है. यह 25 साल पहले वाला भारत नहीं है. यह ऐसा देश नहीं है, जिसे शर्तें बताई जाएं. अब शर्तों पर नहीं, बातचीत होती है। रूस-यूक्रेन युद्ध और उस पर अमेरिका की नीति को लेकर टकर कार्लसन ने अमेरिकी प्रशासन की तीखी आलोचना की।

अमेरिका की गिरफ्त में आई राफेल फाइटर जेट की 'जान'

> चूं भी नहीं कर पाया फ्रांस, भारत तक होगा असर

वॉशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राफेल लड़ाकू विमान दुनियाभर में फ्रांस की शान समझे जाते हैं। राफेल फाइटर जेट को 8 से ज्यादा देश इस्तेमाल करते हैं। इसमें भारत भी शामिल है जो जल्दी ही 100 से ज्यादा लड़ाकू विमानों का नया ऑर्डर देने जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में राफेल जेट ने पाकिस्तान के अंदर जमकर तबाही मचाई थी।

फ्रांस ने अब तक 300 से ज्यादा राफेल फाइटर जेट बनाए हैं और इससे अरबों डॉलर की कमाई की है। फ्रांस ने इसे अमेरिका के प्रभुत्व से मुक्त विमान बताकर दुनिया को बेचा जिस पर कोई अमेरिकी प्रतिबंध नहीं होगा। अब फ्रांस के इसी हीरे पर अमेरिका ने पिछले दरवाजे से शिकंजा कस लिया है। अमेरिका की कंपनी लोर ने ऐलान किया है कि उसने एलएमबी फैंस और मोटर का 43 करोड़ 30 लाख डॉलर में अधिग्रहण कर लिया है। फ्रांस के विपक्षी दलों ने इस डील का संसद के अंदर कड़ा विरोध किया लेकिन माना जा रहा है कि अमेरिका के डर से फ्रांस ने इसके अमेरिकी कंपनी के हाथों में जाने की मंजूरी दे दी। अमेरिका के लोर ग्रुप का मुख्यालय न्यूयॉर्क राज्य में है। एमएमबी फैंस और मोटर की स्थापना 60 साल पहले की गई थी। यह कंपनी दुनियाभर में अपने खास तरीके से डिजाइन किए गए उच्च क्षमता वाले फैंस और मोटर के लिए जानी जाती है। इसके फैन और ब्रशलेस मोटर का इस्तेमाल कई एयरोस्पेस कंपनियां और डिफेंस प्लेटफार्म करते हैं। फ्रांस अपने राफेल फाइटर जेट और एयरोस्पेस सेक्टर में रणनीतिक स्वायत्तता पर गर्व करता है। ऐसे समय पर जब अमेरिका लगातार सैन्य तकनीक के निर्यात में तमाम शर्तें थोप रहा है और विदेशी सरकारों को इसे मानने के लिए बाध्य कर रहा है, फ्रांस की यह रणनीतिक स्वायत्तता दुनिया के अन्य देशों के लिए बड़ा सहारा थी।

तुर्की को अमेरिका ने F-35 प्रोग्राम से बाहर किया

तुर्की ने जब रूस से एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा तो अमेरिका ने उसे एफ-35 फाइटर जेट प्रोग्राम से बाहर कर दिया। यही नहीं हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को धमकी दी कि अगर उसने फ्रांस या स्वीडन से फाइटर जेट लिया तो वह ओटावा को उत्तर अमेरिका एयरोस्पेस डिफेंस कमांड से बाहर कर देंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां अक्सर राफेल फाइटर जेट को एक ताकतवर फाइटर जेट बताते थे जिसमें कोई शर्तें नहीं जुड़ी होती हैं। यह अमेरिका के निर्यात प्रतिबंधों से भी मुक्त है। राफेल को अपग्रेड किया जा सकता है और उसे दूसरे देश को भी बेचा जा सकता है।

यूरेशिया टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस की कंपनी एलएमबी राफेल जेट, फ्रांसीसी परमाणु सबमरीन, एयरबस टाइगर हेलिकॉप्टर, टैंक और अन्य सैन्य वाहनों के लिए फैन सप्लाई करती है। यह कंपनी अमेरिका के फाइटर जेट जैसे एफ-15, एफ-16 और एफ-18 तथा अपाचे और ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टरों के लिए भी फैन की आपूर्ति करती है।

फ्लाइट में महिला से यौन दुर्व्यवहार के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी करार

7 मई को सुनाई जाएगी सजा

न्यूयॉर्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के एक नागरिक को घरेलू उड़ान में महिला सहयात्री से यौन दुर्व्यवहार का दोषी ठहराया गया है। अदालत ने 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा को साल 2024 में विमान में सवार होने के दौरान महिला यात्री के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। ऐसे में अब सात मई को होने वाली सुनवाई में उसे अधिकतम दो साल की जेल हो सकती है। यह डी बताया गया कि वो अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है।

फ्लाइट में महिला यात्री से गंदी हरकत

वर्जीनिया के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक एक संघीय जूरी ने गुरुवार 29 जनवरी को वरुण अरोड़ा को यौन दुर्व्यवहार और हमले के आरोपों में दोषी ठहराया। बताया गया कि यह दोषसिद्धि 29 अगस्त, 2024 को रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने के अंतिम चरण के दौरान हुई एक घटना से जुड़ा है। अदालती रिकॉर्ड और मुकदमे के सबूतों का हवाला देते हुए अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय ने कहा कि एक महिला यात्री उस समय जाग उठी, जब वरुण अरोड़ा उसके साथ यौन दुर्व्यवहार कर रहा था। बयान में बताया गया है कि उसने स्लीप मास्क पहन रखा था और सोने का नाटक कर रहा था और पीड़िता के बार-बार उसका हाथ हटाने के बावजूद अपना हाथ उस पर रखता रहा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी चुनावों में संघीय भूमिका की मांग की

वाशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में होने वाले चुनावों में संघीय सरकार की भूमिका को ज्यादा मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि जो राज्य कानूनी और ईमानदार तरीके से चुनाव नहीं करा पाते, वहां संघीय सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। व्हाइट हाउस में एक बड़े खर्च विधेयक पर हस्ताक्षर करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने राज्य स्तर पर कराए जाने वाले चुनावों की मौजूदा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि चुनाव ईमानदारी से हों। अगर कोई राज्य चुनाव ठीक से नहीं करा सकता, तो मुझे लगता है कि संघीय सरकार को कुछ करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि चुनावों के मामले में राज्य, संघीय सरकार के एजेंट की तरह काम करते हैं। अगर वे वोटों की गिनती कानूनी और ईमानदार तरीके से नहीं कर सकते, तो किसी और को यह जिम्मेदारी संभालनी चाहिए।

जब एक पत्रकार ने पूछा कि अमेरिकी संविधान चुनावों की जिम्मेदारी राज्यों को देता है, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि वे चुनाव करा सकते हैं, लेकिन उन्हें यह काम ईमानदारी से करना होगा। ट्रंप ने एक बार फिर पिछली चुनावी प्रक्रियाओं में गड़बड़ी के आरोप दोहराए। उन्होंने डेट्रॉइट, पेनसिल्वेनिया, फिलाडेल्फिया और अटलांटा जैसे शहरों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भयानक स्तर का भ्रष्टाचार हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने वोटर आईडी की मांग भी दोहराई। ट्रंप ने कहा, हमें वोटर आईडी चाहिए। कौन नहीं चाहेगा कि वोटर आईडी हो? सिर्फ वही जो धोखा देना चाहता हो।

राष्ट्रपति ने चुनाव की ईमानदारी को देश के शासन और जनता के भरोसे से जोड़ा और कहा कि संघीय सरकार को टेढ़े-मेढ़े चुनाव बर्दाश्त नहीं करने चाहिए। आव्रजन के मुद्दे पर भी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी सरकार की सख्त नीतियों का बचाव किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या इमिग्रेशन एजेंटों को कुछ मामलों में तलाशी वारंट लेना चाहिए।

जमात प्रमुख के अकाउंट हैकिंग केस में हिरासत में लिया गया राष्ट्रपति भवन का कर्मचारी

ढाका, 4 फरवरी (एजेंसियां)। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच ने जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान के सोशल मीडिया अकाउंट की हैकिंग के आरोप में राष्ट्रपति भवन के सहायक प्रोग्रामर मोहम्मद सरवर आलम को हिरासत में लिया है. सरवर आलम को मंगलवार देर रात राजारबाग इलाके से पकड़ा गया और पूछताछ के लिए उनका मोबाइल और लैपटॉप जब्त कर लिया गया है. यह कार्रवाई जमात द्वारा लगाए गए उन आरोपों के बाद हुई है, जिसमें कहा गया था कि उनके अमीर के अकाउंट से महिलाओं को लेकर अपमानजनक बातें एक सोची-समझी साजिश के तहत पोस्ट की गई थीं। शनिवार को रहमान के अकाउंट से एक पोस्ट हुई थी, जिसमें घर से बाहर निकलने वाली कामकाजी महिलाओं की तुलना 'वेश्यावृत्ति' से की गई थी. इस बयान के बाद देशभर में, खासकर ढाका यूनिवर्सिटी में भारी विरोध प्रदर्शन हुए। हालांकि, विशेषज्ञों और आलोचकों का मानना है कि जमात की यह हैकिंग थ्योरी आगामी चुनावों में महिला वोटरों की नाराजगी दूर करने के लिए एक डैमेज कंट्रोल है।

ट्रंप की टैरिफ धमकी के बाद झुका मेक्सिको

> हर साल तय मात्रा में देगा अमेरिका को पानी

मेक्सिको सिटी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मेक्सिको और अमेरिका के बीच पानी को लेकर एक अहम समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत मेक्सिको अब हर साल अमेरिका को तय मात्रा में पानी देगा, ताकि भविष्य में कोई अनिश्चितता न रहे। बता दें कि, इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर मेक्सिको ने ज्यादा और समय पर पानी नहीं दिया, तो वह मैक्सिको से आने वाले सामान पर पांच फीसदी तक टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ा सकते हैं। इसके बाद दोनों देशों के बीच कई महीनों से बातचीत चल रही थी।

अमेरिका-मेक्सिको के बीच क्या है नया समझौता? नए समझौते के अनुसार, मेक्सिको मौजूदा पांच साल के चक्र में हर साल कम से कम 3.5 लाख एकड़-फुट पानी अमेरिका को देगा। एक एकड़-फुट पानी का मतलब है- 1 एकड़ जमीन पर 1 फुट गहराई तक पानी।

पुराने समझौते में क्या दिक्कत थी?

1944 की जल संधि के तहत मेक्सिको को हर पांच साल में 17.5 लाख एकड़-फुट पानी अमेरिका को देना होता था। औसतन यह भी सालाना 3.5 लाख एकड़-फुट ही बनता है, लेकिन अमेरिका का आरोप था कि मेक्सिको शुरू के वर्षों में कम पानी देता है, बाद में आखिरी वर्षों में पूरा करता है, इससे टेक्सास के किसानों को नुकसान होता है। नया समझौता इस समस्या को खत्म करेगा, क्योंकि अब हर साल न्यूनतम पानी देना अनिवार्य होगा। हालांकि अमेरिका इस समझौते को बड़ी जीत बता रहा है, लेकिन मेक्सिको में यह मुद्दा संवेदनशील है। खासतौर पर उत्तरी राज्यों में सूखे की स्थिति है। सीमावर्ती राज्य तामाउलिपास में किसानों का कहना है कि पानी की कमी के कारण कई लोगों ने फसल बोई ही नहीं।

समझौते पर ट्रंप और शीनबाम की बातचीत

यह समझौता पिछले हफ्ते ट्रंप और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद संभव हुआ। दिसंबर में शीनबाम ने कहा था कि मेक्सिको पुराने जल बकाये को चुकाने के लिए ज्यादा पानी भेजेगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ अमेरिका के 25 शहरों में हुए प्रदर्शन

वाशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा के खिलाफ अमेरिका में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में अमेरिका के 25 शहरों में शांतिपूर्ण जागरूकता रैलियां आयोजित की गईं।

कड़ाके की ठंड, बर्फबारी और जमी हुई सड़कों के बावजूद इन रैलियों में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उन्होंने बांग्लादेश में धार्मिक रूप से लक्षित हिंसा के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई। प्रदर्शनकारियों ने सिटी हॉल और सिविक सेंटर्स पर एकजुट होकर प्रदर्शन करते हुए अपने प्रयासों को गैर-राजनीतिक और मानवीय बताया। प्रदर्शनकारियों ने मौन रखा और प्रार्थनाएं की। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कमजोर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए शांतिपूर्ण अपील भी जारी की।

मिडवेस्ट से लेकर पूर्वी और पश्चिमी तटों तक प्रदर्शनकारियों ने लिंचिंग, आगजनी, यौन हिंसा और लक्षित हत्याओं की रिपोर्ट की गई घटनाओं के खिलाफ प्रदर्शन किए और लोगों को इनके बारे में बताया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान का समन्वय दैपायन देब, दीप्ति महाजन, गीता सिकंद और दिव्या जैन ने किया। दैपायन देब ने कहा, ये रैलियां शांतिपूर्ण, गरिमापूर्ण और मानवीय उद्देश्य वाली थीं। दीप्ति महाजन ने कहा कि ये आयोजन राजनीति से नहीं, बल्कि करुणा से प्रेरित थे। उन्होंने कहा, यह मानवीय गरिमा के लिए खड़े होने की बात थी, न कि राजनीति की।

जब निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जाता है, तो करुणा डर या असुविधा से ऊपर होनी चाहिए। गीता सिकंद ने कहा कि रैलियों ने समुदायों और धर्मों के बीच एकता को दर्शाया है। गीता सिकंद ने कहा, रैलियों में बांग्लादेशी हिंदू अमेरिकियों ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच हिंदुओं के अस्तित्व के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश सरकार की उदासीनता चिंताजनक है, क्योंकि उसने हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं। दिव्या जैन ने इन अभियानों को शांत लेकिन प्रभावशाली संकल्प का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, आज हमने जो देखा वह शांत शक्ति थी। यह दर्शाती है कि जागरूकता की शुरुआत सामने आने से होती है। कई शहरों में आयोजित प्रदर्शनों में स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों और नागरिक नेताओं ने भी हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, इससे शांतिपूर्ण नागरिक अभिव्यक्ति और समुदाय-नेतृत्व वाले प्रयासों की अहमियत उजागर हुई, जो वैश्विक मानवाधिकार मुद्दों को सामने लाने में सहायक हैं।

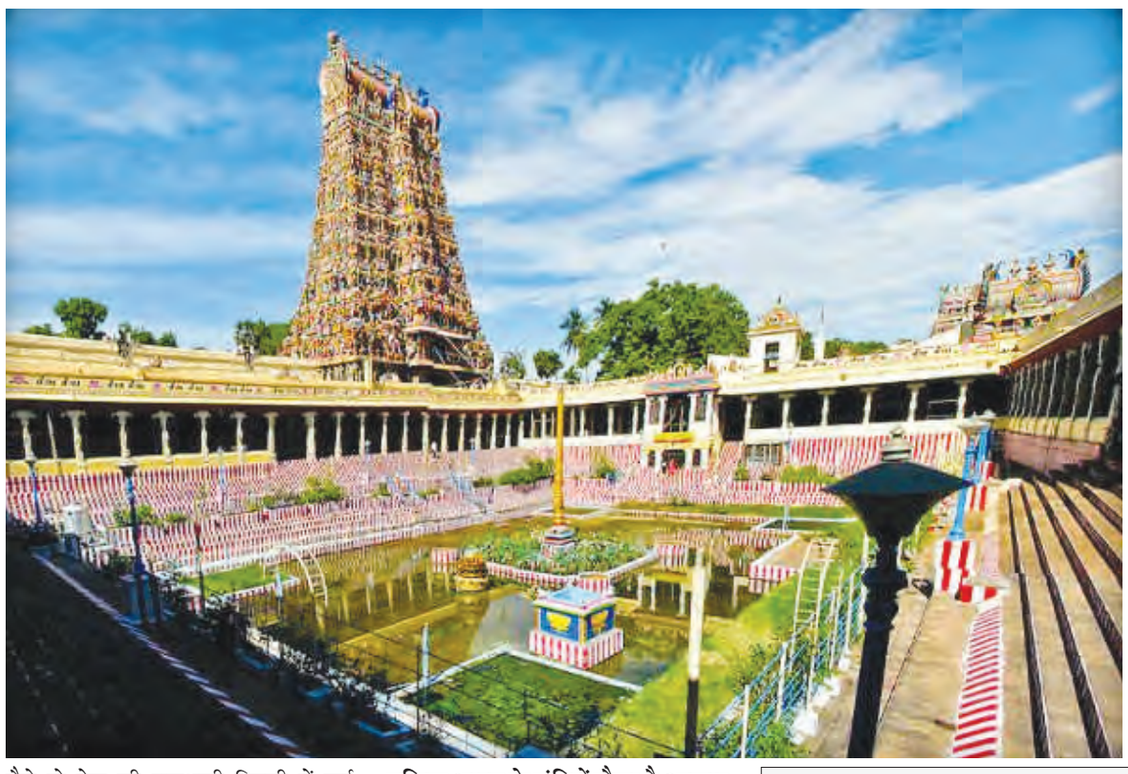

मीनाक्षी जैसा दिल्ली में भी मंदिर, जहां दक्षिण भारतीय परंपरा जैसी होती है पूजा

वैसे तो देश की राजधानी दिल्ली में कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनके बारे में अक्सर सभी लोग जानते हैं। जहां पर हर दिन या हर सुबह भक्त दर्शन करने भी जाते हैं, लेकिन दिल्ली में कुछ मंदिर ऐसे भी हैं, जिनके बारे में कम ही लोगों को मालूम है। हालांकि यह मंदिर दिखने में काफी ज्यादा शानदार हैं और दक्षिण भारत के मंदिरों की याद दिला देते हैं। इन्हीं में से एक मंदिर दिल्ली के एयरोसिटी इलाके में भी है, जिसका नाम संकट मोचन हनुमान मंदिर है। आपको बता दें कि इस मंदिर में क्या कुछ ऐसा खास है। जो दक्षिण भारत के मदुरई मंदिर और अन्य मंदिरों की याद दिला देते हैं।

दक्षिण भारत के मंदिरों जैसा है आकार

इस मंदिर की सबसे खास बात तो यह है कि इसे इस तरह से बनाया गया है कि आपको लगेगा कि आप दक्षिण भारत के मदुरई मंदिर में दर्शन कर रहे हैं। क्योंकि इस मंदिर का आर्किटेक्चर पूरा इस तरह से बनाया गया है कि आपको दक्षिण भारत के मदुरई मंदिर और अन्य बड़े मंदिरों की याद आ जाएगी। जो अपने आर्किटेक्चर के लिए जाने जाते हैं। इस मंदिर में घुसते ही प्रवेश द्वार कुक्षी धार से बनाया गया है, जिस तरह से दक्षिण भारत के मंदिरों में मंदिर में घुसने से पहले उसका प्रवेश द्वार होता है। उसके बाद मंदिर के अंदर घुसते ही एक और द्वारा आता है, जिससे आप मंदिर के अंदर मुख्य परिसर में पहुंच जाते हैं।

इस मंदिर में आपको हनुमान जी के अलावा साईं बाबा और राधा रानी का दर्शन मिलेगा। यह मंदिर पूरी तरह से दक्षिण भारत की कलाकृतियों के सम्मेलन से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात यह है कि इस मंदिर में पूजा भी दक्षिण भारत के रीति-रिवाज के साथ होता है। वहीं, मंदिर में 24 घंटे जो हनुमान चालीसा पढ़ी जाती है। वह भी दक्षिण भारत के अंदाज में ही पढ़ी जाती है।

मंदिर में पहुंचने का आसान रास्ता

इस मंदिर तक पहुंचाने का सबसे आसान तरीका मेट्रो से है। इस मंदिर के सबसे नजदीक एयरोसिटी मेट्रो स्टेशन है। जहां से यह मंदिर कम से कम 10 से 15 मिनट की दूरी पर है। गूगल मैप के सहारे इस मंदिर तक आसानी से पहुंच सकते हैं, लेकिन केवल इन बातों का ध्यान रहे कि यह मंदिर सुबह 6:30 बजे खुल जाता है और फिर सुबह 11:30 बजे ही बंद हो जाता है। उसके बाद यह फिर शाम को 5:00 बजे खुलता है और देर रात 8:00 बजे तक दोबारा बंद हो जाता है।

दुनिया पर विचार और भगवान पर विश्वास करें

इस समय एक बड़ा भ्रम चल रहा है, वो ये कि हम दुनिया पर विश्वास करते हैं और भगवान पर विचार करते हैं। आज जो कुछ भी हमारे आसपास हो रहा है, खासतौर पर विज्ञान और तकनीक के मामले में- उस पर हम आंख मूंदकर विश्वास कर रहे हैं। और भगवान है कि नहीं है, कृपा करता भी है या नहीं, इस पर बहुत विचार करते हैं।

दुनिया भर के वैज्ञानिक अपनी ही खोज के खतरों के लिए कहते हैं कि विज्ञान जिम्मेदार हाथों में सुरक्षित रहेगा, अन्यथा नुकसान पहुंचाएगा। पर जिम्मेदार कौन है? जिसको देखो वही दुरुपयोग करने में लगा है। आजकल तो परिवार के विचार को भी लोग अपनी व्यक्तिगत खुशी में रोड़ा मानते हैं।

पहले परिवार में रहने का मतलब था स्थायी रिश्ते और स्थायी जिम्मेदारी, अब चारों तरफ गैर-जिम्मेदारी का वातावरण बन गया है। घर के बाहर सरकारों ने दान दे-देकर गैर-जिम्मेदारों की फौज खड़ी कर दी और घर के भीतर संस्कारों के अभाव में सदस्य गैर-जिम्मेदार हो गए। और दोनों का मजा विज्ञान और तकनीक ले रहे हैं।

इस बार महाशिवरात्रि पर बन रहा है दुर्लभ शुभ संयोग

शास्त्रों के अनुसार, महाशिवरात्रि शिव और शक्ति के संतुलन का पर्व है। 2026 में ग्रहों की स्थिति ऐसी बन रही है, जिसमें चंद्रमा और गुरु का विशेष प्रभाव रहेगा। यह संयोग भावनात्मक स्थिरता और सौभाग्य वृद्धि का संकेत देता है। यही कारण है कि इस वर्ष किए गए उपाय सामान्य दिनों की तुलना में जल्दी फल दे सकते हैं। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा मानते हैं कि इस दिन शिव-पार्वती का संयुक्त पूजन गृहस्थ जीवन की उलझनों को सुलझाने में मदद करता है। खासकर वे लोग जो लंबे समय से किसी न किसी बाधा से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह रात्रि निर्णायक साबित हो सकती है।

सौभाग्य और वैवाहिक सुख के लिए उपाय

गौरी-शंकर पूजन से रिश्तों में मिठास

यदि विवाह में देरी हो रही है या दांपत्य जीवन में तनाव बना रहता है, तो महाशिवरात्रि के दिन शिव-पार्वती का एक साथ पूजन करना लाभकारी माना जाता है। माता पार्वती को सिंदूर, चूड़ियां और बिंदी अर्पित करें, वहीं भगवान शिव को पंचामृत से अभिषेक करें। कई श्रद्धालुओं का अनुभव है कि इस उपाय से रिश्तों में संवाद और समझ बढ़ती है।

गन्ने के रस से शिव अभिषेक

आज के समय में आर्थिक अस्थिरता एक आम समस्या बन चुकी है। शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि महाशिवरात्रि पर गन्ने के रस से शिवलिंग का अभिषेक करने से धन संबंधी अड़चनें कम होती हैं। 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते हुए यह अभिषेक करने से मन में भी एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत बनाता है।

मानसिक शांति और नकारात्मकता से मुक्ति बेलपत्र का विशेष प्रयोग

तेज रफ्तार जिंदगी में मानसिक अशांति एक बड़ी चुनौती है। शिवजी को बेलपत्र अत्यंत प्रिय है। महाशिवरात्रि के दिन 108 बेलपत्रों पर चंदन से 'राम' लिखकर अर्पित करना एक पुराना, लेकिन प्रभावी उपाय माना जाता है। यह न केवल मन को शांत करता है, बल्कि घर के वातावरण में भी हल्कापन लाता है।

स्वास्थ्य और रोग बाधा से छुटकारा

महामृत्युंजय मंत्र का जाप

लंबी बीमारी या स्वास्थ्य को लेकर भय मन को कमजोर कर देता है। ऐसे में महाशिवरात्रि की रात महामृत्युंजय मंत्र का जाप विशेष फल देता है। शिवलिंग पर काले तिल मिले जल से अभिषेक करें। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यह उपाय आत्मबल बढ़ाने के साथ-साथ रोगों से लड़ने की शक्ति भी देता है।

महाशिवरात्रि 2026 केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को नए सिरे से संतुलित करने का अवसर है। शिव-पार्वती के इस दुर्लभ संयोग में किए गए छोटे-छोटे उपाय बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं।

क्या आपकी राशि कुंभ है? तो ये 5 प्रोफेशन आपके लिए हैं वरदान,

कुंभ राशि के लोग भविष्य की सोचने वाले, मेहनती, तकनीकी रूप से कुशल, न्यायप्रिय और लीक से हटकर काम करने वाले होते हैं। ये हर काम में अपना बेस्ट देते हैं।

लेकिन जब बात आती है करियर के चुनाव की तो ये काफी कन्फ्यूज हो जाते हैं। इसलिए यहां हम आपको बताएंगे कि वो कौन से 5 प्रोफेशन हैं जो कुंभ वालों के लिए सबसे बेहतर साबित हो सकते हैं। ज्योतिष अनुसार अगर कुंभ वाले इन प्रोफेशन में कदम रखते तो इनके जीवन में सुख-समृद्धि की कभी कमी नहीं होगी।

कुंभ राशि के लिए सर्वश्रेष्ठ करियर विकल्प

कुंभ राशि वाले तकनीकी रूप से बहुत ही एडवांस होते हैं। शनि और राहु के प्रभाव के कारण इन्हें जटिल कोडिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसे क्षेत्रों में खूब सफलता मिल सकती है।

किसी चीज की गहराई तक जाना कुंभ वालों का स्वभाव होता है इसलिए इनके लिए लेबोरेटरी रिसर्च, डेटा साइंटिस्ट या अंतरिक्ष विज्ञान बेहतरीन विकल्प हैं। इन क्षेत्रों में कुंभ वाले खूब कामयाबी हासिल कर सकते हैं।

वायु तत्व की राशि होने के कारण कुंभ राशि वालों का झुकाव आसमान और नई मशीनों की ओर अधिक रहता है। इसी वजह से पायलट, एयरोनॉटिकल इंजीनियर या ऑटोमोबाइल सेक्टर में डिजाइनिंग का काम इन्हें खूब सूट करता है।

कुंभ राशि वाले बदलाव की सोच रखते हैं और दूसरों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसलिए राजनीति के क्षेत्र में ये खूब सम्मान और सफलता पाते हैं।

कुंभ राशि वालों की अंतर्ज्ञान शक्ति बहुत मजबूत होती है। यही कारण है कि आप ज्योतिष, टैरो कार्ड रीडिंग या मेडिटेशन गुरु के रूप में काफी सफल हो सकते हैं।

कुंभ राशि वाले इन बातों का रखें ध्यान

कुंभ राशि वाले अकेले काम करने से बचें क्योंकि आपकी राशि टीम वर्क में अधिक सफल होती है। काम में जितना हो सके नई तकनीक का उपयोग करें। अपने अंदर आलस कभी न आने दें

मातृत्व की शक्ति या सिर्फ भ्रम ?

क्यों कहा जाता है कि सांप गर्भवती औरत को नहीं काटता

भारतीय समाज में कुछ मान्यताएं ऐसी हैं, जो पीढ़ियों से बिना सवाल किए स्वीकार कर ली जाती हैं। गांव की चौपाल हो या दादी-नानी की कहानियां, एक बात अक्सर सुनने को मिलती है "सांप गर्भवती औरत को नहीं काटता।" सुनने में यह बात जितनी रहस्यमयी लगती है, उतनी ही गहराई से यह हमारी धार्मिक आस्था, लोक विश्वास और सांस्कृतिक सोच से जुड़ी हुई है। गर्भावस्था को सनातन परंपरा में केवल एक जैविक अवस्था नहीं, बल्कि सृष्टि की निरंतरता का प्रतीक माना गया है। वहीं सांप, जिसे आमतौर पर डर और विष से जोड़ा जाता है, हिंदू शास्त्रों में 'नाग देवता' के रूप में पूजनीय है। ऐसे में जब मातृत्व और नाग दोनों पवित्र माने जाएं, तो यह धारणा और मजबूत हो जाती है कि प्रकृति स्वयं गर्भवती स्त्री की रक्षा करती है। लेकिन क्या यह केवल विश्वास है या इसके पीछे कोई शास्त्रीय, ज्योतिषीय या व्यवहारिक आधार भी है? आइए, इस मान्यता को हर पहलू से समझने की कोशिश करते हैं।

धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं की जड़ें

हिंदू धर्मग्रंथों में नागों का विशेष स्थान है। भगवान विष्णु शेषनाग पर शयन करते हैं और भगवान शिव के गले में वासुकी नाग विराजमान हैं।

गर्भवती स्त्री: शक्ति का स्वरूप

देवी भागवत और अन्य पुराणों में गर्भवती स्त्री को साक्षात 'शक्ति' का रूप माना गया है। मान्यता है कि जिस स्त्री के भीतर सृजन की प्रक्रिया चल रही हो, उसे नुकसान पहुंचाना धर्म के विरुद्ध है। लोक विश्वास के अनुसार, नाग देवता उस गर्भस्थ आत्मा का सम्मान करते हैं और इसलिए हानि नहीं पहुंचाते।

ज्योतिष शास्त्र क्या कहता है?

ज्योतिष में सांपों का संबंध राहु और केतु से जोड़ा जाता है। कुंडली में कालसर्प दोष या सर्प दोष होने पर नाग पूजा का विधान इसी कारण बताया गया है।

सकारात्मक आभामंडल का सिद्धांत

कुछ ज्योतिषाचार्य मानते हैं कि गर्भवती महिला के चारों ओर एक विशेष सकारात्मक ऊर्जा या 'आभामंडल' बन जाता है। यह ऊर्जा नकारात्मक शक्तियों को दूर रखती है। यहां तक कहा जाता है कि शनि, राहु जैसे कठोर ग्रह भी मातृत्व की ऊर्जा के सामने प्रभावहीन हो जाते हैं।

लोक कथाएं और ग्रामीण अनुभव

भारत के ग्रामीण इलाकों में इस विश्वास की जड़ें बेहद गहरी हैं। कई किसान और बुजुर्ग बताते हैं कि उन्होंने सांप को गर्भवती महिला के पास से बिना नुकसान पहुंचाए जाते देखा है।

"प्रकृति खुद रास्ता बदल लेती है"

कुछ समुदायों में यह कहा जाता है कि सांप गर्भस्थ शिशु की 'जीवन ऊर्जा' महसूस कर लेता है और खुद ही रास्ता बदल लेता है। यह पूरी तरह अनुभव और आस्था पर आधारित है, जिसे लोग प्रकृति का मौन नियम मानते हैं।

विज्ञान की नजर से सच क्या है?

आस्था अपनी जगह है, लेकिन विज्ञान इस मान्यता की पुष्टि नहीं करता। सांप एक जंगली जीव है, जो खतरा महसूस होने पर किसी को भी काट सकता है चाहे वह गर्भवती हो या नहीं।

व्यवहार और प्रतिक्रिया का मामला

सांप की प्रतिक्रिया इंसान की अवस्था पर नहीं, बल्कि उसके व्यवहार, हलचल और खतरे की आशंका पर निर्भर करती है। इसलिए यह मान लेना कि गर्भवती महिला को सांप नहीं काटेगा, व्यावहारिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है।

आस्था और सावधानी दोनों जरूरी

धार्मिक विश्वास हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। लेकिन सुरक्षा को नजरअंदाज करना समझदारी नहीं है। अगर घर या आसपास सांप दिखे, तो दूरी बनाए रखें और विशेषज्ञों की मदद लें। मातृत्व की रक्षा आस्था से भी होती है और सतर्कता से भी।

महाशिवरात्रि पर बनने वाले दुर्लभ संयोग 3 राशियों की चमकाएंगे किस्मत

मेष राशि

मेष राशि वालों का चमकेगा करियर

महाशिवरात्रि पर बनने वाले दुर्लभ संयोग मेष राशि वालों की किस्मत चमका देंगे। आपको अचानक से बडा धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं। आपकी आर्थि स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी। भोलेनाथ की आप पर विशेष कृपा बरसेगी। मानसिक तनावों से छुटकारा मिलेगा। साढ़े साती का प्रभाव भी कम होगा। इस दौरान आपको किसी काम में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों की लगेगी लॉटरी

कन्या राशि वालों के लिए भी महाशिवरात्रि पर बनने वाले दुर्लभ संयोग शुभ साबित होंगे। करियर में सुनहरी सफलता मिलेगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम की शुरुआत करेंगे। अचानक से धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी। बिजनेस में आपको बढ़िया डील मिल सकती है।

कुंभ राशि

कुंभ राशि वाले हो जाएंगे मालामाल

कुंभ राशि वालों के लिए ये महाशिवरात्रि काफी खास रहेगी। आपकी किस्मत चमक जाएगी। नई नौकरी प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। बिजनेस में आप खूब तरक्की पाएंगे। यात्रा से आपको खूब लाभ प्राप्त होगा। अटके हुए काम पूरे होंगे। विदेश में नौकरी प्राप्त करने का सपना पूरा हो सकता है। जीवनसाथी का हर काम में सहयोग प्राप्त होगा। किसी रोग से भी छुटकारा मिल सकता है। कुल मिलाकर आप पर भोलेनाथ की विशेष कृपा रहने वाली है।

दोनों हथेलियों को मिलाने पर बनने वाला अर्धचंद्र शुभ या चेतावनी ?

हाथों की लकीरों और चिन्हों के बारे में हस्तरेखा शास्त्र में जानकारी मिलती है। हमारी हथेलियों पर बनने वाले चिन्हों और रेखाओं को हमारे व्यक्तित्व और जीवन की संभावनाओं से जोड़कर देखा जाता है। इनमें से एक है हथेली पर बने वाला अर्धचंद्र। आपमें से ज्यादातर लोगों ने अपने दोनों हाथों की हथेलियों के मिलाकर बनने वाले इस चांद को देखने की कोशिश जरूर की होगी। चलिए जानते हैं कि यह चांद व्यक्ति के भविष्य और व्यक्तित्व के बारे में क्या संकेत देता है। यह शुभ संकेत है या चेतावनी?

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जब किसी व्यक्ति के दोनों हथेलियों को मिलाने पर आधा चांद बनता है, तो इसे शुभ माना गया है। इसका संकेत है कि व्यक्ति धीरजवाला, समझदार और जीवन में आने वाली परेशानियों का सामना पूरे आत्मविश्वास के साथ करता है। आइए जानते हैं,

मुश्किलों से नहीं घबराते

हस्तरेखा शास्त्र की माने को व्यक्ति की हथेली पर बनने वाला अर्धचंद्र उसके जीवन में आने वाला सुख-समृद्धि की तरफ संकेत करता है। ऐसे जातकों के जीवन में मानसिक शांति बनी रहती है। इतना ही नहीं ये लोग कठिन हालातों में भी स्थिर बने रहते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार, इन लोगों को अपने जीवन में प्यार और सम्मान मिलने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है। इनके पारिवारिक रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है।

वैवाहिक जीवन के लिए अर्धचंद्र देता है ये संकेत

हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक, ऐसे लोग जिनकी हथेलियों को मिलाने पर आधा चांद बनता है, उनकी शादीशुदा लाइफ अच्छी होती है। ये सुखमय और संतुलित वैवाहिक जीवन जीते हैं, क्योंकि इन्हें सहयोग करने वाले और समझदार जीवनसाथी मिलते हैं। दरअसल, हाथ की यह चिन्ह विवाह में भरोसे और सहयोग की पुष्टि करता है।

दोस्ती निभाने में रहते हैं आगे

हस्तरेखा शास्त्र के जानकारों के अनुसार, जिन लोगों की हथेलियों को मिलाने पर अर्ध चंद्र का निर्माण होता है, वे लोग अच्छी मित्रता निभाने वाले भी साबित होते हैं। ऐसे लोग मुश्किल समय में हमेशा दोस्तों के साथ खड़े रहते हैं। ये जातक सामाजिक रिश्तों को महत्व देने वाले होते हैं। दोस्तों के साथ इनके संबंध विश्वसनीय होते हैं।

मानसिक तौर पर होते हैं मजबूत

जिन लोगों की हथेलियों पर आधा चांद बनता है वे जीवन को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। इन लोगों की स्मरण शक्ति भी मजबूत होती है। इतना ही नहीं ये लोग जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहते हैं। यह चिन्ह व्यक्ति के स्पष्ट सोच वाले होने का भी संकेत देता है।

भाग्य और करियर

हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक, हथेली पर यह चिन्ह व्यक्ति के अच्छी किस्मत होने का भी संकेत देती है। ऐसे जातकों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलता है और ये करियर और व्यापार में सफलता पाते हैं। इन लोगों के पास अवसरों को पहचानने और सही निर्णय लेने की क्षमता होती है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 5 फरवरी - 2026

ट्रंप टैरिफ से समझौते की ओर

अमेरिका द्वारा बीते कुछ महीनों से अपनाई गई कड़ी शुल्क नीति ने वैश्विक व्यापार को अस्थिर कर रखा था। इससे कई देशों के साथ अमेरिका के रिश्तों में तल्खी आ गई थी। नतीजतन 'व्यापार युद्ध' जैसी स्थिति बनने लगी। ऐसे माहौल में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए एक व्यावहारिक और संतुलित रास्ता निकाले। अब सामने आए संकेत बताते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध इसी दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में संकेत दिया कि भारत और अमेरिका के बीच आपसी हितों पर आधारित एक व्यापार समझौता संभव है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच एक बड़े व्यापार समझौते पर सहमति बन सकती है, जिसके तहत शुल्क को पचास प्रतिशत तक घटाने पर विचार किया जा रहा है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दोहराया कि भारत अपने हितों से समझौता किए बिना अमेरिका सहित सभी देशों के साथ निष्पक्ष व्यापार चाहता है। शुल्क के मसले पर महीनों से जारी तनाव के बाद यह बदलाव एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों देशों के हित किस हद तक सुरक्षित रहेंगे। फिलहाल जो तस्वीर उभर रही है, उसमें अमेरिका की सख्त नीति के बावजूद भारत को कुछ हद तक राहत मिलती दिख रही है। खासतौर पर रूस से तेल खरीद जैसे मुद्दों पर भारत ने अपने रुख में कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई है साथ ही किसी भी दबाव में आकर निर्णय लेने से परहेज किया है। भारत की सतर्कता इस बात को लेकर भी है कि व्यापार समझौते के नाम पर ऐसे प्रावधान स्वीकार न कर लिए जाएं, जो दीर्घकाल में घरेलू अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएं। कृषि क्षेत्र इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पक्ष रहा है। अमेरिका लंबे समय से चाहता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजार को और अधिक खोले, लेकिन भारत में यह मुद्दा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका से जुड़ा हुआ मामला है। यदि अमेरिकी कृषि उत्पाद बड़े पैमाने पर भारत में प्रवेश करते हैं, तो इससे घरेलू फसलों की कीमतों पर दबाव पड़ेगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य कमजोर हो सकता है और सबसे अधिक नुकसान छोटे व सीमांत किसानों को उठाना पड़ेगा। यही कारण है कि भारत इस मुद्दे पर कोई भी निर्णय बेहद सोच-समझकर लेना चाहता है। ऊर्जा, तकनीक और औद्योगिक उत्पादों में सहयोग बढ़ाया जा सकता है, लेकिन कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्र में जल्दबाजी देशहित में नहीं होगी। कुल मिलाकर, भारत-अमेरिका संबंध इस समय टकराव से संवाद की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। यह बदलाव स्वागतयोग्य है, बशर्ते व्यापार समझौता समानता, पारदर्शिता और आपसी सम्मान पर आधारित हो। भारत के लिए यह जरूरी है कि वह वैश्विक मंच पर साझेदारी बढ़ाए, लेकिन अपने किसानों, उद्योगों और राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना। आने वाले समय में यही परिपक्व संतुलन भारत-अमेरिका रिश्तों की असली कसौटी साबित होगा।

जब पुरस्कार ने गुरु को नहीं, गुरु ने पुरस्कार को सम्मान दिया

आरके जैन

68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स की रात कला, संगीत और मानवीय मूल्यों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई, जब 90 वर्षीय दलाई लामा को उनके जीवन का पहला ग्रैमी सम्मान प्राप्त हुआ। "मेडिटेशंसः द रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज होलिनेस द दलाई लामा" नामक स्पोकेन वर्ड एल्बम को बेस्ट ऑडियो बुक, नैरेशन एंड स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग श्रेणी में चुना जाना केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं था, बल्कि शांति, करुणा और वैश्विक सद्भाव की जीत थी। यह पुरस्कार उस विचारधारा की स्वीकृति बन गया, जो मानवता को जोड़ने का कार्य करती है। इस सम्मान ने यह प्रमाणित किया कि सच्चे विचार समय, सीमाओं और भाषाओं से परे जाकर सीधे हृदय तक पहुंचते हैं।

दलाई लामा का जीवन स्वयं संघर्ष, साधना और सेवा की एक प्रेरक गाथा है। 1935 में तिब्बत में जन्मे तेनजिन ग्यात्सो को बचपन में ही 14वें दलाई लामा के रूप में पहचान मिली और बहुत कम उम्र में ही उन्होंने आध्यात्मिक नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल ली। 1959 में भारत आकर उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी केंद्र बनाया और वहीं से पूरी दुनिया में अहिंसा, करुणा और संवाद का संदेश फैलाया। 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के बाद वे विश्व मंच पर मानवता की आवाज बन गए। उनका संपूर्ण जीवन यह सिखाता है कि सादगी, संयम और सेवा के माध्यम से भी दुनिया में गहरा परिवर्तन लाया जा सकता है।

"मेडिटेशंस" एल्बम दलाई लामा के विचारों और जीवन-दर्शन का एक सशक्त और संवेदनशील दस्तावेज है। इसमें उन्होंने सद्भाव, दया, पर्यावरण संरक्षण, मानसिक संतुलन और मानव एकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल लेकिन गहन चिंतन प्रस्तुत किया है। उनकी शांत, गंभीर और आत्मीय आवाज श्रोताओं के मन को छूते हुए भीतर तक उतर जाती है। यह एल्बम केवल सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मअनुभूति का मार्ग बन जाता है। आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार और बढ़ते तनाव के बीच यह रचना मन को ठहराव, शांति और संतुलन प्रदान करती है।

इस एल्बम की सबसे बड़ी विशेषता इसका भावपूर्ण और संतुलित संगीत संयोजन है। भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान साधक उस्ताद अमजद अली खान और उनके पुत्र अमान तथा अयान अली बंगाश ने सरोद की मधुर धुनों के माध्यम से इसमें आत्मा भर दी है। इन सुरों ने दलाई लामा के शब्दों को और अधिक संवेदनशीलता तथा गहराई प्रदान की है। साथ ही पश्चिमी कलाकारों की सहभागिता ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दिया है। यह सहयोग इस बात का सशक्त उदाहरण है कि जब पूर्व और पश्चिम की सांस्कृतिक धाराएं मिलती हैं, तो मानवता के लिए एक नया, सुंदर और स्थायी संदेश जन्म लेता है।

एल्बम के निर्माण में सहयोग, समर्पण और संवेदनशीलता इसकी सबसे मजबूत आधारशिला रही। दलाई लामा के सौ घंटों से भी अधिक लंबे भाषणों को चयनित कर, उन्हें संगीत के साथ संतुलित रूप में प्रस्तुत करना एक अत्यंत कठिन और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य था। इसके लिए कलाकारों और निर्माताओं ने गहरी समझ, धैर्य और सम्मान का परिचय दिया। हर शब्द और हर स्वर को इस तरह पिरोया गया कि उसका मूल भाव सुरक्षित रहे। दलाई लामा स्वयं मानते हैं कि संगीत मन और आत्मा के बीच सेतु का कार्य करता है, जो भावनाओं को सीधे स्पर्श करता है। इसी कारण यह एल्बम केवल बौद्ध दर्शन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर धर्म, हर वर्ग और हर संस्कृति के लोगों से संवाद स्थापित करता है।

पुरस्कार समारोह के दौरान अमेरिकी गायक रूफस वेनराइट द्वारा पुरस्कार स्वीकार करना भी एक अत्यंत भावनात्मक और स्मरणीय क्षण बन गया। उन्होंने विनम्रता और सम्मान के साथ कहा कि दलाई लामा की बुद्धिमत्ता, करुणा और सादगी ही इस एल्बम की वास्तविक आत्मा है। उनके शब्दों पर सभागार में गूंजती तालियां यह दर्शा रही थीं कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उन सार्वभौमिक मूल्यों को समर्पित है, जिनका दलाई लामा वर्षों से प्रतिनिधित्व करते आए हैं। स्वयं दलाई लामा ने भी इस उपलब्धि को व्यक्तिगत सफलता न मानकर मानवता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की स्वीकृति बताया, जो उनकी गहन विनम्रता और दूरदृष्टि को प्रकट करता है।

वर्तमान समय की जटिल परिस्थितियों में यह पुरस्कार और भी अधिक अर्थपूर्ण बन जाता है। आज की दुनिया महामारी, जलवायु संकट, मानसिक दबाव और सामाजिक विभाजन जैसी गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे कठिन दौर में दलाई लामा का संदेश हमें भीतर झांकने, स्वयं को समझने और दूसरों के प्रति सहानुभूति विकसित करने की प्रेरणा देता है। उनका विश्वास है कि प्रत्येक व्यक्ति की खुशी दूसरों की भलाई से जुड़ी हुई है। "मेडिटेशंस" एल्बम इसी विचार को सरल, सहज और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करता है, जिससे युवा पीढ़ी भी इसे आसानी से अपनाकर अपने जीवन में उतार सके।

भारत में दलाई लामा का जीवन, संघर्ष और योगदान विशेष महत्व रखता है। धर्मशाला को केंद्र बनाकर उन्होंने भारत की भूमि से पूरी दुनिया को शांति, संवाद और सह-अस्तित्व का संदेश दिया। भारतीय कलाकारों की सक्रिय भागीदारी इस एल्बम को सांस्कृतिक दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाती है। सरोद जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों का प्रयोग यह दर्शाता है कि परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यह रचनात्मक सहयोग भारत और तिब्बत की साझा सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाते हुए मानवीय एकता की भावना को और गहराई प्रदान करता है।

इस ग्रैमी जीत का प्रभाव केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले वर्षों तक अपनी प्रेरक छाप छोड़ता रहेगा। यह उपलब्धि स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आध्यात्मिक, चिंतनशील और मूल्य-आधारित रचनाएँ भी मुख्यधारा की लोकप्रियता प्राप्त कर सकती हैं। मीडिया और वैश्विक मंचों पर मिली व्यापक चर्चा ने शांति, करुणा, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक संतुलन जैसे विषयों को फिर से समाज के केंद्र में स्थापित कर दिया है। इससे विशेष रूप से युवा पीढ़ी में यह चेतना जागृत होती है कि वास्तविक सफलता केवल प्रसिद्धि, संपत्ति या प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि समाज और मानवता के लिए किए गए सकारात्मक योगदान से भी आंकी जाती है।

दलाई लामा का पहला ग्रैमी पुरस्कार संपूर्ण मानव समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरता है। 90 वर्ष की उम्र में यह सम्मान उनकी निरंतर साधना, निस्वार्थ सेवा और अटूट समर्पण का जीवंत प्रमाण है। "मेडिटेशंस" हमें अपने भीतर झांकने, दूसरों की भावनाओं को समझने और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनने की दिशा दिखाता है। यह एल्बम केवल एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं,

चीन में हर पांचवां व्यक्ति अकेला

स्नेहा सिंह

संयुक्त परिवार लगभग बिखर चुके हैं और संतानें दूसरे शहर या विदेश में बसती जा रही हैं युवा पीढ़ी व्यस्त होती जा रही है और बुजुर्ग अकेले पड़ते जा रहे हैं।

72 वर्षीय जिन यिंग बीजिंग में रहते हैं। रोज सुबह उठते ही वे एक एप खोलते हैं और ठीक वैसे ही एक क्लिक करके अपनी मौजूदगी दर्ज करते हैं, जैसे कोई कर्मचारी दफ्तर में कैमरे के सामने खड़ा होकर बायोमेट्रिक हाजिरी लगाता है। लेकिन यह हाजिरी नौकरी पर आने की नहीं होती, बल्कि जिन यिंग एप को यह बताने के लिए क्लिक करते हैं कि 'मैं आज भी जीवित हूं और सुबह उठ गया हूं।'

जिन यिंग अकेले नहीं हैं, चीन में उनके जैसे करीब 20 करोड़ बुजुर्ग हैं, जिनमें से अधिकतर ऐसे एप का उपयोग करते हैं।

ऐसे बुजुर्ग बिलकुल अकेले रहते हैं। तेज रफ्तार दुनिया के नागरिकों और उससे भी ज्यादा उनके परिवार और समाज का उनसे रोजमर्रा का कोई संपर्क नहीं रह गया है। कहें तो उनके अस्तित्व की भी परवाह नहीं की जाती। ऐसे बुजुर्ग रात में स्मार्टफोन तकिए के पास रखकर सोते हैं और सुबह होते ही इस बात की पुष्टि करते हुए एप पर क्लिक करते हैं कि वे आज भी हयात हैं।

हालांकि इस एप का नाम डरावना है और 21वीं सदी के मानव समाज को झकझोर देने वाला विकास की दौड़ की भयावह सच्चाई का आईना। एप का नाम है 'Are You Dead?' (क्या आप मर गए हैं?)। अकेले रहने वाले व्यक्ति को रोज सुबह 'Yes' पर क्लिक करना होता है। अब तो इसी तरह के और भी कई एप बाजार में उपलब्ध हैं।

एप के ग्राहक को इमरजेंसी के समय संपर्क करने वाले व्यक्ति का नाम और नंबर भरना होता है। दो-तीन ऐसे नाम भी डाले जा सकते हैं। यदि ग्राहक लगातार दो दिन तक क्लिक नहीं करता, तो एप की सिस्टम अपनेआप उन इमरजेंसी नंबरों पर काल और मैसेज भेज देती है कि आपके परिचित बुज़ुर्ग ने जीवन की पुष्टि वाला क्लिक नहीं किया है।

इन इमरजेंसी नंबरों में अस्पताल का नंबर भी शामिल होता है, ताकि जरूरत पड़ने पर इलाज संभव हो सके।

पिछले कुछ वर्षों में चीन के अखबारों में ऐसे समाचार बढ़े हैं कि घर से बदबू आने पर पड़ोसी पुलिस को सूचना देते हैं और भीतर आठ-दस दिन पुराना शव मिलता है। इसी पृष्ठभूमि में एक युवक को विचार आया कि अकेले रहने वाले व्यक्ति के साथ ऐसा न हो या तो उसे समय पर आपातकालीन उपचार मिल सके या वह सम्मान के साथ विदा ले सके। इसी सोच से एक स्टार्टअप के रूप में 'Are You Dead?' एप का जन्म हुआ।

चीन में 2004 में केवल 8 प्रतिशत घर ऐसे थे, जहां एक ही व्यक्ति रहता था। आज यह आंकड़ा 20 प्रतिशत हो गया है यानी हर पांच में से एक घर में एक व्यक्ति अकेला रहता है।

भारत में अभी चीन जैसी स्थिति नहीं बनी है, लेकिन पिछले वर्षों की तुलना में जो बदलाव दिख रहा है, वह भयावह है। आज भारत में लगभग 5 प्रतिशत लोग अकेले रहते हैं।

यहां भी मीडिया में ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं कि अकेले रहने वाले व्यक्ति का सड़ा-गला शव 12–15 दिन बाद घर से मिला। इसी तरह अकेलेपन के कारण आत्महत्या की घटनाएं भी चिंता बढ़ाती हैं।

लेकिन क्या हमें अकेलेपन की स्थिति केवल मृत्यु के आंकड़ों से ही मापनी चाहिए? अकेले रहने वाले लोग अवसाद या अन्य बीमारियों से जूझते हैं। वे भले जीवित हों, पर जिस उद्देश्यपूर्ण और आनंदमय जीवन का अधिकार उन्हें होना चाहिए, उससे वे वंचित रह जाते हैं। इस दृष्टि से भी मानव समाज को संवेदनशील होने की जरूरत है।

और हां, एकल जीवन जीने वालों से भी अधिक वे लोग हैं, जो भीड़भाड़ और परिवार के बीच रहते हुए भी अपनी उपस्थिति, भावनाओं और अपेक्षाओं की अनदेखी के कारण भीतर से अकेलापन महसूस करते हैं।

भारत में अकेले रहने वालों की संख्या बढ़ने के कारण समाज ने स्वयं पैदा किए हैं। पहले संयुक्त परिवार में व्यक्ति सुरक्षित रहता था। जीवनसाथी का निधन हो जाए या संतानें बाहर चली जाएं, तब भी वह संयुक्त परिवार में संभल जाता था।

अब संयुक्त परिवार दुर्लभ हो गए हैं। पति-पत्नी रोजगार के लिए माता-पिता का घर छोड़कर दूसरे शहर या विदेश चले जाते हैं। समय के साथ कई लोग इतने स्वार्थी और स्वकेंद्रित हो जाते हैं कि माता-पिता से संपर्क कम कर देते हैं।

दूसरी ओर, कई माता-पिता अपनी बेटी के लिए ऐसे रिश्ते पर जोर देते हैं, जहां उसे सास-ससुर या संयुक्त परिवार के साथ न रहना पड़े, बिना यह सोचे कि अनिश्चित जीवन में केवल पति के साथ रहने वाली बेटी भविष्य में अकेली पड़ सकती है।

माता-पिता की उपेक्षा करने वाला पुत्र भी भविष्य में अकेला ही पड़ता है। 'मुझ पर बीती, तुझ पर बीते', यह कहावत याद रखने जैसी है।

जिंदगी केवल मेडिकल बीमा या मृत्यु/तलाक के बाद मिलने वाली राशि से नहीं बनती। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न है आत्मसम्मान और अस्तित्व का अहसास।

अपने ही लोगों और समाज द्वारा अनदेखी झेलते हुए जीना और फिर विदा लेना, यह पीड़ा पैसे की कमी से भी अधिक असहनीय होती है।

यदि बच्चों को ऐसे संस्कार दिए जाएं कि उन्हें बुजुर्गों की उपस्थिति खलने लगे या उनका अपमान करना सामान्य लगे, तो आगे चलकर वही हाल उनका भी होगा।

जो युवा कमाई और सफलता के जोश में परिवार व समाज की परवाह नहीं करते, वे सेवानिवृत्त जीवन में स्वयं को समाज से कटा हुआ पाते हैं।अकेले पड़े लोगों की बढ़ती संख्या का एक कारण कृतज्ञताविहीन संतानें भी हैं। माता-पिता कर्ज लेकर पढ़ाते हैं, बच्चे बड़े शहर या विदेश में बस जाते हैं और धीरे-धीरे संपर्क तोड़ देते हैं या ऐसा व्यवहार करते हैं कि सम्मान बचाने के लिए माता-पिता ही रिश्ता तोड़ लें।

कुछ संतानों के मन में प्रेम होता है, पर नौकरी और प्रतिस्पर्धा का दबाव इतना होता है कि उनके पास माता-पिता, पत्नी और बच्चों के लिए भी समय नहीं रहता। ऐसे में माता-पिता व्यस्त संतान के साथ रहने के बजाय अपने मूल शहर में रहना पसंद करते हैं। जीवनसाथी के निधन के बाद भी वे संतान के पास जाना नहीं चाहते, क्योंकि वर्षों में दूरी बढ़ चुकी होती है।

कुछ माता-पिता प्रेम पाने के बावजूद अपनी स्वतंत्रता के कारण अकेले रहना चुनते हैं। उनका स्वाभिमान इतना प्रबल होता है कि वे हर हाल में स्वयं ही रहना पसंद करते हैं।

ऐसे बुज़ुर्ग धीरे-धीरे एक-एक कर संपर्क खोते जाते हैं। हर रिश्ते को जीवित रखने के लिए किसी न किसी 'कड़ी' की जरूरत होती है। वह कड़ी टूट जाए तो संबंध भी ढीले पड़ जाते हैं।

मां के निधन के बाद ननिहाल और पिता के निधन के बाद पितृपक्ष से संबंध बनाए रखना चाहिए, पर जब ये कड़ियां टूटती हैं तो सामाजिक शृंखला बिखर जाती है। प्राथमिकताओं से बाहर हो जाने पर दस कदम दूर रहने वाला भी साल में एक बार ही मिलता है।

भारत में 70 वर्ष तक के कई अकेले बुजुर्ग सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और व्हाट्सएप ग्रुपों में शामिल रहते हैं। इसके बाद की उम्र में यह सक्रियता कम हो जाती है और तभी अकेलेपन की शुरुआत होती है।

कई लोग 'गुड मॉर्निंग' या भगवान के चित्र डालकर उपस्थिति दर्ज कराते हैं, पर कुछ लोग ग्रुप में रहकर भी भाग नहीं लेते। ऐसे सदस्यों को एडमिन द्वारा प्रतिदिन किसी न किसी रूप में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।चीन में अकेलेपन के बढ़ने का एक कारण सरकार की जनसंख्या नीति और संतान न करने का चलन भी है। आने वाले वर्षों में भारत में भी बुज़ुर्गों की चुनौतियां बढ़ेंगी, क्योंकि यहां भी संतान न करने, विवाह संस्था से दूरी, लिव-इन और संतान का दूसरे शहर/विदेश में बसना तेजी से बढ़ रहा है।

मणिपुर में खेमचंद सिंह की सबसे कठिन राजनीतिक परीक्षा

अजय कुमार

करीब एक साल तक राष्ट्रपति शासन में रहने के बाद मणिपुर में फिर से चुनी हुई सरकार बनने जा रही है और इस बार सत्ता की कमान युमनाम खेमचंद सिंह के हाथों में होगी. यह बदलाव सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला नहीं है, बल्कि उस राज्य के लिए एक नई शुरुआत का संकेत है, जो मई 2023 से जातीय हिंसा, विस्थापन और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है. मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुआ संघर्ष धीरे-धीरे इतना गहरा हो गया कि पूरा राज्य घाटी और पहाड़ के दो हिस्सों में बंटता दिखने लगा. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की जान गई, 60 हजार से अधिक लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए और करीब 350 गांवों में सामान्य जीवन ठप हो गया. हजारों घर, स्कूल, चर्च और मंदिर जला दिए गए, जिससे सामाजिक ढांचा ही नहीं, आर्थिक गतिविधियां भी बुरी तरह प्रभावित हुईं.

हिंसा के चलते राज्य का प्रशासन लगभग पंगु हो गया था. राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवागमन बाधित हुआ, कई महीनों तक इंटरनेट बंद रहा और व्यापारिक गतिविधियां ठप पड़ गईं. अनुमान है कि इस संकट से मणिपुर की अर्थव्यवस्था को करीब 10 से 12 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ. पर्यटन उद्योग पूरी तरह रुक गया और छोटे व्यापारियों की आजीविका पर सीधा असर पड़ा. स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुईं, क्योंकि कई जिलों में डॉक्टरों और दवाइयों की आपूर्ति बाधित रही. शिक्षा का हाल यह रहा कि हजारों बच्चों की पढ़ाई महीनों तक बंद रही और कई स्कूल राहत शिविरों में बदल दिए गए.

इसी हालात में तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह पर कुकी समुदाय ने पक्षपात का आरोप लगाया. धीरे-धीरे बीजेपी के भीतर भी असंतोष बढ़ा. अक्टूबर 2024 में पार्टी के करीब डेढ़ दर्जन विधायकों ने केंद्रीय नेतृत्व को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री बदलने की मांग की. दबाव इतना बढ़ा कि फरवरी 2025 में बीरेन सिंह को इस्तीफा देना पड़ा और इसके बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया. संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति शासन एक साल से ज्यादा नहीं चल सकता, इसलिए केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर यह मजबूरी बन गई कि नई सरकार का गठन किया जाए. इसी राजनीतिक और संवैधानिक दबाव के बीच युमनाम खेमचंद सिंह का नाम सामने आया.

खेमचंद सिंह का चयन केवल पार्टी के भीतर संतुलन साधने का फैसला नहीं है, बल्कि सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखकर लिया गया कदम माना जा रहा है. वे मैतेई समुदाय से आते हैं, जिसकी आबादी मणिपुर में करीब 53 प्रतिशत है, लेकिन उन्हें कुकी और नागा समुदायों के बीच भी स्वीकार्यता वाला नेता माना जाता है. हिंसा के दौरान वे उन गिने-चुने मैतेई नेताओं में थे, जिन्होंने कुकी राहत शिविरों का दौरा किया और विस्थापित परिवारों से मुलाकात की. नागा बहुल उखरुल जिले में कुकी गांव के राहत शिविर में उनकी मौजूदगी को मानवीय संदेश के तौर पर देखा गया. उस समय जब घाटी और पहाड़ के बीच भरोसे की दीवार सबसे ऊंची थी, खेमचंद की यह पहल एक अलग संकेत थी कि वे केवल अपनी जाति की राजनीति नहीं करना चाहते.

राजनीतिक अनुभव के लिहाज से भी खेमचंद सिंह को मजबूत दावेदार माना गया. वे 2017 और 2022 में सिंगजामेई सीट से विधायक चुने गए. 2017 में पहली बार सत्ता में आने पर उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया और उन्होंने पूरे पांच साल सदन की कार्यवाही संभाली. 2022 में वे मंत्री बने और ग्रामीण विकास, पंचायती राज, नगर प्रशासन, आवास और शिक्षा जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी निभाई. मणिपुर की राजनीति में करीब दो दशक से सक्रिय रहने वाले खेमचंद को संगठन और प्रशासन दोनों की समझ रखने वाला नेता माना जाता है. पार्टी नेतृत्व को लगा कि संकट के दौर में एक ऐसा चेहरा जरूरी है, जो अनुभव के साथ-साथ अपेक्षाकृत विवाद रहित भी हो.

मणिपुर विधानसभा का अंकगणित भी इस फैसले को मजबूती देता है. 60 सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी के पास फिलहाल 37 विधायक हैं. 2022 के चुनाव में पार्टी को 32 सीटें मिली थीं, लेकिन बाद में जेडीयू के पांच विधायक बीजेपी में शामिल हो गए. एक सीट फिलहाल रिक्त है. इसके अलावा एनपीएफ के 5, जेडीयू के 1 और 3 निर्दलीय विधायक सरकार का समर्थन कर रहे हैं. इस तरह एनडीए के पास कुल 46 विधायकों का समर्थन है, जबकि विपक्ष 14 पर सिमटा है. संख्या के लिहाज से सरकार मजबूत है, लेकिन मणिपुर की राजनीति में असली चुनौती बहुमत नहीं, सामाजिक भरोसा है.

राज्य में आज भी करीब 50 हजार लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं. प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार अब तक केवल 25 से 30 प्रतिशत विस्थापित परिवार ही स्थायी रूप से अपने घर लौट पाए हैं. घाटी और पहाड़ी इलाकों के बीच आवाजाही पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है. कई इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती के बिना लोगों का आना-जाना संभव नहीं है. सबसे बड़ी चिंता अवैध हथियारों की है. अनुमान है कि हिंसा के दौरान हजारों हथियार लूटे गए या अवैध रूप से जमा किए गए, जिनमें से अब तक केवल एक हिस्सा ही वापस लिया जा सका है. यह स्थिति शांति बहाली के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा मानी जा रही है.

नई सरकार के सामने प्राथमिक चुनौती पुनर्वास और सुरक्षा की होगी. हजारों परिवार जिनके घर जल गए, उनके लिए स्थायी आवास, मुआवजा और रोजगार की व्यवस्था करना आसान काम नहीं है. केंद्र सरकार ने पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज देने की बात कही है, लेकिन जमीन पर इसका असर तभी दिखेगा, जब प्रशासन निष्पक्ष तरीके से काम करे.

रीलपुरा का 'वायरल' उत्थान

डॉ. सुरेश कुमार

भारत के हृदयस्थल में बसे 'रीलपुरा' के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आजकल शिक्षा का सूर्योदय नहीं, बल्कि रिंग-लाइट का उदय हो रहा था। यहाँ मास्टर गजाधर अब चॉक से ब्लैकबोर्ड पर 'अकबर की महानता' नहीं लिखते, बल्कि ट्राइपॉड पर फोन सेट करते हुए शिष्यों को 'हुक पॉइंट' और 'अटेंशन स्पैन' का मर्म समझाते हैं। रीलपुरा में सिर्फ और सिर्फ 'एल्गोरिदम' का बोलबाला है। यहाँ के प्रधानाचार्य अब 'कैरेक्टर सर्टिफिकेट' नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों का 'इंगेजमेंट रेट' देखकर उनकी बौद्धिक क्षमता का आंकलन करते हैं। जिस देश में कभी उपनिषदों की ऋचाएँ गूँजती थीं, वहाँ अब 'बैकग्राउंड म्यूज़िक' के 'बीट-ड्रॉप' पर भविष्य नाप-जोख रहा है। गजाधर बाबू का मानना है कि ज्ञान वह नहीं जो जीवन संवारे, बल्कि वह है जो एक्सप्लोर पेज पर जगह बनाए। अब क्लास में शांति का अर्थ अनुशासन नहीं, बल्कि 'ऑडियो सिंक' की तैयारी है।

कक्षा के भीतर का दृश्य किसी कबीलाई युद्ध और आधुनिक स्टूडियो का विचित्र मिश्रण जान पड़ता था। कल का वह बच्चा, जो 'छंद' और 'अलंकार' के नाम पर मुँह बिचकाता था, आज 'ट्रांजिशन' और 'कलर ग्रेडिंग' का ऐसा पंडित हो गया है कि साक्षात भरत मुनि भी उसे देखकर अपना नाट्यशास्त्र अपडेट कर लें। एक कोने में छात्र 'एजुकेशन विद एटीट्यूड' वाले हैशटैग की जुगाड़ में इस तरह स्लो-मोशन एंट्री ले रहा था जैसे साक्षात यमराज वीज़ा लेकर पृथ्वी पर पधारे हों। मास्टर जी ने उसे टोकने के बजाय 'लाइटिंग' ठीक करने की सलाह दी, क्योंकि 'अँधेरे में भविष्य भले रहे, चेहरा साफ दिखना चाहिए।' पुराने जमाने के मास्टर जी 'पाठ याद न होने' पर मुर्गा बनाते थे, पर आधुनिक मास्टर जी 'व्यूज़ कम आने' पर बच्चे को 'शैडो-बैन' होने का श्राप देते हैं। यहाँ सरस्वती की वीणा अब केवल प्रॉप की तरह इस्तेमाल होती है, ताकि 'स्पिरिचुअल' वाइब्स के साथ 'एस्थेटिक' कंटेंट तैयार किया जा सके।

होमवर्क का स्वरूप अब किसी क्रांतिकारी घोषणा-पत्र जैसा भयावह और हास्यास्पद हो गया है। प्रधानाचार्य ने नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया है कि 'गृहकार्य में दो रील देशभक्ति पर, तीन मोटिवेशन पर और एक डांस रील अनिवार्य है।' देशभक्ति अब सीमा पर शहीद होने में नहीं, बल्कि तिरंगे के साथ 'सलाम रॉकी भाई' वाले बीजीएम पर सीना फुलाकर चलने में सिमट गई है। मोटिवेशन का आलम यह है कि जो बच्चा कल तक अपने जूते का फीता नहीं बाँध पाता था, वह आज रील पर 'सफलता के गुप्त मंत्र' बाँट रहा है। उधर मास्टर जी भी पीछे नहीं हैं; वे छात्रों के साथ 'कच्चा बादाम' से लेकर 'गुलाबी शरारा' तक पर ठुमके लगा रहे हैं ताकि उनकी 'रीच' बढ़ सके। यहाँ 'गुरु-शिष्य परंपरा' अब 'कोलैबोरेशन' में तब्दील हो गई है। मुहावरा बदल गया है—अब 'गुरु गुड़ और चेला शक्कर' नहीं, बल्कि 'गुरु कैमरा और चेला फिल्टर' हो गया है।

परीक्षा का तो पूछिए ही मत! रीलपुरा में फेल वह नहीं होता जिसे 'पाइथागोरस प्रमेय' नहीं आता, बल्कि वह अभागा होता है जिसके रील पर 'हार्ट' वाले इमोजी कम आए हों। उत्तर पुस्तिकाओं की जगह अब स्क्रीनशॉट जाँचे जा रहे हैं। परीक्षक महोदय चश्मा नाक पर टिकाकर देख रहे हैं कि बच्चे ने 'एसईओ' का सही प्रयोग किया है या नहीं। गणित के सवालों के बदले अब 'ऑडियंस रिटेंशन' के ग्राफ बनवाए जाते हैं। एक छात्र, जिसने इतिहास में शून्य पाया था लेकिन जिसकी 'पीओवीः जब आप स्कूल लेट पहुँचें' वाली रील पर दस लाख व्यूज़ थे, उसे 'डिजिटल गोल्ड मेडल' से नवाज़ा गया। पढ़ाई का भविष्य इतना उज्ज्वल हो गया है कि आँखों पर सनग्लासेस लगाए बिना देखना मुमकिन नहीं। यहाँ ज्ञान की कसौटी 'अक्ल' नहीं, बल्कि 'वायरल' होने की सनक है। अब 'घर की मुर्गी दाल बराबर' नहीं 'घर की रील वायरल बराबर' कहा जाने लगा।

अभिभावक-शिक्षक बैठक का दृश्य तो किसी शोक सभा और फिल्म प्रीमियर के बीच का झमेला लग रहा था। एक दुबली-पतली माँ, जिसकी आँखों में पुराने संस्कारों की नमी थी, मास्टर जी से पूछ रही थी, मैडम, मेरे मुन्ने की रील एल्गोरिदम में क्यों नहीं जा रही? क्या वह कंटेंट में नमक कम डाल रहा है? मास्टर जी ने गंभीर मुद्रा अपनाते हुए कहा, बहन जी, आपका लड़का अभी भी 'लॉजिक' का प्रयोग कर रहा है, जबकि इंटरनेट को 'मैजिक' और 'ट्रैजिक' चाहिए।

बजट से विकास को मिलेगी रफ्तार

राज कुमार भाटी

भारत सरकार का केंद्रीय बजट 2026-27 जनाकांक्षाओं को निरंतर पूरा करने वाला युवा बजट है, जिससे अनवरत समावेशी विकास, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और राजकोषीय अनुशासन का स्पष्ट संदेश मिलता है। यह युवा बजट है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत काल में विकसित भारत 2047 जैसे सुनहरे सपने को पूरा करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने का संदेश देता है।

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने पहली बार अवकाश के दिन यानी रविवार 1 फरवरी को इसे संसद की पटल पर प्रस्तुत करके एक नया रिकॉर्ड कायम किया, जो उनके द्वारा नौवीं बार प्रस्तुत किया हुआ है। वाकई यह बजट ऐतिहासिक, समावेशी और विकासोन्मुखी बजट है, जिससे 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं पूरी होंगी। इससे देश में विगत 3 दशकों से जारी आर्थिक सुधारों को मजबूती मिलती है और विकसित भारत के सपने पूरे होंगे, ऐसा दृढ़विश्वास भी मजबूत होता है। कई मायनों में यह बजट विकास का रोडमैप है, जिसमें नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब दिखाई देता है। इसमें युवाओं और पेशेवरों के लिए अपार अवसर निहित है। इसमें महिलाओं और उद्यमियों के लिए नया आयाम निहित है तो हर घर लक्ष्मी का आगमन सुनिश्चित करने वाला महसूस होता है। इस बजट में जिस बहुमुखी विकास पर फोकस किया गया है उससे आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, रोजगार सृजन ज्यादा होगा और हर हाल में समावेशी विकास संभव हो सकेगा। कुलमिलाकर यह बजट देश को 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर ले जाएगा। साथ ही देश को दुनिया में अग्रणी बनाएगा। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और फिर पहली-दूसरी बनने के लिए स्वस्थ संघर्ष करेगा। सच कहूं तो यह बजट विकसित भारत के संकल्प में मील का पत्थर साबित होगा। ऐसा इसलिए कि इसमें हर वर्ग के लिए कल्याणकारी पहल की गई, जो विकसित भारत का रोडमैप करार दिया जा सकता है। इस बजट के विभिन्न प्रस्तावों से सामाजिक-आर्थिक विकास का स्वर्णिम अध्याय पूरा होगा। यह बजट एनडीए की एकजुटता को दिखाता है। बजट प्रस्तावों से साफ है कि विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत मजबूती पूर्वक निरंतर आगे बढ़ रहा है, जो भारतवासियों के लिए खुशी की बात है।

रात में चावल खाना चाहिए या नहीं? डिनर में इसका सेवन सेहत पर पड़ सकता है कितना भारी?

रात के खाने में चावल खाना सही है या नहीं, इस सवाल को लेकर अक्सर लोग कन्फ्यूज़ रहते हैं। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में, जब लोग देर से डिनर करते हैं, तब यह जानना बेहद ज़रूरी हो जाता है कि डिनर में चावल का सेवन सेहत पर कितना भारी पड़ सकता है और किन लोगों को इसे रात में खाने से परहेज करना चाहिए।

रात को चावल खाने से हो सकती हैं ये परेशानियां

वजन बढ़ता हैः चावल में कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होता है जो शरीर को एनर्जी देता है। रात में, जब शारीरिक गतिविधि कम होती है, तो ज़्यादा कार्ब्स वाला खाना खाने से कैलोरी फैट के रूप में जमा हो सकती है। सोते समय शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे चावल से मिलने वाली कैलोरी को जलाना मुश्किल हो जाता है, जिससे वजन बढ़ सकता है।

ब्लड शुगर बढ़ जाता हैः सफेद चावल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स ज़्यादा होता है जिसका मतलब है कि यह ब्लड शुगर लेवल को तेज़ी से बढ़ाता है। रात के खाने में चावल खाना, खासकर डायबिटीज या इंसुलिन रेजिस्टेंस वाले लोगों के लिए, ब्लड शुगर में अचानक बढ़ोतरी का कारण बन सकता है। समय के साथ, इससे टाइप 2 डायबिटीज और अन्य मेटाबॉलिक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

अपच और पेट फूलने की समस्याः कई लोगों को रात में चावल खाने के बाद पेट फूलने और पाचन संबंधी परेशानी होती है। चावल में कार्बोहाइड्रेट होते हैं जो पाचन को धीमा कर सकते हैं। जिन लोगों का पाचन तंत्र संवेदनशील होता है, उनके लिए रात के खाने में चावल खाने से एसिडिटी, गैस या धीमा पाचन हो सकता है।

रात के खाने में चावल की जगह क्या खाएं?

रात के खाने में चावल की जगह फाइबर से भरपूर मल्टीग्रेन रोटी का सेवन करना चाहिए हैं। प्रोटीन से भरपूर क्विनोआ चावल का एक हेल्दी विकल्प है। बाजरा पचाने में आसान होता है, और इसमें चावल की तुलना में कम कार्बोहाइड्रेट होते हैं।

दलिया फाइबर से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ावा देता है। मूंग दाल खिचड़ी एक प्रोटीन से भरपूर डिश जिसे दाल और सब्जियों के साथ बनाया जा सकता है। पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी का सूप सब्जियां शरीर को हल्का रखने में मदद करता है।

फिट लोगों में भी हो सकता है फैटी लिवर

लोग मानते हैं कि फैटी लिवर केवल मोटापे या खराब लाइफस्टाइल वाले लोगों को होता है, लेकिन सच यह है कि कई बिल्कुल फिट दिखने वाले लोग भी इस बीमारी का शिकार बन जाते हैं। पीएसआरआई अस्पताल में वरिष्ठ सलाहकार, जीआई सर्जरी और लिवर प्रत्यारोपण, डॉ. भूषण भोले कहते हैं, मेडिकल रिपोर्ट्स बताती हैं कि पतले या सामान्य वजन वाले व्यक्तियों में भी नॉन-ओबेस फैटी लिवर तेजी से बढ़ रहा है। यह इसलिए खतरनाक है क्योंकि ऐसे लोग अपनी समस्या को पहचान ही नहीं पाते और बीमारी धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती है।

फिट दिखना अंदरूनी स्वास्थ्य का संकेत नहीं

सबसे बड़ा कारण यह है कि फिट दिखना हमेशा अंदरूनी स्वास्थ्य का संकेत नहीं होता। कुछ लोग बाहर से दुबले दिखाई देते हैं लेकिन उनके शरीर में विज़रल फैट (आंतों के आसपास जमा चर्बी) की मात्रा अधिक होती है। यह छिपा हुआ फैट लिवर में जाकर ट्राइग्लिसराइड्स जमा करता है और धीरे-धीरे फैटी लिवर का रूप ले लेता है। इसके अलावा, जेनेटिक फैक्टर, असंतुलित खानपान, कम प्रोटीन-उच्च कार्ब डाइट, नींद की कमी, बार-बार बाहर का खाना और हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधियों की भी प्रमुख भूमिका होती है। कई फिट लोग स्ट्रेंथ ट्रेनिंग या कार्डियो करते हैं लेकिन उनकी डाइट शुगर, फ्राइड फूड और प्रोसेस्ड आइटम्स से भरी होती है, जो लिवर पर सीधा असर डालती है।

एल्कोहल सेवन भी पतले लोगों में फैटी लिवर का आम कारण है। भले ही शरीर फिट दिखे, लेकिन नियमित शराब लिवर में फैट जमा करती है और सूजन बढ़ाकर फाइब्रोसिस का खतरा बढ़ाती है। इसी तरह, थायरॉयड असंतुलन, इंसुलिन रेसिस्टेंस और पीसीओएस जैसी स्थितियाँ भी दुबले व्यक्तियों में फैटी लिवर का कारण बन सकती हैं।

बचाव के लिए क्या करें?

सबसे पहले हर व्यक्ति को साल में एक बार लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT) और अल्ट्रासाउंड करवाना चाहिए, चाहे वह कितना भी फिट क्यों न दिखता हो। डाइट में रिफाइंड कार्ब्स, शुगर युक्त पेय, डीप-फ्राइड स्नैक्स और जंक फूड कम करें। प्रोटीन, हरी सब्जियाँ, फल, ओमेगा-3 और फाइबर युक्त भोजन शामिल करें। रोज़ कम से कम 30–40 मिनट ब्रिस्क वॉक या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग ज़रूर करें, क्योंकि यह लिवर में जमा फैट को घटाता है। नींद पूरी लें, तनाव कम करें और शराब का सेवन न्यूनतम रखें।

यूं ही नहीं कहते अमरूद को सुपर फ्रूट, एक अमरूद में छिपा होता है सेब-संतरे से कई गुना ज्यादा न्यूट्रिशन

अमरूद सिर्फ़ एक फल नहीं, बल्कि एक सुपरफूड है, जो फ़ायदों से भरपूर है। इसमें विटामिन C, डाइटरी फ़ाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं और इसमें पोटेशियम, विटामिन A और ज़रूरी मिनरल्स भी होते हैं जो दिल की सेहत, चमकदार त्वचा और कुल मिलाकर सेहत के लिए फ़ायदेमंद हैं। चलिए जानते हैं एक अमरूद में कितना न्यूट्रिशन होता है और इसको खाने से कौन से फायदे मिलते हैं?

एक अमरूद में कितना न्यूट्रिशन होता है?

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (USDA) डेटा के अनुसार, एक अमरूद लगभग 100 ग्राम का होता है। जिसमें 68 कैलोरी, 14.32 ग्राम कार्ब्स, 8.92 ग्राम शर्करा, 5.4 ग्राम डाइटरी फ़ाइबर, 2.55 ग्राम प्रोटीन, 0.95 ग्राम फैट, 417 मिलीग्राम पोटेशियम, 228.3 मिलीग्राम विटामिन C होता है।

अमरूद का सेवन करने से मिलते हैं ये फायदेः

इम्यून सिस्टम को तेज करता हैः अमरूद विटामिन C से भरपूर होता है। इसमें संतरे से भी ज़्यादा विटामिन सी पाया जाता है और यह इम्यून सिस्टम को मज़बूत बनाता है और शरीर को इन्फेक्शन और सर्दी से लड़ने में मदद करता है।

पाचन में सुधार करता हैः विशेषज्ञों के अनुसार, अमरूद में डाइटरी फ़ाइबर की मात्रा ज़्यादा होती है जो पाचन में मदद करता है, कब्ज़ को रोकता है और नियमित मल त्याग को बढ़ाता है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करता हैः अमरूद का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और यह ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे यह डायबिटीज़ के मरीज़ों के लिए एक बेहतरीन फल बन जाता है। यह उन लोगों के लिए भी एक बढ़िया विकल्प है जो अपने ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करना चाहते हैं।

दिल की सेहत को बेहतर करता हैः अमरूद एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम और घुलनशील फाइबर से भरपूर होता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और स्वस्थ ब्लड प्रेशर के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है।

त्वचा की चमक के लिए फायदेमंदः अमरूद में मौजूद विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से लड़ने, मुंहासे कम करने और साफ, जवां त्वचा के लिए कोलेजन प्रोडक्शन बनाने में मदद करते हैं।

आंखों के लिए भी फायदेमंदः अमरूद विटामिन A से भी भरपूर है, जो आंखों की रक्षा करने, सूखापन रोकने और उम्र से संबंधित जोखिम को कम करने में मदद करता है।

आपके पैरों में छिपा है बीमारियों का राज

ये लक्षण दिखें तो भूलकर भी न करें नजरअंदाज

टखने में दर्द,एड़ी में सूजन,पंजों में सुन्नपन कोई मामूली दर्द नहीं है बल्कि ये शरीर में पनप रही बीमारियों का संकेत हो सकता है। आपके पैरों में अलग-अलग अंगों के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स हैं जो शरीर में हो रहे रोगों का सिग्नल देते हैं।

आपके शरीर के अंग आंख, दिमाग, कान, थायराइड, पेट, दिल-फेफड़ें, पैंक्रियाज़, हड्डियां-किडनी, आंत सबका कनेक्शन आपके पैरों के तलवों से ही जुड़ा है। यानि तलवों में अलग अलग ऑर्गन के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स हैं। तलवों में एक दर्द और होता है जिसे प्लांटर फेशिआइटिस कहा जाता है। ये पैर के निचले हिस्से में कुशन वाला मोटा रबर बैंड जैसा लचीला स्ट्रक्चर होता है। जो चलते-दौड़ते वक्त शरीर के प्रेशर को झेलकर शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करता है और जब इसमें तनाव बढ़ जाता है या सूजन आ जाती है। तलवों में-एड़ियों में बेइंतहा दर्द महसूस होता है।

प्लांटर फेशिआइटिस दर्द

ये तनाव-सूजन आने की वजह बनते हैं। हाई यूरिक एसिड-डायबिटीज़ हाइपोथायराइड और मोटापा या किसी तरह का फ्रैक्चर फ्लैट फुट वालों को भी ये दर्द परेशान करता है। इसके अलावा कई बार देर तक एक ही पोज़ीशन में बैठे रहने या पैर लटकाने से वो सुन्न भी हो जाते हैं। इसकी वजह नर्व्स की कमज़ोरी हो सकती है। जिसकी वजह से शरीर के जिस हिस्से में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है वो सुन्न पड़ जाता है। लेकिन बार बार अगर ऐसा हो रहा है तो ये बॉडी में आयरन डेफिशियेंसी का भी सिग्नल हो सकता है। ऐसे में शरीर में होने वाले 100 तरह के दर्द को दूर करने के लिए आयुर्वेद और योग का सहारा ले सकते हैं। इससे आपके शरीर के दर्द कम हो जाते हैं। स्वामी रामदेव से जानिए पैरों के दर्द को दूर करने के क्या उपाय हैं?

लाइफस्टाइल से होने वाली बीमारियां

करीब 35% भारतीयों को लाइफस्टाइल के रोग परेशान कर रहे हैं। जिसमें हर 10 में से 1 एडल्ट को हाइपो-थायराड है। 3 में से 1 शुगर पेशेंट को थायराइड की समस्या है। 23% भारतीय मोटापे के शिकार हैं और 40% लोगों के पेट पर एक्सेस फैट जमा है। खराब हो रही लाइफस्टाइल से लोगों में बीपी-शुगर, हाई कोलेस्ट्रॉल, ओबेसिटी, थायराइड, लंग्स प्रॉब्लम, इनसोम्निया, आर्थराइटिस और डेफिशियेंसी से जुड़ी समस्याएं हो रही हैं।

बीमारियों से कैसे बचें

रोज योग करने से शरीर में होने वाली बीमारियों के खतरे को काफी कम किया जा सकता है। योग से एनर्जी बढ़ेगी, बीपी कंट्रोल होगा, वजन कंट्रोल होगा, शुगर कंट्रोल रहेगी, नींद में सुधार आएगा और मूड बेहतर होगा। इसके अलावा कुछ आयुर्वेदिक उपाय आपको हेल्दी बनाएं रखने में मदद कर सकते हैं। जैसे सुबह एप्पल विनेगर पीएं, रात में हल्दी दूध लें, कुछ देर धूप में बैठें, 7 घंटे की नींद जरूर लें और रोजाना योग करना न भूलें।

सूखे होंठों की पपड़ी से हैं परेशान तो इस होममेड लिप स्क्रब का करें इस्तेमाल

सर्दियों में ठंडी हवा और नमी की कमी का सबसे पहला असर हमारे होंठों पर दिखता है। होंठ सूखने लगते हैं, उन पर पपड़ी जम जाती है और कई बार जलन व दर्द भी महसूस होता है। लिप बाम लगाने के बाद भी जब होंठ सॉफ्ट नहीं होते, तो समझिए उन्हें डीप केयर की जरूरत है। ऐसे में केमिकल वाले प्रोडक्ट्स की बजाय अगर आप घर पर बना नेचुरल लिप स्क्रब इस्तेमाल करें, तो डेड स्किन आसानी से हटती है और होंठ फिर से मुलायम, गुलाबी और हेल्दी नजर आने लगते हैं। खास बात यह है कि यह होममेड लिप स्क्रब बनाना भी बेहद आसान है और असर भी तुरंत दिखता है।

लिप स्क्रब के लिए सामग्रीः

1 बड़ा चम्मच ब्राउन शुगर, 1 बड़ा चम्मच शिया बटर, 1 बड़ा चम्मच नारियल तेल, डेढ़ बड़े चम्मच मोम, 5-6 बूंद विटामिन ई ऑयल, 7-8 बूंद लैवेंडर ऑयल

होंठों के लिए क्यों फायदेमंद है ये चीजें?

ब्राउन शुगर नेचुरल एक्सफोलिएटर की तरह काम करती है, जिससे होंठों की जमी पपड़ी और डेड स्किन आसानी से हट जाती है। शिया बटर होंठों को गहराई से पोषण देता है और उन्हें लंबे समय तक मुलायम बनाए रखता है। नारियल तेल ड्राइनेस दूर कर होंठों में नेचुरल नमी बनाए रखता है और फटने से बचाता है। मोम होंठों पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाती है जिससे नमी लॉक रहती है। विटामिन E ऑयल होंठों की मरम्मत करता है, डार्कनेस कम करने में मदद करता है और ग्लो बढ़ाता है।

कैसे करें लिप बाम स्क्रब?

सबसे पहले मोम पिघलाएंगे। एक बाउल में मोम को बाउल में लें और उसे पिघलाएं।

इसके बाद इसमें शिया डाले और इसे पिघलने तक हिलाएं।

अब इसमें नारियल का तेल डाले और इसे अच्छी तरह से पिघला दें।

इसके बाद इसे ओवन से निकालकर विटामिन ई, लैवेंडर ऑइल डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।जब मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए और थोड़ा गाढ़ा होने लगे तो चीनी डालें और हिलाएं।

अब इस मिश्रण को एक साफ कंटेनर में डाल दें। एक बार पूरी तरह से जम जाने के बाद इस मिश्रण का उपयोग किया जा सकता है।

धनिया की चटनी हमेशा बन जाती है कड़वी तो आज़माएं ये टिप्स, बिना कड़वाहट के मिलेगा स्वाद

जब बात साइड डिश की हो यो चटनी की जगह कोई भी नहीं ले सकता है। खासकर, हरी धनिया की चटनी लोग अपने मेन्यू में ज़रूर रखते हैं। इसका खट्टा मीठा स्वाद, खान के ज़ायके को और भी बेहतर बना देता है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि हरी धनिया की चटनी कड़वी लगने लगती है जो खाने का स्वाद बिगाड़ देती है। ऐसे में लोगों को समझ नहीं आता है कि आखिर चटनी का स्वाद कसैला क्यों आ रहा है। अगर आपके द्वारा बनाई गई चटनी भी कड़वी लगती है तो चलिए जानते हैं बिना कड़वाहट की हरी धनिया की चटनी कैसे बनाएं?

हरी धनिया की चटनी के लिए सामग्रीः

एक कप बारीक कटी हरी धनिया, दो टमाटर, 8 से 9 लहसुन, अदरक का छोटा टुकड़ा, दो हरी मिर्च, नमक स्वाद अनुसार

कैसे बनाएं हरी धनिया की चटनी?

पहला स्टेपः हरी धनिया की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले एक कप हरी धनिया को अच्छी तरह से धोएं और उसका डंठल काट लें। केवल नरम डंठल और पत्तियों का उपयोग करें। अगर डंठल सख्त हैं, तो उन्हें निकाल दें। डंठल की वजह से भी कई बार धनिया कड़वी लगने लगती है।

दूसरा स्टेपः अब मिक्सर जार में बारीक कटी हरी धनिया, दो टमाटर, 8 से 9 लहसुन, अदरक का छोटा टुकड़ा, पुदीना, दो हरी मिर्च और स्वाद अनुसार नमक डालें। और एकदम हल्का दरदरा पीस लें। बहुत अधिक पुदीना कड़वाहट लाता है इसलिए धनिया की मात्रा पुदीने से ज्यादा रखें।

तीसरा स्टेपः चटनी बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसे ज़्यादा देर तक एकदम बारीक न पीसें। मिक्सी को बहुत देर तक चलाने से पत्तियों का तेल निकलकर कड़वा हो सकता है।

चौथा स्टेपः अगर चटनी बारीक पीस गई है तो उसका कड़वाहट कम करने के लिए नींबू का रस, दही, या थोड़ी सी गुड़ मिलाएं।

धनिया चटनी का कड़वापन दूर करने के लिए आज़माएं ये उपायः

केवल नरम डंठल और पत्तियों का उपयोग करें। अगर डंठल सख्त हैं, तो उन्हें निकाल दें। पुरानी या पीली पड़ चुकी पत्तियों का उपयोग करने से बचें।

बहुत अधिक पुदीना कड़वाहट लाता है। धनिया की मात्रा पुदीने से ज्यादा रखें।

मिक्सी को बहुत देर तक न चलाएं, इससे पत्तियों का तेल निकलकर कड़वा हो सकता है। ज्यादा अदरक-लहसुन का इस्तेमाल न करें। अगर लहसुन अंकुरित हो गया है, तो उसे न डालें क्योंकि वह कड़वा होता है।

तीस की उम्र में ही जोड़ों में बढ़ने लगा है दर्द?

तीस की उम्र में जोड़ों का दर्द अब सिर्फ बुज़ुर्गों की समस्या नहीं रह गया है। कभी घुटनों में चुभन, कभी कंधों में जकड़न तो कभी कूल्हों में अकड़न, आजकल ये परेशानियां 30 की उम्र पार करते ही कई युवाओं को घेरने लगी हैं। सवाल यह है कि आखिर कौन-सी डेली हैबिट्स हमारे जोड़ों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रही हैं और कैसे समय रहते इन्हें सुधारा जा सकता है ताकि आगे चलकर गंभीर समस्या से बचा जा सके

कौन-सी रोज़ाना की आदतें वैरिकोज वेन्स को खराब करती हैं?

लंबे समय तक एक ही जगह बैठना या खड़े रहनाः बिना हिले-डुले देर तक बैठने या खड़े रहने से पैरों की नसों पर ज़्यादा दबाव पड़ता है। साथ ही लंबे समय तक हाई हील्स पहनना भी ब्लड फ्लो को प्रभावित करता है, जिससे नसें और कमजोर हो सकती हैं।

एक्सरसाइज़ न करनाः एक्सरसाइज़ की कमी से पिंडली की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जबकि यही मांसपेशियां नसों में खून को ऊपर की ओर पहुंचाने का काम करती हैं। बढ़ा हुआ वज़न नसों पर दबाव डाल देता है।

खाने-पीने की गलत आदतेंः बहुत ज़्यादा जंक फूड, तला-भुना और पोषण की कमी वाला खाना नसों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

पानी की कमी और कम फाइबरः पर्याप्त पानी न पीने और फाइबर की कमी से खून गाढ़ा हो सकता है और कब्ज की समस्या होती है। इससे पेट का दबाव बढ़ता है, जो पैरों की नसों में खून के बहाव को और बिगाड़ देता है।

कैसे लाइफस्टाइल में बदलाव कर सकते हैं?

पैरों में भारीपन, सूजन या नसों का उभरकर दिखना वैरिकोज वेन्स के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना आगे चलकर समस्या को गंभीर बना सकता है। अच्छी बात यह है कि रोज़मर्रा की लाइफस्टाइल में किए गए छोटे-छोटे बदलाव बड़ा असर दिखा सकते हैं।

लंबे समय तक बैठने या खड़े रहने से बचें, हर 30–40 मिनट में थोड़ा चलें-फिरें।

दिन में कुछ देर पैरों को दिल के स्तर से ऊपर रखने से सूजन कम होती है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

हाई हील्स या बहुत टाइट फुटवियर से बचें, ताकि पैरों की नसों पर दबाव न पड़े।

बढ़ा हुआ वजन नसों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, इसलिए संतुलित आहार और एक्टिव लाइफस्टाइल जरूरी है।

रोज़ाना वॉक, हल्की एक्सरसाइज़ या योग नसों में खून के बहाव को बेहतर बनाते हैं।

इन बदलावों से न सिर्फ नसों की सेहत सुरक्षित रहती है, बल्कि बेचैनी कम होती है और समय के साथ वैरिकोज वेन्स के बिगड़ने का खतरा भी काफी हद तक घटाया जा सकता है।

नाश्ते में बनाएं कांदा पोहा, एकदम सॉफ्ट और खिला-खिला बनेगा

नाश्ते में पोहा खाना लोगों को खूब पसंद होता है। बच्चे और बड़े सभी पोहा लवर होते हैं। पोहा एकदम हल्का नाश्ता है जिसे आप रोज बनाकर खा सकते हैं। पोहा को कई तरह से बनाया जाता है लेकिन मराठी कांदा पोहा बेहतरीन होता है। इसमें जो प्याज का फ्लेवर आता है वो पोहा के स्वाद को कई गुना बढ़ा देता है। खास बात ये है कि कांदा पोहा सिर्फ 10 मिनट में बनकर तैयार हो जाता है। जब आपको बहुत जल्दी हो और कुछ लाइट सा बनाकर खाना हो तो कांदा पोहा बना सकते हैं। फटाफट नोट कर लें कांदा पोहा की ये आसान रेसिपी।

कांदा पोहा रेसिपी

पहला स्टेप- मराठी में प्याज को कांदा बोलते हैं। पोहा बनाने के लिए आप नॉर्मल पोहा ले लें और उसे 2-3 बार पानी से धोकर छन्नी में डालकर रख दें। इससे पोहा का फालतू पानी निकल और पोहा फूलकर मुलायम हो जाएगा।

दूसरा स्टेप- अब 1 बड़ा प्याद लंबा और मोटा-मोटा काट लें। 1-2 हरी मिर्च बारी काट लें और हरा धनिया बारीक काट लें। पोहा बनाने के लिए थोड़ी मूंगफली को ड्राई रोस्ट कर लें। आप चाहें तो पोहा बनाते वक्त मूंगफली को तेल में भी फ्राई कर सकते हैं।

तीसरा स्टेप- एक कड़ाही में 2 चम्मच सरसों का तेल डालें। इसमें जीरा और राई मिलाकर चटकाएं। अब इसमें मूंगफली डालकर थोड़ा भून लें और फिर प्याज और करी पत्ता डाल दें। मूंगफली को चाहें तो निकाल भी सकते हैं। प्याज को हल्का ही भूनना है। अब इसमें हरी मिर्च डाल दें और थोड़ी हल्दी डाल दें।

चौथा स्टेप- अब ऊपर से पोहा को फैलाते हुए डाल दें। अब नमक और थोड़ी चीनी के दाने डालकर सारी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। पोहा में ऊपर से हरा धनिया और नींबू का रस निचोड़कर मिक्स कर दें। 2 मिनट के लिए धीमी आंच पर कवर करके पकाएं।

एकदम मुलायम और खिला-खिला कांदा पोहा बनकर तैयार है। आप इसे गर्मागरम सर्व करें। कांदा पोहा का स्वाद ऐसे ही बहुत अच्छा लगता है। आप चाहें तो इसके ऊपर थोड़ी आलू भुजिया डालकर भी खा सकते हैं।

राजामौली की 'रुद्र' में भगवान राम बनेंगे महेश बाबू

एसएस राजामौली की आने वाली एक्शन-फैंटेसी फिल्म 'वाराणसी' ने अपने ऐलान के बाद से ही दर्शकों और फिल्म प्रेमियों के बीच तहलका मचा दिया है। फिल्म की कास्ट में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन शामिल हैं, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी। जब फिल्म का ग्रैंड टीजर रिलीज हुआ तो इसके विजुअल्स और स्केल ने उम्मीदों को कई गुना बढ़ा दिया। अगले साल यानी 7 अप्रैल 2027, यह फिल्म बड़े पर्दे पर आने वाली है।

क्या होने वाला है महेश बाबू का रोल?

हाल ही में महेश बाबू ने अपने किरदार को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म भारतीय महाकाव्य रामायण के एक अध्याय से प्रेरित है। महेश बाबू का किरदार 'रुद्र' फिल्म में एक हिस्से में भगवान राम की भूमिका निभाएगा। अभिनेता ने कहा कि इस भूमिका के लिए उन्हें खास पोस्चर और शारीरिक ट्रेनिंग की जरूरत पड़ी। उन्होंने बताया, 'आप मॉडर्न किरदारों की तरह खड़े नहीं हो सकते। इसके लिए अलग ट्रेनिंग हुई। राजामौली सर ने मुझे यूरोपियन मूर्तियों के फोटो दिए, जिन्हें मैंने अपने स्टडी रूम

में रखा और स्मार्टफोन में भी रखा ताकि हर समय उनका अभ्यास कर सकूं।'

फिल्म के लिए कड़ी मेहनत

महेश बाबू ने यह भी साझा किया कि जर्मनी में एक फैमिली हॉलिडे के दौरान वह अनजाने में उसी पोस्चर में खड़े हो जाते थे, जिससे कुछ विदेशी उनके व्यवहार पर हैरान रह गए। उन्होंने हंसते हुए कहा कि जब शूटिंग के दौरान डायरेक्टर उनसे कहते हैं सीधे खड़े हो जाओ तो यह करना उनके लिए आसान हो जाता है क्योंकि उन्होंने पहले ही उस प्रक्रिया से गुजर चुके थे। फिल्म में महेश बाबू ने कलारी ट्रेनिंग भी ली, जो केरल की प्राचीन मार्शल आर्ट है। इसका उद्देश्य भगवान राम की तरह दौड़ने और एक्शन करना था। हालांकि, इस ट्रेनिंग के केवल दो शॉट्स ही फाइनल कट में शामिल होंगे। महेश बाबू ने कहा, 'जब मैंने शॉट देखा तो मुझे बहुत खुशी हुई। छह महीने की ट्रेनिंग ने मेरे चलने और खड़े होने के तरीके को ही बदल दिया। यह अनुभव इसके लायक था।'

फिल्म में है रामायण से जुड़ी असल घटना

महेश बाबू ने यह भी कबूल किया कि एसएस राजामौली के साथ काम करने के बाद वह बिगड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली एक्शन को इतना सहज और आसान बना देते हैं कि बिना चोट या ज्यादा गलतियों के एक्शन सीक्वेंस करना संभव हो जाता है। अभिनेता ने बताया कि उनकी सभी फिल्मों में रामायण की कहानियों से प्रेरणा रही है और 'वाराणसी' में उन्हें असली घटना लेकर उसे बड़े पैमाने पर पर्दे पर प्रस्तुत करने का मौका मिला। एसएस राजामौली ने भी 'पॉलीगॉन' से बातचीत में बताया कि उनकी अधिकांश फिल्में रामायण से प्रेरित रही हैं। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में मुझे रामायण की एक असली घटना को लेकर उसे इस तरह पेश करने का मौका मिला कि दर्शक आसानी से समझ सकें। मेरी कोशिश रहती है कि कहानी अजीब न लगे और फिल्म देखने का अनुभव आसान और मनोरंजक हो।'

बाप-बेटे की कहानी पर फोकस

राजामौली ने यह भी बताया कि फिल्म का सबसे अहम रिश्ता पिता और बेटे का है, जो भगवान राम और दशरथ के बीच के रिश्ते से प्रेरित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दर्शकों को राम की पूरी कहानी समझने की जरूरत नहीं है, बल्कि किरदारों की भावनाओं को महसूस करना ही पर्याप्त है। 'वाराणसी' की कास्ट में महेश बाबू रुद्र के किरदार में हैं। प्रियंका चोपड़ा का किरदार मंदाकिनी, एक रहस्यमयी और खतरनाक चोर है, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म के मुख्य विलेन कुंभा के रूप में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में प्रियंका चोपड़ा के एक्शन अवतार ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है।

अभिषेक बच्चन की जिंदगी में ऐश्वर्या राय का आना किस्मत की चाबी की तरह

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन की जिंदगी में ऐश्वर्या राय का आना किस्मत की चाबी की तरह थी, जिसने उनके जीवन और करियर के कई बंद दरवाजे धीरे-धीरे खोल दिए। पत्नी के रूप में वह धैर्य और समझदारी के साथ अभिनेता की जीवन में 'ऐश्वर्य' लेकर आईं। नतीजा ये रहा कि आज जूनियर बच्चन को सिर्फ एक स्टार किड नहीं, बल्कि सिल्वर स्क्रीन का 'जादूगर' भी कहा जाने लगा है। 5 फरवरी 1976 को मुंबई में जन्मे अभिषेक बच्चन की लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। अभिषेक और ऐश्वर्या, दोनों पहली बार साल 2000 में फिल्म 'ढाई अक्षर प्रेम के' में साथ नजर आए। इसके बाद 'कुछ ना कहो' में उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। कैमरे के सामने दिखने वाली यह केमिस्ट्री धीरे-धीरे असल जिंदगी में भी बनने लगी। साथ काम करते हुए दोनों ने एक-दूसरे को करीब से समझा और यह रिश्ता दोस्ती से आगे बढ़ता चला गया। साल 2006 में रिलीज हुई 'उमराव जान' और सुपरहिट फिल्म 'धूम 2' जैसी फिल्मों में उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया।

फिल्म 'गुरु' के रिलीज होने के बाद साल 2007 में दोनों ने शादी कर ली। दोनों ने एक-दूसरे के

करियर को समझा और सपोर्ट किया, जिसका असर खास तौर पर अभिषेक के काम में साफ दिखा।

शादी के बाद अभिषेक बच्चन के करियर में साफ बदलाव दिखाई दिया। इस दौर में उन्होंने सिर्फ 'स्टार हीरो' बनने की दौड़ से खुद को अलग किया और ऐसे किरदार चुने, जिनमें अभिनय की गहराई और चुनौती हो। भले ही हर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट न रही हो, लेकिन एक अभिनेता के तौर पर अभिषेक को लोगों ने काफी सराहा। 'झूम बराबर झूम' और 'सरकार राज' जैसी फिल्मों में उन्होंने साबित कर दिखाया कि वे रोमांस से लेकर गंभीर राजनीतिक ड्रामे वाले किरदारों में खुद को ढाल सकते हैं।

'दोस्ताना' (2008) में अभिषेक ने अपनी इमेज पूरी तरह बदल दी। कॉमिक टाइमिंग और दोस्ती के इमोशन्स को उन्होंने इतनी आसानी से निभाया कि दर्शकों को यह उनका रोल बेहद पसंद आया। 'पा' (2009) उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में गिनी जाती है। यहां उन्होंने एक गंभीर किरदार निभाया। खास बात यह रही कि फिल्म में महानायक और उनके पिता अमिताभ बच्चन भी थे, लेकिन उनके सामने होते हुए भी अभिषेक का अभिनय कमजोर नहीं पड़ा, बल्कि दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ी। 'दिल्ली-6' (2009) में उनके अभिनय को सराहा गया।

'रावण' (2010) और 'दम मारो दम' (2011) में अभिषेक ने डार्क और ग्रे शेड वाले किरदारों को चुना। 'दम मारो दम' में उनका सख्त पुलिस अफसर वाला रोल दर्शकों को काफी पसंद आया। 'बोल बच्चन' (2012) के जरिए अभिषेक ने दिखाया कि कॉमेडी उनके लिए मुश्किल नहीं है। डबल रोल में उनकी बॉडी लैंग्वेज, डायलॉग डिलीवरी और एक्सप्रेशंस ने फिल्म को हिट बनाया।

'धूम 3' (2013) और 'हैप्पी न्यू ईयर' (2014) जैसी बड़ी फिल्मों में भी उनके काम की दर्शकों ने जमकर तारीफें की। 2018 में 'मनमर्जियां' से अभिषेक ने एक बार फिर अपने अभिनय की ताकत दिखाई। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 'लूडो', 'द बिग बुल', 'बॉब बिस्वास' और 'दसवीं' ने उनके करियर को नई दिशा दी।

फिल्मों के अलावा, अभिषेक बच्चन ने बिजनेस की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई। प्रो कबड्डी लीग में 'जयपुर पिंक पैंथर्स' टीम के मालिक के तौर पर उन्होंने खेल और बिजनेस दोनों में समझदारी दिखाई। रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में भी उन्होंने सोच-समझकर कदम रखे और स्थिर सफलता हासिल की।

एक तरफ जहां 1989 में प्रकाश मेहरा की फिल्म 'जादूगर' में अमिताभ बच्चन ने पर्दे पर जादू दिखाया था, तो असल जिंदगी में अभिषेक बच्चन ने यह जादू रचा।

कपिल शर्मा का बिश्नोई गैंग पर कटाक्ष

कॉमेडी किंग कहे जाने वाले कपिल शर्मा ने इन दिनों अपने शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स ने जब 2026 के अपने आगामी प्रोजेक्ट्स की घोषणा की तो उसमें 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का अगला सीजन भी शामिल है। इस इवेंट में कपिल शर्मा समेत शो की पूरी टीम मौजूद रही। इसी दौरान कपिल शर्मा ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर इशारों-इशारों में कटाक्ष किया। जिसने कपिल शर्मा के कनाडा स्थित 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। कपिल का ये कटाक्ष अब वायरल है। जानिए कपिल ने ऐसा क्या कहा?

कपिल ने किया कटाक्ष

नेटफ्लिक्स के 'व्हाट नेक्स्ट' कार्यक्रम में कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल के साथ थे। प्लेटफॉर्म के साथ उनके लंबे जुड़ाव की प्रशंसा करते हुए मोनिका ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म लंबे समय से कपिल के साथ सहयोग करना चाह रहा था। उन्होंने मजाक में कहा, 'हमारी नजर, इंडिया की नजर तो बहुत टाइम से आप पर है कपिल। उम्मीद है कि 11 मुल्कों की पुलिस की नजर आप पर नहीं होनी चाहिए।' इस पर दर्शकों के हंसने पर कपिल ने जवाब देते हुए कहा, 'आज कल एक दो मुल्कों के गैंगस्टर्स की भी नजर लगी हुई है।' कपिल का इशारा लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग की ओर था। हालांकि, कपिल ने हंसते हुए वहां मौजूद वीडियोग्राफरों से इसे बंद करने के लिए कहा।

चार महीनों में तीन बार हुई कपिल के कैफे पर गोलीबारी

कपिल और उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ ने 2025 में कनाडा के सरे में 'कैप्स कैफे' नाम से एक कैफे खोला। जुलाई, अगस्त और अक्टूबर में चार महीनों के भीतर तीन बार रेस्ट्रोरेंट पर गोलियां चलाई गईं। बिश्नोई के सहयोगियों विशेष रूप से गोल्डी ढिल्लों और कुलदीप सिद्धू उर्फ कुलवीर सिद्धू ने सोशल मीडिया पर इसकी जिम्मेदारी ली और आम जनता को वहां से दूर रहने की चेतावनी दी। नवंबर में दिल्ली पुलिस ने अगस्त में हुई गोलीबारी के एक कथित प्रमुख साजिशकर्ता बंधु मान सिंह सेखों को ढिल्लों के गिरोह से गिरफ्तार किया।

युवाओं के साथ काम कर खुद को जवान महसूस करता हूं: अनिल कपूर

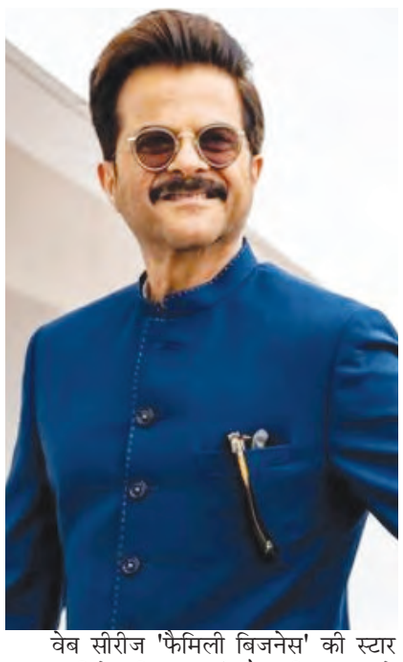

वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' की स्टार कास्ट अभिनेता विजय वर्मा और अनिल कपूर ने फिल्म के कलाकारों और टीम की तारीफ की। अभिनेता विजय वर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत खास है। मुझे अपने फेवरेट डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ पहली बार काम करने का मौका मिला है। हंसल ने कमाल का काम किया है। उनका काम करने का तरीका बिल्कुल लेटेस्ट है। इस सीरीज में मेरा किरदार बेहद शानदार है। इसमें मैंने पहली बार विक्रम के साथ काम किया है और अनिल तो एवरग्रीन है ही। हमेशा उदार, सबसे डैशिंग, सबसे शानदार और सबसे कम उम्र के एक्टर जिनके साथ मैंने काम किया।

उनकी एनर्जी और काम के प्रति जोश देखकर मजा आता है। रिया और नंदीश के साथ भी पहली बार शूटिंग की और बहुत मस्ती हुई। इस प्रोजेक्ट में कई 'पहली बार' वाली चीजें हुईं। अभिनेता अनिल कपूर ने भी अपनी खुशी जाहिर की। सबसे पहले उन्होंने शो की होस्ट जॉनी लिवर की बेटी जैमी लिवर के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा, जैमी, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। याद है, मैंने आपको सबसे पहले कॉल किया था, जब आपने करियर भी शुरू नहीं किया था।

इसके बाद अभिनेता ने टीम की सराहना करते हुए कहा, यहां मौजूद सभी लोग, विजय, हंसल, विक्रम, प्रोड्यूसर, मेरा पुराना दोस्त आकाश और बाकी सभी कलाकार। आप सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। ये सभी युवा कलाकार मुझे कड़ी टक्कर दे रहे हैं। जैसा कि मैं कहता हूं, मेरा मुकाबला बढ़ रहा है। इनके साथ मुकाबला करके मैं खुद को जवान महसूस करता हूं। आप सभी युवाओं के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है।

सनी देओल की आंखों पर बैठी थी मक्खी फिर भी नहीं रोका शॉट : तिलोत्तमा शोम

नेटफ्लिक्स की आगामी ड्रामा फिल्म 'इक्का' जल्द ही स्ट्रीमिंग पर आने वाली है। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें सनी देओल और अक्षय खन्ना 29 साल बाद फिर से पर्दे पर साथ में नजर आएंगे। फिल्म में सनी और अक्षय के अलावा, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम, संजीदा शेख समेत कई कलाकार नजर आएंगे। हाल ही में नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम में अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम ने फिल्म और सनी देओल के साथ काम करने का एक मजेदार किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया, मेरे ज्यादातर सीन सनी देओल के साथ हैं। एक दिन शूटिंग के दौरान सनी देओल का क्लोज-अप खत्म हो गया था और मेरा क्लोज-अप चल रहा था। तभी दो मक्खियां सनी देओल की आंखों के आसपास मंडरा रही थीं। एक मक्खी चली गई, लेकिन दूसरी उनकी आंख की वॉटरलाइन पर बैठ गई। फिर भी सनी देओल ने शॉट कट नहीं किया। मैं जल्द ही डायलॉग खत्म करने की कोशिश कर रही थीं क्योंकि मक्खी रेंग रही थी और मैं परेशान हो रही थी। शॉट खत्म होने के बाद मैंने उनसे पूछा, सर, आपने कट क्यों नहीं कहा? इसका जवाब देते हुए सनी ने कहा, मैं अपना टेक खराब नहीं करना चाहता था।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि इतने सालों के बाद भी सनी देओल इतने उदार और प्रोफेशनल हैं। आमतौर पर असहज होने पर लोग कट कह देते हैं, लेकिन उन्होंने नहीं कहा। यह उनके लिए बहुत इमोशनल पल था।फिल्म 'इक्का' एक कोर्टरूम थ्रिलर है। कहानी एक ईमानदार और मशहूर वकील की है, जिसे मजबूरी में एक हत्या के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। यह आरोपी वही व्यक्ति है, जिसके करियर को उस वकील ने पहले बर्बाद कर दिया था। वकील को केस जीतने के लिए हर तरह के तरीके अपनाने पड़ते हैं- चाहे वे सही हों या गलत, क्योंकि हारने पर वह सब कुछ खो देगा। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा निर्देशित यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जाएगी।

महाकुंभ वाली मोनालिसा की फिल्म का पहला लुक आया सामने, दिखी पुरानी वाली मासूमियत

महाकुंभ 2025 में करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच एक साधारण सी लड़की अचानक चर्चा का केंद्र बन गई थी नाम था मोनालिसा। माला बेचते हुए उनकी सादगी और खूबसूरती ने लोगों का ध्यान खींचा और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए। कैमरों और रील्स के बीच खड़ी मोनालिसा की जिंदगी ने यहीं से एक नया मोड़ ले लिया। महाकुंभ के दौरान फिल्ममेकर सनोज मिश्रा की नज़र मोनालिसा पर पड़ी। उनकी सादगी और मासूमियत ने डायरेक्टर को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने मोनालिसा को अपनी फिल्म में कास्ट करने का फैसला कर लिया। यहीं से मोनालिसा का सफर मेले से फिल्मों की दुनिया की ओर बढ़ा।

'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग पूरी

अब मोनालिसा अपनी पहली बड़ी फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता अमित राव के साथ नजर आएंगी, जो राजकुमार राव के भाई हैं। फिल्म के पूरा होने के साथ ही मोनालिसा का आत्मविश्वास भी साफ तौर पर झलकने लगा है। महाकुंभ के लगभग एक साल बाद मोनालिसा एक बार फिर प्रयागराज लौट रही हैं। इस बार वह माघ मेले में माला बेचने के लिए नहीं, बल्कि एक उभरती हुई बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में

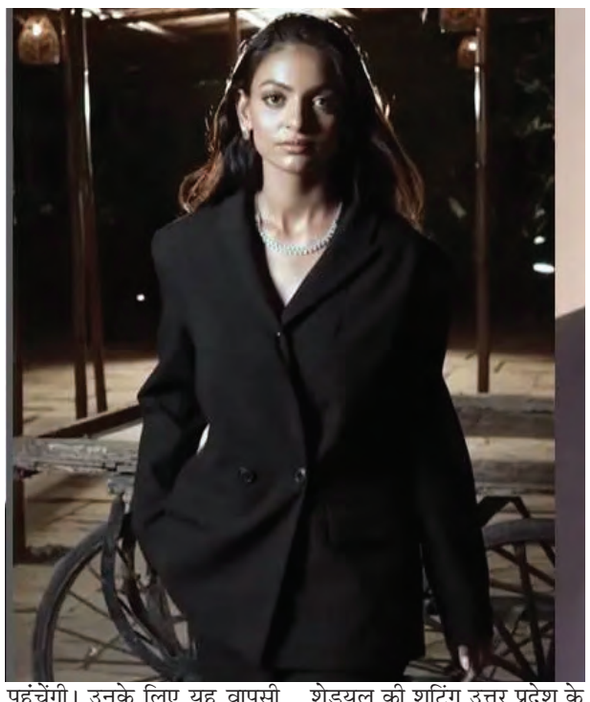

पहुंचेंगी। उनके लिए यह वापसी भावनात्मक भी है और ऐतिहासिक भी।

मां गंगा का आशीर्वाद लेने पहुंचेगी फिल्म टीम

सनोज मिश्रा, जो 'गांधीगीरी' और 'शशांक' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी पूरी टीम के साथ माघ मेले में शामिल होने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद टीम मां गंगा का आशीर्वाद लेने प्रयागराज पहुंचेगी, जिससे इस सफर को एक आध्यात्मिक पूर्णता मिलेगी। डायरेक्टर के मुताबिक, 'द डायरी ऑफ मणिपुर' की शूटिंग कई चरणों में पूरी की गई। पहले शेड्यूल की शूटिंग उत्तर प्रदेश के इटावा में हुई, फिर टीम मणिपुर पहुंची, जहां अलग-अलग लोकेशन्स पर अहम सीन फिल्माए गए। इसके बाद नेपाल में एक शेड्यूल पूरा किया गया और फिल्म का बड़ा हिस्सा देहरादून में शूट हुआ। पिछले हफ्ते फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली गई।

मोनालिसा को कास्ट करने की वजह

सनोज मिश्रा ने बताया कि जब उन्होंने मोनालिसा को मेले में देखा तो उन्हें यह अच्छा नहीं लगा कि लोग उन्हें सिर्फ रील्स और सेल्फी के लिए परेशान कर रहे थे। मोनालिसा मध्य प्रदेश के महेश्वर क्षेत्र के बंजारा समुदाय से आती हैं और बेहद सीधे-सादे स्वभाव की हैं। यही सादगी उन्हें फिल्म की लीड भूमिका के लिए परफेक्ट बनाती है। फिल्म में काम करने से पहले मोनालिसा को खास ट्रेनिंग दी गई। उन्हें पहले इंदौर और फिर मुंबई भेजा गया, जहां उन्होंने एक्टिंग, बॉडी लैंग्वेज और कैमरे के सामने काम करना सीखा। शुरुआत में मोनालिसा पढ़ी-लिखी नहीं थीं और उन्हें अपना नाम तक लिखना नहीं आता था, लेकिन उन्होंने मेहनत से कई नई चीजें सीखीं।

भाषा बनी चुनौती, डबिंग का सहारा

डायरेक्टर ने बताया कि मोनालिसा को अभी भी भाषा और उच्चारण में दिक्कत आती है। इसी वजह से फिल्म में उनके किरदार के लिए डबिंग का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि इसके बावजूद उनकी एक्टिंग को लेकर डायरेक्टर बेहद संतुष्ट हैं और मानते हैं कि वह पूरी तरह से अपने रोल में ढल चुकी हैं।

फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' मणिपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें हिंसा और संघर्ष के माहौल के बीच पनपती एक प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म में मोनालिसा एक नॉर्थ इंडियन लड़की का किरदार निभा रही हैं। एक साधारण मेले से शुरू हुआ यह सफर अब सिनेमा के बड़े पर्दे तक पहुंच चुका है और मोनालिसा की कहानी अभी बस शुरुआत है।

'कल्कि 2' के लिए मेकर्स को मिल गई दीपिका पादुकोण की रिप्लेसमेंट साई पल्लवी

साल 2024 में रिलीज हुई नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 AD' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 1,180 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन जैसे सितारे लीड रोल में थे।

अब मेकर्स ने सीक्वल पर काम शुरू कर दिया है, लेकिन कुछ महीने पहले ही मेकर्स ने ऐलान किया था कि अब दीपिका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। अब कल्कि के सीक्वल को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है, जिसके अनुसार मेकर्स को 'कल्कि 2' के लिए दीपिका पादुकोण की रिप्लेसमेंट मिल गई है। मेकर्स ने साउथ सिनेमा की एक लीडिंग एक्ट्रेस को सुमति के रोल के लिए चुना है।

रणबीर कपूर की हीरोइन लेगी दीपिका की जगह

मेकर्स कल्कि 2 में दीपिका पादुकोण की जगह 'रामायण' की साई पल्लवी को लेने पर विचार कर रहे हैं, हालांकि अब तक कुछ भी फाइनल नहीं किया गया है। लेकिन, कहा जा रहा है कि साई पल्लवी अब 'कल्कि 2898 AD' दीपिका के SUM 80 यानी सुमति वाले किरदार की कहानी को आगे ले जाती दिखेंगी और मेकर्स को वही इस रोल के लिए परफेक्ट लग रही हैं। हालांकि, फिल्म के मेकर्स की ओर से इसे लेकर अभी आधिकारिक ऐलान नहीं किया है।

दीपिका ने करीब 20 दिनों तक शूटिंग की थी

बता दें, दीपिका पादुकोण सितंबर 2025 में पहले संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर हो गईं। इस फिल्म में भी वह प्रभास के साथ ही नजर आने वाली थीं, लेकिन डायरेक्टर से अनबन के चलते वह फिल्म से अलग हो गईं और तृप्ति डिमरी ने उनकी जगह ले ली। इसके बाद उनके 'कल्कि 2898 AD' के सीक्वल से भी बाहर होने की खबरें आईं, जिस पर मेकर्स ने भी मुहर लगा दी। वैजयंती मूवीज ने एक पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म से दीपिका के बाहर होने की पुष्टि की थी। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि, दीपिका ने कल्कि 2 के लिए करीब 20 दिनों तक शूटिंग कर ली थी, लेकिन बाद में उन्होंने फिल्म छोड़ दी।

वैजयंती मूवीज ने किया था ऐलान

वैजयंती मूवीज ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था- 'यह आधिकारिक तौर पर घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण कल्कि 2898 एडी के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद, हमने अलग होने का फैसला किया है। पहली फिल्म बनाने के लंबे सफर के बावजूद, हम साझेदारी नहीं कर पाए। और कल्कि 2898 एडी जैसी फिल्म उस प्रतिबद्धता और उससे भी कहीं अधिक की हकदार है। हम उनके भविष्य के काम के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

दीपिका के काम की हुई थी तारीफ

बता दें, जून 2024 में रिलीज हुई कल्कि 2898 एडी ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। इस फिल्म में दीपिका ने सुमति का किरदार निभाया था और उनके अभिनय के लिए उन्हें खूब सराहा भी गया। फिल्म ने 1000 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया।

वहीं इस फिल्म की रिलीज के बाद ही सितंबर में अभिनेत्री ने अपनी बेटी दुआ को जन्म दिया, जिसके बाद कथित तौर पर उन्होंने कल्कि 2 के लिए 8 घंटे शिफ्ट की डिमांड रखी थी और यही उनके फिल्म से बाहर होने की वजह बन गई।

'इसमें नया क्या है', विपक्षी सांसदों के सस्पेंशन पर

प्रियंका गांधी ने सरकार को घेरा, किसानों के मुद्दे पर क्या बोले अखिलेश

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र में लोकसभा की कार्यवाही लगातार दूसरे दिन भी हंगामेदार रही। राहुल गांधी के भाषण पर मंगलवार को भी हंगामा हुआ। इस बीच स्पीकर पर पेपर उछालने वाले 8 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन के खिलाफ राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने संसद के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यहां नया क्या है? आप हर सेशन में ऐसा होते देखते हैं। वे अब इसे और भी ज़्यादा कर रहे हैं। यह सिर्फ़ एलओपी को बोलने न देने का मामला नहीं है। यह डेमोक्रेसी और पार्लियामेंट के काम करने के तरीके का एक बुनियादी मुद्दा है। पार्लियामेंट डेमोक्रेसी का मंदिर है। अगर कोई अपनी बात रखता है तो इसमें क्या दिक्कत है? उन्हें डर है कि इसका क्या नतीजा निकलेगा।

प्रियंका गांधी का सरकार पर निशाना

प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि उन्होंने किताब को पब्लिश नहीं होने दिया। जहां तक मुझे पता है, किताब में ऐसी बातें हैं जो संकट के समय पीएम, एचएम और डिफेंस मिनिस्टर और हमारी टॉप लीडरशिप का रिएक्शन

दिखाती हैं। यह उनके और उनकी सरकार के कैरेक्टर को साफ़ दिखाता है कि जब देश पर हमला हो रहा है और चीनी सैनिक हमारी सीमा पर आ रहे हैं, तो वे कैसे रिएक्ट कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी एक पब्लिश्ड सोर्स से कोट कर रहे हैं। उन्होंने कल इसे ऑथेंटिकेट भी किया था तो अगर वह बोलते हैं तो इसमें क्या प्रॉब्लम है? वहीं इस मामले को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी की कोशिश रहती है की चर्चा न हो, हमने अभी देखा ही है कि जिस तरह से चीन के मुद्दे पर एलओपी जानकारी साझा करना चाहते थे लेकिन बोलने नहीं दिया गया। न केवल हम ज़मीन खोते है चीन से बल्कि सिर्फ ज़मीन नहीं बाजार भी छीना जा रहा है। कुछ पुरानी सरकारों ने छीना और कुछ अब ये लोग छीन रहे हैं।

किसानों के मुद्दे पर क्या बोले अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि सबसे ज्यादा अगर खतरा हमें चीन से है तो न जाने कब हमने अपना तवांग खो दिया। अब ये लोग हमारे किचन तक घुस गए हैं। हमारे सनातनियों भाइयों को चिंता करने की रूरत है कि अगर डेरी प्रोडक्ट बाहर से आ गए हमारे किचन में तो हम व्रत कैसे रख पाएंगे। सबसे बड़ा धोखा तो किसानों के साथ हो रहा है और इतना बड़ा धोखा, आज़ादी के बाद किसानों के साथ सिर्फ बीजेपी ने किया।

रायपुर में हाईलेवल मीटिंग करेंगे फाइनल स्ट्रैटेजी बनेगी, पंडुम महोत्सव में भी होंगे शामिल

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, वे शनिवार की रात रायपुर पहुंचेंगे। अगले दिन रविवार को नक्सलवाद की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद अमित शाह बस्तर के लिए निकलेंगे, जहां वे पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह का

7 फरवरी को छत्तीसगढ़ आएंगे अमित शाह

दौरा ऐसे वक्त हो रहा है। जब केंद्र सरकार की तरफ से तय की गई 31 मार्च 2026 नक्सलवाद खात्मे की डेडलाइन नजदीक आ चुकी है। खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस समयसीमा का सार्वजनिक ऐलान किया था। शाह का 2 महीने में ये दूसरा छत्तीसगढ़ दौरा है। इससे पहले वे 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित IIM परिसर में आयोजित 60वें DGP-IGP सम्मेलन में पहुंचे थे। दरअसल, छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं। अब डेडलाइन में करीब दो महीने का ही समय बाकी है। ऐसे में अमित शाह का यह दौरा नक्सल विरोधी अभियानों की दिशा और आगे की रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

कॉन्फ्रेंस में आईं महिला डॉक्टर ने तोड़ा दम

इंदौर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में शनिवार को यूरोलॉजी की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस यूएसआईसीओएन-2026 के दौरान महिला डॉ। त्सेरिंग (डोमा) भूटिया की प्रेजेंटेशन के दौरान तबियत बिगड़ी थी और वे गिर गई थीं। चार दिन तक चले इलाज के बाद उनकी आज तड़के मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी जिसके चलते वह वेंटिलेटर पर थीं। घटना वाले दिन की दोपहर मौके पर मौजूद डॉक्टरों और डेलिगेट्स ने उन्हें तुरंत सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें लाइफ केयर हॉस्पिटल ले जाया गया था। फिर शाम उन्हें अपोलो हॉस्पिटल में रैफर किया गया था। यहां इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि उन्हें पहले से ही ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी। यह ब्रेन की नस का कमजोर हिस्सा होता है, जो अचानक फटने पर तेज ब्लीडिंग का कारण बनता है।

तब ब्रेन की नस अचानक फट गई। उसी वजह से वे

बेहोश हो गई थीं। सोमवार को उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें मुंबई के मेदांता हॉस्पिटल रैफर करने के लिए एयर लिफ्ट किया जाना था। फिर परिजन के कहने पर उन्हें इंदौर के ही मेंदाता हॉस्पिटल में रैफर किया था जहां आज तड़के उनकी मौत हो गई। वह मूलतः सिक्किम की रहने वाली थीं। श्रीन का परिवार बुद्धिज्म समाज से है। इसके चलते उनका शव एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

2 करोड़ की एमडी ड्रग जांच में निकली यूरिया

इंदौर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने एक साल पहले जिस 2 करोड़ की एमडी ड्रग को पकड़कर खूब वाहवाही लूटी थी, जांच में वह अब यूरिया यानी पोटेशियम नाइट्रेट पाई गई है। मामले में जिला कोर्ट ने तेजाजी नगर पुलिस की ओर से पेश की गई खारिजी को स्वीकार करते हुए सभी आरोपियों को राहत दे दी है। यह मामला 26 फरवरी 2025 का है, तब तेजाजी नगर थाना पुलिस ने एबी रोड बायपास पर कस्तूरबा ग्राम के पास बाइक सवार दो युवकों विजय पाटीदार (मंदसौर) और मोहम्मद शाहनवाज (आजाद नगर) को पकड़ा था। पुलिस ने दावा किया था कि शाहनवाज की जेब से 198 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई। इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 2 करोड़ रुपए बताई गई। दोनों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत गिरफ्तार किया गया।

आरोपी शाहनवाज के मेमोरेंडम के आधार पर आजाद नगर थाने के कोर्ट मुंशी पुलिसकर्मी लखन गुप्ता को भी आरोपी बनाया गया और उस पर कार्रवाई की गई।

कोलकाता की अदालत ने पार्क स्ट्रीट के रेस्टोरेंट के वेटर को दी जमानत; धार्मिक भावनाएं आहत करने था आरोप

कोलकाता, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कोलकाता की एक अदालत ने पार्क स्ट्रीट इलाके के मशहूर रेस्टोरेंट ओलिपब के वेटर शेख नसीमुद्दीन को जमानत दे दी है। उन पर आरोप था कि उन्होंने मांसाहारी खाने की जगह प्रतिबंधित मांसाहारी भोजन परोस दिया, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। कोलकाता के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने मंगलवार को यह जमानत दी। शेख नसीमुद्दीन को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था और वे तब से न्यायिक हिरासत में थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया।

अदालत में क्या हुआ?

सीजेएस कोर्ट में वेटर के वकील ने जमानत की मांग करते हुए कहा कि जांच में कोई नई बात सामने नहीं आई है। वहीं अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध किया। वहीं दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने नसीमुद्दीन को जमानत दे दी।

क्या है पूरा मामला?

एक कंटेंट क्रिएटर सायक चक्रवर्ती ने वीडियो पोस्ट कर आरोप लगाया था कि उन्होंने और उनके दो दोस्तों ने पार्क स्ट्रीट में मौजूद ओलिपब में मांसाहारी खाने का ऑर्डर किया था, लेकिन उन्हें प्रतिबंधित मांसाहारी भोजन परोस दिया गया। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला विवाद में बदल गया।

रेस्टोरेंट की तरफ से क्या दी गई सफाई

वहीं ओलिपब रेस्टोरेंट ने बयान जारी कर कहा कि यह 'अनजाने में हुई गंभीर गलती' थी और किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। रेस्टोरेंट की तरफ से आगे कहा, 30 जनवरी 2026 की शाम एक वेटर से अनजाने में गलती हो गई। इसके लिए वे दिल से माफी मांगते हैं।

ओलिपब सभी धर्म, जाति और वर्ग के लोगों का सम्मान करता है और अपने 80 साल के इतिहास पर गर्व करता है। बताया गया है कि शेख नसीमुद्दीन का परिवार ओडिशा से है और पिछले दो पीढ़ियों से ओलिपब में काम करता आ रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर घमासान मनीष तिवारी ने लोकसभा में दिया स्थगन प्रस्ताव

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बुधवार को लोकसभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके लिए उन्होंने लोकसभा के महासचिव स्नेहलता श्रीवास्तव को एक पत्र लिखा है। उन्होंने सदन के कामकाज को स्थगित करने के प्रस्ताव पर चर्चा करने की अनुमति मांगी है। उनका कहना है कि यह प्रस्ताव एक अत्यंत महत्वपूर्ण और गंभीर सार्वजनिक मामले से संबंधित है, जिसे संसद में शीघ्र चर्चा की आवश्यकता है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अपने पत्र में लिखा, मैं प्रस्ताव करता हूं कि यह सदन प्रश्नकाल, शून्यकाल और दिन के अन्य सभी सूचीबद्ध कार्यवाहियों को स्थगित कर दे ताकि एक अत्यंत महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दे पर विचार किया जा सके, अर्थात संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर से जारी किया गया कथित बयान, जिसमें दावा किया गया है कि भारत के प्रधानमंत्री सहमत हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने रूसी तेल खरीदना बंद करने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका और वेनेजुएला से तेल आयात में काफी वृद्धि करने के लिए, भारतीय टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को शून्य करने के लिए, और 500 बिलियन डॉलर से अधिक के अमेरिकी सामानों की खरीद के लिए प्रतिबद्ध होने पर सहमति व्यक्त की है।

उन्होंने कहा, रूसी कच्चे तेल ने ईंधन की महंगाई को कम करने में मदद की है, और किसी भी अचानक बदलाव से नागरिकों और उद्योगों पर बोझ पड़ सकता है। बड़े व्यापारिक समझौते घरेलू विनिर्माण, किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों को भी प्रभावित कर सकते हैं। तिवारी ने केंद्र से तत्काल बयान जारी करने और पूरी चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया ताकि व्यापार, ऊर्जा और विदेश नीति के मामलों में पारदर्शिता के बिना लिए गए निर्णयों को देश के सामने प्रस्तुत न किया जाए। इस बीच, व्यापार समझौते के तहत, भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया, जबकि भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर कुछ व्यापार बाधाओं को कम करने पर सहमति व्यक्त की। इस व्यापार समझौते की विपक्षी दलों ने आलोचना की है, जिन्होंने इस समझौते को भारत के हित में नहीं बल्कि अमेरिका के लिए अत्यधिक लाभदायक बताया है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड- गार्ड और बिल्डिंग मालिक बरी

इंदौर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। गार्ड बलवीर सिंह अहिरवार और बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर को सबूतों के अभाव में छोड़ा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने इन्हें सबूत मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया था, लेकिन डिटेल्ड जांच के बाद हत्या से उनका कोई सीधा संबंध सामने नहीं आया। पुलिस के मुताबिक राजा की हत्या के बाद आरोपियों द्वारा सबूत छिपाने की आशंका के आधार पर शुरुआती कार्रवाई की गई थी।

जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सोनम और विशाल चौहान लसूड़िया स्थित एक बिल्डिंग में रुके थे। यह बिल्डिंग शिलाम जेम्स के किराए की बताई गई थी, जिसे ब्रोकर के जरिए लिया गया था। रूम का एग्रीमेंट विशाल के नाम पर हुआ था। बिजली बिल और अन्य तकनीकी तथ्यों की जांच के बाद पुलिस को आरोपियों की संलिप्तता के ठोस सबूत नहीं मिले। शिलॉन्ग की ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने बताया कि शुरुआती परिस्थितियों और मिली जानकारियों के आधार पर गिरफ्तारी की गई थी। बाद में जांच और वेरिफिकेशन में उनकी भूमिका साबित नहीं हो सकी। इसी कारण दोनों को दोषमुक्त कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह सहित अन्य आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

बीमार पत्नी की हत्या कर पति ने लगाई फांसी

धारदार हथियार से सिर-गले पर वार किया, फिर खुद तार का फंदा बनाकर लटका

जगदलपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बुजुर्ग ने अपनी बीमार पत्नी की सिर और गले पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। फिर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह बेटे ने कमरे का दरवाजा खोला तो दोनों की लाश मिली। शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद की वजह सामने आ रही है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बुजुर्ग तारा सिंह (73) अपनी पत्नी विजय (70) और बेटे के साथ शहर के बैला बाजार इलाके में रहता था। तारा सिंह थोड़ा गुस्से वाला था। उसकी पत्नी बीमार रहती थी। घर के फर्स्ट फ्लोर में बेटा रहता है। ये दोनों बुजुर्ग दंपति नीचे ग्राउंड फ्लोर पर रहते थे। पत्नी की बीमारी समेत पारिवारिक कारणों की वजह से इनके बीच अक्सर विवाद होते रहता था।

एक दिन पहले मंगलवार (3 फरवरी) की रात दोनों पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इनका बेटा मां-बाप के पास आया और विवाद को शांत करवाया। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया था। रात करीब दो-ढाई बजे के बाद दोनों पति-पत्नी के बीच में दोबारा विवाद शुरू हुआ।

विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्साए पति ने घर में नारियल काटने वाले धारदार हथियार से अपनी पत्नी के गले और सिर पर वारकर दिया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। इसके बाद पानी गर्म करने वाले रॉड के तार का फंदा बनाया और चैनल गेट पर उसे बांधकर फांसी पर लटक गया। जिससे उसकी भी मौत हो गई।

वहीं, बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच बेटा जब नीचे अपने माता-पिता के पास आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने माता-पिता को आवाज दी। जब कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला तो उसने किसी तरह दरवाजा खोला। अंदर जाकर देखा तो दोनों की लाश पड़ी थी।

इसके बाद उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। आस-पास के लोग भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। तारा सिंह पहले ट्रक चलाने का काम करता था। लेकिन कुछ समय से वह घर पर ही रह रहा था। काफी गुस्से वाले प्रवृत्ति का था। जिससे आए दिन किसी न किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था।

इस मामले में बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर का कहना है कि, हत्या और सुसाइड की जानकारी मिलते टीम सुबह मौके पर पहुंची। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है। शुरुआती जांच में स्पष्ट पारिवारिक विवाद ही सामने आ रहा है। हालांकि, जांच के बाद ही इस पूरी वारदात की सच्चाई सामने आएगी।

गर्लफ्रेंड को चाकू मारा फिर खुद का काटा गला

कोरबा में शादीशुदा बॉयफ्रेंड की मौत;घायल युवती ने वीडियो कॉल कर पुलिस-परिजनों को इशारे से बताया

कोरबा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड पर चाकू से हमला घायल कर दिया। इसके बाद उसने खुद को भी चाकू मार लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि गर्लफ्रेंड की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। हालांकि, अभी तक वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, बॉयफ्रेंड का नाम शुभम नायडू (28) है। जो कि शादीशुदा है और उसकी एक बच्ची है। जबकि गर्लफ्रेंड का नाम निशा उर्फ प्रतीक्षा (22) है। दोनों बिलासपुर के रहने वाले हैं। मंगलवार देर रात शुभम ने चाकू से निशा गले में चाकू घोंप दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल

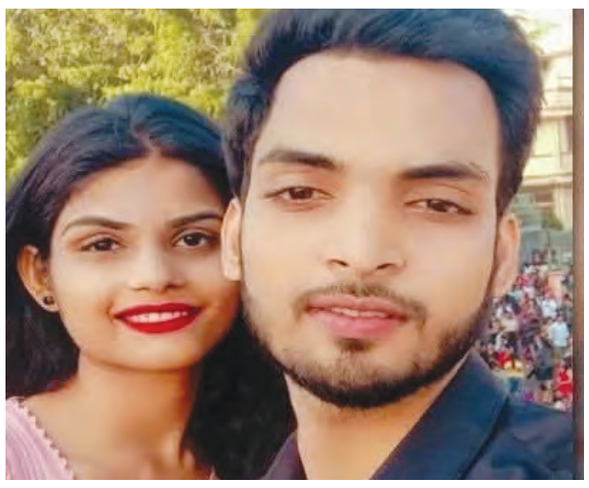

गई। इसके बाद शुभम ने चाकू से अपना गला काट लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल गर्लफ्रेंड ने किसी तरह वीडियो कॉल कर पुलिस और अपने परिजनों को इशारे से घटना की जानकारी दी। गर्लफ्रेंड को बिलासपुर रेफर किया गया है। पुलिस की मानें तो प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग का है। दरअसल, बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड मंगलवार शाम से लापता थे। युवती के लापता होने की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी थी। ऐसे में बिलासपुर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। इस बीच दोनों करीब 9 बजे रात को दोनों बस से कोरबा पहुंचे। संडैल नाला के पास दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

कॉल कर गर्लफ्रेंड को न्यूड करवाकर वीडियो बनाया

बालोद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले की युवती को उसके मौसी के देवर ने पहले प्यार में फंसाया, फिर वीडियो कॉल में उसके कपड़े उतरवाए। इस दौरान युवक ने अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपी लगातार युवती को ब्लैकमेल कर पैसे वसूलने लगा। जब युवती ने और पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपी ने उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपत्तिजनक फोटो और वीडियो अपलोड कर दिए। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने महाराष्ट्र के युवक हम्जा शेख के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला कोतवाली थाना इलाके का है। 18 साल की युवती ने पुलिस को बताया कि, उसकी मौसी की शादी पुणे-बीड़ (महाराष्ट्र) में हुई है। इस दौरान 2025 में उसका संपर्क मौसी के देवर हम्जा शेख से हुआ। शुरुआत में दोनों के बीच मोबाइल और वीडियो कॉल के जरिए सामान्य बातचीत होती थी। पिता ने बात करते पकड़ लिया था। तब फटकार भी लगाई थी। इसके बाद आरोपी ने युवती के नाम से एक इंस्टाग्राम आईडी बनाई। जिसका पासवर्ड दोनों के पास था। कुछ समय बाद आरोपी ने वीडियो कॉल में बात करने के दौरान युवती से कपड़े उतरवाए। उसकी स्क्रीन रिकॉर्डिंग की और स्क्रीनशॉट भी ले लिए। इसके बाद वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने युवती से 50 हजार रुपए की मांग की। धमकियों से डरकर उसने काई बार फोन-पे और कैश 990 रुपए आरोपी को दिए।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी लगातार और पैसे की मांग करता रहा। जब युवती ने और रुपए देने से मना किया, तो आरोपी ने 27 जनवरी 2026 को उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट कर दिया।

एस्ट्रोनॉट से रायपुर के स्टूडेंट ने किए रोचक सवाल

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राखी में प्रदेश के पहले अंतरिक्ष केंद्र का शुभारंभ हुआ। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संयुक्त रूप से अंतरिक्ष केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने विद्यार्थियों से बातचीत की। उन्होंने अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े अनुभव साझा किए। बच्चों ने उन्हें देखने और सुनने को लेकर खास रुचि दिखाई। छात्रों ने अंतरिक्ष, पढ़ाई और भविष्य को लेकर कई रोचक सवाल पूछे। शुभांशु शुक्ला ने सभी प्रश्नों के उत्तर बेहद सरल और सहज भाषा में दिए। एक छात्रा ने ग्रुप कैप्टन से कहा कि वह चंद्रमा पर जाने वाली भारत की पहली नागरिक बनना चाहती है।

14 साल बाद 67 सब-इंजीनियर्स की नियुक्ति रद्द

बिलासपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में 14 साल पहले नियुक्त किए गए 67 सब-इंजीनियर (सिविल) की नियुक्तियों को अवैध मानते हुए निरस्त कर दिया। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद योग्यता के मापदंडों में बदलाव नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि अगर विज्ञापन में शैक्षणिक योग्यता के लिए कोई अंतिम तिथि तय है, तो उसी तारीख तक डिग्री या डिप्लोमा होना जरूरी है। चयन की तारीख को आधार नहीं बनाया जा सकता। साल 2011 की भर्ती प्रक्रिया में ऐसे 89 उम्मीदवार पाए गए, जिनके पास आवेदन की अंतिम तिथि तक आवश्यक योग्यता नहीं थी। दरअसल, साल 2011 में ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा के तहत सब-इंजीनियर के 275 पदों के लिए विज्ञापन जारी हुआ था। आरोप है कि विभाग ने विज्ञापन की शर्तों का उल्लंघन करते हुए 275 के बजाय 383 नियुक्तियां कर दी। इनमें 89 अभ्यर्थी ऐसे थे, जिनके पास 23 मार्च 2011 तक निर्धारित डिग्री या डिप्लोमा नहीं था।

कांग्रेस ने कलेक्टर कार्यालय घेरा, 2267 कार्यकर्ता गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 4 फरवरी (एजेंसियां)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में कांग्रेस ने मनरेगा में काम की गारंटी, मजदूरी वृद्धि और धान खरीदी की सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष गजमती भानु के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में पार्टी के अनुसार 2267 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर गौरेला, पेंड्रा और मरवाही से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई और सेवादल के सदस्य सुबह कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां और बैनर लेकर केंद्र-राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जिला अध्यक्ष गजमती भानु ने कहा कि भाजपा शासन में ग्रामीण आजीविका पर हमला हो रहा है। उन्होंने मनरेगा में 200 दिन का काम, मजदूरी में वृद्धि और लंबित भुगतान की मांग की। साथ ही, धान खरीदी की सीमा बढ़ाने पर भी जोर दिया।

सेंसेक्स 79 अंक बढ़कर 83,818 पर बंद : निफ्टी भी 48 अंक चढ़ा

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 4 फरवरी को बढ़त रही। सेंसेक्स 79 अंक बढ़कर 83,818 पर बंद हुआ। निफ्टी में 48 अंक की बढ़त रही, ये 25,776 के स्तर पर बंद हुआ। ऑटो, एनर्जी और एफएमसीजी शेयर्स में बढ़त रही। वहीं IT और बैंकिंग शेयर्स में गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में बढ़त रही। निफ्टी 50 शेयरों में से 38 चढ़कर बंद हुए। वहीं कल सेंसेक्स में 2500 अंकों की तेजी रही। निफ्टी भी 639 अंक चढ़कर बंद हुआ। ट्रम्प ने भारत पर टैरिफ को 50% से घटाकर 18% कर दिया है, जिस वजह से बाजार चढ़ा। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.78% गिरकर 54,293 पर और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.57% ऊपर 5,371 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.05% चढ़कर 26,847 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.85% ऊपर 4,102 पर बंद हुआ। 3 फरवरी को अमेरिका का डाउ जोंस 0.34% नीचे 49,407 पर बंद हुआ।

मस्क 850 बिलियन संपत्ति वाले दुनिया के पहले इंसान बने

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स इलॉन मस्क की कुल संपत्ति 850 बिलियन डॉलर (करीब 77 लाख करोड़ रुपए) का आंकड़ा पार कर गई है। एक दिन में उनकी नेटवर्थ में 84 बिलियन डॉलर (7 लाख करोड़ रुपए) का इजाफा हुआ है।

फोर्ब्स के मुताबिक मस्क अब इतिहास के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। मस्क की संपत्ति में यह बढ़ोतरी उनकी रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप xAI के मर्जर की वजह से हुई है। सिर्फ 4 महीने में मस्क की नेटवर्थ 70% बढ़ गई है। अक्टूबर 2025 में यह 500 बिलियन डॉलर पर पहुंची थी। अब उनकी नेटवर्थ पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और की जीडीपी से ज्यादा है। ये भारत के टॉप 40 सबसे अमीरों की कुल वेल्थ से भी ज्यादा है।

स्पेसएक्स और xAI का मर्जर, 1 ट्रिलियन की कंपनी बनी

मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स ने उनकी एआई कंपनी xAI को खरीद लिया है। पहले ये दोनों अलग-अलग थीं। अब ये एक ही बड़ी कंपनी बन गई हैं, जिसकी कुल कीमत $1.25 ट्रिलियन (करीब 104 लाख करोड़ रुपए) आंकी गई है। इस विलय से मस्क की वैल्यू $84 बिलियन बढ़ गई। मर्जर से पहले मस्क के पास स्पेसएक्स की 42% हिस्सेदारी थी, जिसकी वैल्यू $336 बिलियन थी। वहीं xAI में उनकी 49% हिस्सेदारी की कीमत $122 बिलियन थी। मर्जर के बाद बनी नई कंपनी में मस्क की हिस्सेदारी अब 43% हो गई है, जिसकी अकेले की वैल्यू $542 बिलियन है।

मस्क ने 4 महीने में 4 बड़े रिकॉर्ड बनाए

अक्टूबर 2025: वे दुनिया के पहले $500 बिलियन वाले इंसान बने। यह तब हुआ जब उन्होंने टेस्ला पर फोकस करने के लिए ट्रंप के सरकारी विभाग (डोज) को छोड़ा।

15 दिसंबर: स्पेसएक्स की वैल्यूएशन बढ़ने से वे 600 बिलियन के पार पहुंचे।

19 दिसंबर: कोर्ट से टेस्ला स्टॉक ऑप्शंस बहाल होने के बाद वे 700 बिलियन क्लब के इकलौते सदस्य बने।

जनवरी 2026: स्पेसएक्स और xAI के मर्जर से कुल संपत्ति 850 बिलियन डॉलर पहुंच गई।

निकले मस्क

मस्क और दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति के बीच का फासला तीन गुण से ज्यादा बढ़ा है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज $281 बिलियन की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मस्क उनसे $578 बिलियन ज्यादा अमीर हैं। जिस रफ्तार से उनकी दौलत बढ़ रही है, वे जल्द ही दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' (1000 अरब डॉलर के मालिक) बन सकते हैं।

प्राइवेट नौकरी वाले करोड़ों लोगों को लगेगा झटका

ईपीएफ के ब्याज पर कैंची चलाने की तैयारी में सरकार!

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। प्राइवेट नौकरी करने वाले करोड़ों लोगों के लिए अच्छी खबर नहीं है। ईपीएफओ फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर कम कर सकता है। ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) की मार्च के पहले हफ्ते में मीटिंग होनी है। इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इसमें ईपीएफ पर ब्याज दर 8.25% से घटाकर 8% से 8.20% किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक ईपीएफओ अपने घटते कॉर्पस को रोकने के लिए ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी बचत योजना है। इसमें कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी का 12% हिस्सा कंट्रीब्यूट करता है जबकि कंपनी भी इतना ही योगदान देती है। एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन में से 8.33% कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में जाता है। ईपीएफ अकाउंट में जमा रकम पर ब्याज मिलता है। ईपीएफओ की फाइनेंस, इनवेस्टमेंट और ऑडिट कमेटी की फरवरी के अंतिम हफ्ते में बैठक होगी। इसमें निवेश पर रिटर्न के आधार पर ब्याज दर का फैसला होगा। फिर सीबीटी के पास इसकी सिफारिश भेजी जाएगी।

वेज सीलिंग कितनी है?

अगर सीबीटी ब्याज दर को मंजूरी देती है तो इसे वित्त मंत्रालय से भी मंजूरी की जरूरत होगी। उसके बाद श्रम एवं रोजगार मंत्रालय इसे आधिकारिक रूप से नोटिफाई करेगा और साल के मध्य में ब्याज की राशि सब्सक्राइबर्स के खातों में डाली जाएगी। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए ब्याज दरों को लगातार तीसरे साल यथावत रखा जा सकता है।

साथ ही बोर्ड वेज सीलिंग को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा कर सकता है। हालांकि अभी सीबीटी की मीटिंग का एजेंडा फाइनल नहीं हुआ है।

सोना 1.58 लाख रुपये पर पहुंचा, दो दिन में 9,412 रुपये महंगा

चांदी 9,573 रुपये बढ़कर 2.74 लाख रुपये किलो

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, आज सर्राफा बाजार में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 6,629 रुपए बढ़कर 1,58,158 रुपए हो गया है।

इससे पहले ये 1,51,529 रुपए पर था। सोना दो दिन में 9412 रुपए महंगा हुआ है। चांदी की कीमत आज 9,573 रुपए बढ़कर 2,73,538 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,63,965 रुपए थी। दो दिन में ये 14,038 रुपए बढ़ चुकी है। वहीं सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का हाई बनाया था। सोने-चांदी के दाम में लगातार दो दिन से बढ़त है। हालांकि इससे पहले 30 जनवरी,1 और 2 फरवरी को इनकी कीमत में गिरावट देखने को मिली थी।

ये गिरावट मुनाफा वसूली के कारण आई थी। अब लोग वापस सोने-चांदी में खरीदारी कर रहे हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार बीते दो दिनों से पहले पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोना और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई थी, जिसमें सोना करीब 15% तक नीचे आ गया था। लेकिन अब जैसे ही कीमतें स्थिर हुईं, निवेशक अब कम दामों पर खरीदारी कर रहे हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का 26 लाख से अधिक परिवारों को लाभ मिला

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। फरवरी 2024 में शुरू हुई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजी:एमबीवाई) का लाभ देश के 26 लाख से अधिक परिवारों को मिल चुका है। यह जानकारी नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि फरवरी 2024 में योजना के शुरू होने के बाद से देश भर में कुल 20,85,514 रूफ टॉप सिस्टम (आरटीएस) सिस्टम स्थापित किए गए हैं जिससे 26,14,446 परिवारों को लाभ हुआ है और दिसंबर 2025 तक केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) के रूप में 14,771.82 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। इसमें सबसे अधिक लाभ गुजरात राज्य को हुआ है, जहां 7,41,819 परिवारों को इस योजना का फायदा मिला है। 6,34,782 परिवारों के साथ महाराष्ट्र दूसरे और 3,29,847 परिवारों के साथ उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर था। इस योजना के तहत, उपभोक्ता 85,800 रुपए तक की सब्सिडी के लिए पात्र हैं, जिससे रूफटॉप सोलर लगाना वित्तीय रूप से फायदेमंद हो जाता है, खासकर मध्यम और कम आय वर्ग वाले परिवारों के लिए। जो एक आम घर की महीने भर की बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए काफी है। मंत्रालय ने बताया कि पीएमएसजी: एमबीवाई के अंतर्गत यह अनुमान लगाया गया है कि 1 करोड़ घरों में आरटीएस की स्थापना से 1,000 बिलियन यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप आरटीएस प्रणाली के 25 वर्षों के जीवनकाल के दौरान 720 मिलियन टन कार्बन डायऑक्साइड (सीओ2) के बराबर उत्सर्जन में कमी आ सकती है।

भारत-चीन के संबंधों में सुधार-दोनों देशों के बीच व्यापार पहुंचा 155.6 अरब डॉलर

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से अटके व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। इसके अलावा पारस्परिक टैरिफ भी घटकर 18 फीसदी हो गया है। जिसके बाद अमेरिका और भारत के बीच नए व्यापारिक युग की शुरुआत हुई है। इससे पहले 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। इस बीच भारत की दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था यानी चीन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है।

भारत-चीन का व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

दरअसल, नई दिल्ली में आयोजित चीनी नववर्ष के अवसर पर एक कार्यक्रम में भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। 2026 चीनी नव वर्ष समारोह में जू फेइहोंग ने कहा, 'पिछले अगस्त में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तियानजिन में एक सफल बैठक की, जिसने चीन-भारत संबंधों को 'एक नए सिरे से शुरुआत' से सुधार के एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। सभी स्तरों पर आदान-प्रदान अधिक नियमित हो गए हैं। आर्थिक और व्यापारिक सहयोग नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। लोगों के बीच आदान-प्रदान अधिक सक्रिय हो गया है।'

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर सुधार हुआ है। 2025 में चीन और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155.6 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

1.9 लाख करोड़ रुपये स्वाहा! आईटी शेयरों का कत्लेआम

अमेरिका से डील के बावजूद क्यों आई गिरावट?

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। आईटी शेयरों में आज भारी बिकवाली देखने को मिली जिससे निवेशकों को 1.9 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ। इसे आईटी शेयरों के इतिहास में सबसे खराब दिन माना जा रहा है। निवेशकों को आशंका है कि एआई के उभार से परंपरागत सॉफ्टवेयर और आईटी सर्विसेज कंपनियों को खतरा हो सकता है। इसका असर भारत में ही नहीं विदेशों में भी देखा गया।

अमेरिका में नैसडैक में 1.4 फीसदी गिरावट आई जिससे सॉफ्टवेयर कंपनियों का मार्केट कैप 300 अरब डॉलर गिर गया। घरेलू बाजार में इन्फोसिस और एमफेसिस में 7 फीसदी गिरावट आई। एलटीआईमाइंडट्री, कोफोर्ज, टीसीएस, एमफेसिस और एचसीएल टेक में 5 से छह फीसदी गिरावट आई। विप्रो और टेक महिंद्रा के शेयरों में करीब 4 फीसदी गिरावट रही। इस गिरावट से निफ्टी आईटी इंडेक्स का कंबाइंड मार्केट कैप 1.9 लाख करोड़ रुपये से घटकर 30 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया। शुक्रवार को एआई डेवलपर एंथ्रोपिक ने ऑटोमैटिक लीगल वर्क के लिए एक नया टूल लॉन्च किया। यह कई तरह के काम कर सकता है। इनमें लीगल के अलावा सेल्स, मार्केटिंग और डेटा एनालिसिस शामिल हैं।

एसटीटी बढ़ने के बाद भी डेरिवेटिव पर कोई नया नियम नहीं

सेबी चेयरमैन ने अटकलों को किया खारिज

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट 2026 में डेरिवेटिव लेनदेन पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद, बाजार में आगे सख्ती की अटकलें तेज हो गई थीं। इन अटकलों पर विराम लगाते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने स्पष्ट किया कि नियामक फिलहाल डेरिवेटिव बाजार में किसी अतिरिक्त हस्तक्षेप पर विचार नहीं कर रहा है।

हालिया प्रश्नोत्तर सत्र में सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक डेरिवेटिव बाजारों का विश्लेषण पूरी तरह डेटा-संचालित और व्यवस्थित तरीके से करता है। उन्होंने जोर दिया कि हम किसी नए उपाय पर विचार नहीं कर रहे हैं। जो नियामक ढांचा मौजूद है, वही जारी रहेगा। इसके साथ ही पांडे ने साप्ताहिक एक्सपायरी अनुबंधों को समाप्त करने की अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि अभी तक ऐसे किसी बदलाव पर चर्चा नहीं हुई है। सेबी द्वारा आयोजित 'पैन-इंडिया आउटरीच प्रोग्राम फॉर कॉरपोरेट बॉन्ड्स' के उद्घाटन सत्र में पांडे ने भारत के बॉन्ड बाजार की भूमिका पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल बैंक ऋण पर्याप्त नहीं है, पूंजी बाजारों को इस वृद्धि का नेतृत्व करना होगा। उन्होंने मजबूत बैंकिंग व्यवस्था के साथ-साथ स्वच्छ, तरल और भरोसेमंद पूंजी बाजार की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि बुनियादी ढांचे, हरित परिवर्तन, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक वित्त उपलब्ध कराया जा सके। सेबी प्रमुख के मुताबिक, भारत पिछले तीन वर्षों में औसतन 7.8% तिमाही जीडीपी वृद्धि के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, जबकि वित्त वर्ष 2026 के लिए वृद्धि का अनुमान 7.4% है।

कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार के आंकड़े और चुनौतियां

कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार की स्थिति बताते हुए पांडे ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में जारीकर्ताओं ने कर्ज निर्गम के जरिए करीब 10 ट्रिलियन रुपये जुटाए। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच यह आंकड़ा लगभग 6.8 ट्रिलियन रुपये रहा। पिछले एक दशक में बकाया कॉरपोरेट बॉन्ड्स 12% की चक्रवृद्धि वार्षिक दर (सीएजीआर) से बढ़कर वित्त वर्ष 2015 के 17.5 ट्रिलियन रुपये से दिसंबर 2025 तक 58 ट्रिलियन रुपये पर पहुंच गए हैं। यह उद्योग और सेवा क्षेत्रों को दिए गए बैंक ऋण का लगभग 60% है। हालांकि, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत में कॉरपोरेट बॉन्ड्स का बकाया जीडीपी का केवल 16% है, जो दक्षिण कोरिया (79%), मलेशिया (54%) और चीन (38%) से काफी कम है। इसके अलावा, इक्विटी में सूचीबद्ध 5,600 से अधिक कंपनियों के बावजूद केवल 770 इकाइयों ने ही कर्ज बाजार के जरिये पूंजी जुटाई है, जिनमें से महज 272 ने एक से अधिक बार बॉन्ड जारी किए हैं।

निवेशकों में जागरूकता की कमी

पांडे ने निवेशकों में जागरूकता की कमी को भी बड़ी चुनौती बताया। सेबी के निवेशक सर्वे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट बॉन्ड को निवेश उत्पाद के रूप में केवल 10% लोगों की जानकारी है, जो जमा, बीमा, लघु बचत योजनाओं और यहां तक कि क्रिप्टोकरेंसी (15%) से भी कम है। उन्होंने विकसित कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार के लाभ गिनाते हुए कहा कि यह बैंक ऋण का विकल्प प्रदान करता है, जोखिमों का विविधीकरण करता है और कंपनियों के लिए पूंजी की लागत कम करने में मदद कर सकता है। म्यूनिसिपल बॉन्ड्स को लेकर सेबी प्रमुख ने कहा कि इस क्षेत्र में भी जागरूकता की कमी है। फिलहाल नगरपालिकाओं द्वारा जारी बॉन्ड्स की संख्या बेहद सीमित है अब तक केवल 12 निर्गम हुए हैं।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष.- 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष गुरुवार 05 February 2026
तिथि - चतुर्थी 00-22 रात तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 22-57 रात तक उपरान्त हस्त
योग - सुकर्मा 00-04 रात तक उप. धृति
करण - बव 12-10 तक बालव

चतुर्थी व्रत

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 13-56 से 15-21 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-50 - 08-14 शुभ	अमृत	18-09 - 19-47 शुभ
रोग	08-14 - 09-39 अशुभ	चंचल	19-47 - 21-21 शुभ
उत्पात	09-39 - 11-05 अशुभ	रोग	20-21 - 22-56 अशुभ
चंचल	11-05 - 12-30 शुभ	काल	22-56 - 00-30 अशुभ
लाभ	12-30 - 13-56 शुभ	लाभ	00-30 - 02-05 शुभ
अमृत	13-56 - 15-21 शुभ	उत्पात	02-05 - 03-39 अशुभ
काल	15-21 - 16-47 अशुभ	शुभ.	03-39 - 05-13 शुभ
शुभ	16-47 - 18-09 शुभ	अमृत	05-13 - 06-50 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नहीं क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं ।,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे । आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं । आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे । हालांकि,आपको यह सब करते हुए सावधान रहना होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोड़ा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है । आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है ।अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत-यूएस ट्रेड डील से 'फायदे ही फायदे'

सीएम भजनलाल ने गिनाई 3 बड़ी वजहें

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और अमरीका के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते को लेकर राजस्थान में भारी उत्साह है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस समझौते को राजस्थान की अर्थव्यवस्था के लिए 'गेम चेंजर' करार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरीका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ को 50% से घटाकर मात्र 18% करना इस बात का प्रमाण है कि विश्व अब भारत की आर्थिक शक्ति का लोहा मान रहा है।

'भारतीय उत्पादों को मिलेगी नई उड़ान'

मुख्यमंत्री ने इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यानी टैरिफ में कटौती पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अमरीका जैसे बड़े बाजार में भारतीय उत्पादों का प्रवेश अब और आसान और किफायती होगा। टैरिफ का 50% से घटकर 18% पर आना भारतीय निर्यातकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह समझौता मोदी जी के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को वैश्विक मंच पर मजबूती से स्थापित करता है।

'वस्त्र उद्योग की बढ़ेगी चमक'

राजस्थान की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रदेश देश का अग्रणी निर्यातक राज्य है। इस ट्रेड डील का सबसे बड़ा लाभ राजस्थान के वस्त्र उद्योग को मिलेगा। वस्त्र उद्योग राजस्थान की आर्थिक रीढ़ है, और टैरिफ कम होने से प्रदेश के कपड़ों की मांग अमरीका बाजार में तेजी से बढ़ेगी। यह समझौता विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए संजीवनी साबित होगा।

'हस्तशिल्प का होगा विस्तार'

मुख्यमंत्री ने राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हस्तशिल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी ब्लू पॉटरी, लघु चित्रकला, संगमरमर की नक्काशी, लकड़ी के हस्तशिल्प और हाथ से बने वस्त्र अमरीका बाजार में पहले से ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते से हथकरघा और हस्तशिल्प से जुड़े लाखों कारीगरों को नई ऊर्जा और बेहतर दाम मिलेंगे। जयपुर के विश्व प्रसिद्ध जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग के लिए भी यह समझौता बड़ी राहत और व्यापार विस्तार के अवसर लेकर आया है।

परिवहन से बैंकिंग तक होगा फायदा

मुख्यमंत्री के अनुसार, जब निर्यात बढ़ेगा तो इसका 'मल्टीप्लायर इफेक्ट' पूरी अर्थव्यवस्था पर दिखेगा। उद्योगों के बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग, बैंकिंग और बीमा क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि आइए मिलकर एक समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर राजस्थान के निर्माण में योगदान दें।

'छह वर्षों में नौ ट्रेड डील: उभरते भारत की तस्वीर'

मुख्यमंत्री ने आंकड़ों के साथ भारत की बढ़ती साख को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि पिछले छह वर्षों में भारत ने नौ महत्वपूर्ण ट्रेड डील किए हैं। यह दर्शाता है कि दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दो सबसे बड़े लोकतंत्र जब मिलकर काम करते हैं, तो उसका लाभ सीधे आम जनता और उद्यमियों तक पहुँचता है। आज पूरा विश्व भारत के साथ जुड़ने के लिए ललायित है।

गैंगस्टर्स और नशे के सौदागरों का होगा 'सफाया'

नशे के सौदागरों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' के निर्देश

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में अपराधियों और नशे के सौदागरों के खिलाफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अब तक का सबसे सख्त 'एक्शन प्लान' तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि प्रदेश में गैंगस्टर्स और हार्डकोर अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए।

उन्होंने न केवल नशे के कारोबार को जड़ से मिटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए, बल्कि पुलिसिंग को हाईटेक बनाने पर भी जोर दिया।

नशे के सौदागरों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' के निर्देश

मुख्यमंत्री ने नशे को अपराध की सबसे बड़ी जड़ बताते हुए पुलिस प्रशासन को स्नशामुक्त राजस्थानस्न बनाने के लिए मिशन मोड में काम करने को कहा है। सीएम ने निर्देश दिए कि नशे की आपूर्ति श्रृंखला यानी सप्लाई चेन के सभी रूट्स को चिन्हित कर उन पर विशेष निगरानी रखी जाए।

सीएम ने अनूपगढ़, बाड़मेर, श्रीगंगानगर जैसे राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में तस्करी रोकने के लिए कड़ी सतर्कता और निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कहा कि पुलिस, ड्रग्स कंट्रोलर और स्वास्थ्य विभाग मिलकर छोटे से बड़े हर नेटवर्क को ध्वस्त करें।

हाईटेक अपराधी तो पुलिस क्यों नहीं?

डिजिटल युग की चुनौतियों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस को अपनी कार्यप्रणाली बदलने की नसीहत दी है। सीएम ने कहा कि अपराधी हाईटेक हो रहे हैं, इसलिए पुलिस को भी आधुनिक तकनीकों और डिजिटल फोरेंसिक का उपयोग करते हुए 'मॉडर्न पुलिसिंग' अपनानी होगी। साइबर ठगों के खिलाफ तब तक अभियान चलेगा, जब तक संबंधित क्षेत्र से उनका पूरी तरह सफाया न हो जाए।

10 दिन का अल्टीमेटमः मॉनिटरिंग और जवाबदेही

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि केवल निर्देश देना काफी नहीं है, जमीन पर परिणाम दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा प्रत्येक 10 दिन में की जाएगी। यदि किसी क्षेत्र में अपराध नियंत्रण या नशे के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

काले कपड़ों में प्रदर्शन करने वाले विधायक बलजीत गिरफ्तार, एमएलए फंड घोटाले में ईडी ने शिकंजा कसा

अलवर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के दुरुपयोग से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बहरोड़ (अलवर) से पूर्व निर्दलीय विधायक बलजीत यादव को देर रात गिरफ्तार कर लिया। जयपुर क्षेत्रीय इकाई की टीम ने दिल्ली-जयपुर हाईवे पर शाहजहांपुर टोल प्लाजा के पास उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तारी दर्ज की।

यह मामला सरकारी स्कूलों में खेल सामग्री आपूर्ति से जुड़े कथित घोटाले का है। आरोप है कि वर्ष 2021 में विधायक रहते हुए बलजीत यादव ने अलवर जिले के 32 सरकारी स्कूलों के लिए क्रिकेट बैट, बैडमिंटन किट सहित अन्य खेल सामग्री की खरीद करवाई, जिसमें घटिया गुणवत्ता का सामान बाजार मूल्य से ढाई से तीन गुना अधिक कीमत पर खरीदा गया। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस घोटाले में करीब 3.72 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता हुई।

ईडी की जांच में सामने आया है कि खेल सामग्री की आपूर्ति पूर्व विधायक के सहयोगियों और रिश्तेदारों से जुड़ी फर्मों के माध्यम से करवाई गई। इनमें बालाजी कम्पलीट सोल्यूशन्स प्रा. लि., सूर्या इंटरप्राइजेज, राजपूत स्पोर्ट्स इंटरप्राइजेज और शर्मा स्पोर्ट्स इंटरप्राइजेज शामिल हैं। मामले में शिक्षा विभाग के कुछ कर्मचारी और अधिकारी भी जांच के दायरे में हैं।

इससे पहले यह प्रकरण एंटी करप्शन ब्यूरो में दर्ज हुआ था, जिसके आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत ईडी ने जांच शुरू की। जनवरी 2025 में ईडी ने जयपुर, दौसा और अलवर में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी कर 31 लाख रुपये नकद, ज्वेलरी, अहम दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए थे।

गौरतलब है कि बलजीत यादव 2018 से 2023 तक बहरोड़ से निर्दलीय विधायक रहे और खुद को भ्रष्टाचार विरोधी नेता के रूप में पेश करते रहे। वे काले कपड़ों में प्रदर्शन, भ्रष्टाचार उजागर करने पर इनाम की घोषणा और जनजागरूकता अभियानों के कारण चर्चा में रहे। अब उसी एमएलए फंड के दुरुपयोग के आरोप में उनकी गिरफ्तारी को बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। ईडी अब बलजीत यादव से गहन पूछताछ कर रही है। मामले में कोर्ट रिमांड, चार्जशीट और आगे और गिरफ्तारियों की संभावना जताई जा रही है।

8 सांसदों के सस्पेंशन पर बिफरे हनुमान बेनीवाल

कह डाली 5 बड़ी बातें

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के मौजूदा सत्र में 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन के बाद सदन की कार्यवाही ठप पड़ी है। इस घटनाक्रम पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। बेनीवाल ने कहा कि बात-बात पर सांसदों को निलंबित करना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने सत्ता पक्ष को सलाह दी है कि उन्हें विपक्ष, विशेषकर छोटे दलों की बात सुनने की ताकत रखनी चाहिए।

सुनने में क्या हर्ज है?

सांसद हनुमान बेनीवाल ने सदन के भीतर चल रहे गतिरोध पर कहा कि संसद बहस के लिए है, न कि एकतरफा कार्यवाही के लिए। उन्होंने कहा, जब राहुल गांधी या अन्य विपक्षी नेता अपनी बात रख रहे थे, तो उन्हें सुना जाना चाहिए था। आखिर सुनने में क्या हर्ज है? सत्ता पक्ष को सुनने की ताकत रखनी चाहिए।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को सुझाव दिया कि निलंबन जैसी कठोर कार्रवाई से पहले सभी दलों के साथ बैठकर संवाद स्थापित करना चाहिए था।

हमारा समय तो लड़ाई में ही बीत जाएगा

बेनीवाल ने सांसदों के निलंबन से छोटे दलों को होने वाले नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा पिछले बार भी हाउस ऐसे ही चला और इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। इस बखेड़े में हम जैसे छोटे दल अपने क्षेत्र और देश के मुद्दे कब उठा पाएंगे? हमारा पूरा समय तो पक्ष-विपक्ष की इस लड़ाई को देखने में ही गुजर जाता है।

विपक्ष बंटा हुआ है, सरकार उठा रही फायदा

हनुमान बेनीवाल ने 'इंडिया अलायंस' की गुटबाजी पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि सरकार को अच्छी तरह पता है कि विपक्ष बिखरा हुआ है और दलों में बंटा है। इसी का फायदा उठाकर सरकार विपक्ष को नजरअंदाज कर रही है। बेनीवाल के अनुसार, सत्ता पक्ष चाहता है कि सदन में व्यवधान होता रहे और वे समय पास करते रहें ताकि मुख्य मुद्दों पर चर्चा ही न हो पाए।

मैं भी 5 बार सस्पेंड हुआ

सांसदों के आचरण पर बात करते हुए बेनीवाल ने अपना पुराना अनुभव साझा किया। उन्होंने स्वीकार किया कि सांसदों को मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन कई बार परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि व्यक्ति आक्रामक हो जाता है।

उन्होंने कहा, मैं खुद चार बार विधायक रहा और पांच बार निलंबित हुआ। जब आपकी बात नहीं सुनी जाती, तो गुस्सा आना स्वाभाविक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे हमेशा सदन और 'चेयर' (अध्यक्ष) का सम्मान करते आए हैं और कभी कोई अमर्यादा नहीं की।

"बहस किसके साथ करेंगे?"

बेनीवाल ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सदन में राष्ट्रपति का अभिभाषण और बजट जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय लंबित हैं। उन्होंने सवाल किया, अगर आप सांसदों को निलंबित करते रहेंगे, तो इन विषयों पर बहस किसके साथ करेंगे? सरकार तो चाहती ही नहीं कि हाउस चले। उन्होंने मांग की कि निलंबन की कार्रवाई वापस ली जाए ताकि देश के जरूरी मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सके।

मुंबई सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

जालौर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के सायला थाना क्षेत्र के मोडगुणा गांव निवासी गोल्ड व्यापारी जैसाराम चौधरी, उनकी पत्नी और एक बेटी की मुंबई में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे के बाद तीनों के शव जालौर पहुंचे, जहां पैतृक गांव मोडगुणा में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

रिश्तेदार भूराराम चौधरी ने बताया कि मोडगुणा निवासी जैसाराम पुत्र हरजी आरडी चौधरी पिछले 15 से 20 वर्षों से मुंबई में गोल्ड का व्यापार कर रहे थे। भाईंदर इलाके में उनका ज्वेलरी शोरूम है और पास ही उनका मकान भी स्थित है।

सोमवार को जैसाराम अपने परिवार के साथ पत्नी अणसी देवी, बेटियां पूजा और सीमा तथा बेटे नरेश के साथ तुमकेश्वर महादेव मंदिर दर्शन के लिए गए थे। दर्शन के बाद लौटते समय मुंबई के कल्याण के पास हारी क्षेत्र में सामने से आ रहे एक ओवरटेक कर रहे ट्रक ने उनकी थार कार को टक्कर मार दी।

हादसे में कार सवार जैसाराम, उनकी पत्नी अणसी देवी और बेटी पूजा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा नरेश और बेटी सीमा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का मुंबई के अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे के बाद तीनों शवों का पोस्टमार्टम कर जालौर के लिए रवाना किया गया।

इश्क के लिए कत्ल! पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर करवाई पति की हत्या, 3 महीने पहले हुआ था ब्याह

श्रीगंगानगर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जिले में सड़क किनारे बेहोश हालत में मिले प्राइवेट स्कूल के नवविवाहित शिक्षक की मौत का मामला अब सुनियोजित हत्याकांड में बदल गया है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि मृतक की पत्नी ने अपने पुराने प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। प्रेम-प्रसंग को बचाने के लिए इस वारदात को सड़क हादसे का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने पत्नी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। श्रीगंगानगर एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 30 जनवरी की रात करीब 9 बजे रावला थाना क्षेत्र के गांव 01 केएलएम की सड़क पर आशीष कुमार (27) और उसकी पत्नी अर्जु उर्फ अंजली (23) बेहोशी की हालत में पड़े मिले थे। दोनों

को रावला सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आशीष को मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में मामला सड़क हादसा या लूटपाट का प्रतीत हो रहा था लेकिन गहन जांच में सच्चाई सामने आ गई।

मृतक आशीष कुमार, पुत्र रामरत्न, गांव 01 केएलएम का निवासी था। उसकी शादी महज तीन महीने पहले अंजली से हुई थी। अंजली इस शादी से खुश नहीं थी और कुछ ही दिनों बाद मायके चली गई थी। वहां उसने अपने पुराने प्रेमी संजय उर्फ संजू (25) से संपर्क कर पति को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

योजना के तहत अंजली वापस ससुराल लौटी और रोज की तरह रात में खाना खाने के बाद पति को घूमने का बहाना बनाकर सूनसान सड़क पर ले गई। 30 जनवरी की रात उसने संजय को फोन किया। संजय अपने साथियों रोहित उर्फ रॉकी (20) और बादल उर्फ सिद्धार्थ (20) के साथ पहले से झाड़ियों में छिपा हुआ था। आशीष और अंजली के वहां पहुंचते ही अंजली के इशारे पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से आशीष पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वह बेहोश हो गया, इसके बाद मफलर से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई।

हत्या के बाद अंजली ने आशीष का मोबाइल फोन और अपने कानों के झुमके आरोपियों को दे दिए, ताकि घटना को लूटपाट या सड़क हादसे का रूप दिया जा सके। खुद अंजली भी बेहोशी का नाटक करती रही। आशीष के चाचा बजीर चंद ने पुलिस में रिपोर्ट दी थी कि भतीजा और उसकी पत्नी घूमने गए थे, जहां किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिलने से पुलिस को शक हुआ और जांच में पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

आईआईटी बॉम्बे में राजस्थान के छात्र ने की खुदकुशी, हॉस्टल की छत से कूदकर दी जान

पिलानी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इंजीनियरिंग की दुनिया में देश का सिरमौर कहे जाने वाले आईआईटी बॉम्बे के पवई कैंपस से बुधवार तड़के एक विचलित करने वाली खबर आई। राजस्थान के पिलानी निवासी 21 वर्षीय छात्र नमन अग्रवाल ने हॉस्टल की नौवीं मंजिल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली।

नमन बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष का छात्र था। इस घटना ने एक बार फिर उन कड़वे सवालों को जिंदा कर दिया है कि आखिर क्यों हमारे होनहार छात्र मौत का रास्ता चुन रहे हैं?

पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना बुधवार तड़के करीब 1:30 बजे की है। पवई स्थित कैंपस के हॉस्टल नंबर 4 में अचानक एक जोरदार आवाज सुनाई दी। जब सुरक्षा गार्ड और देर रात तक पढ़ाई कर रहे छात्र मौके पर पहुँचे, तो नमन जमीन पर लहूलुहान हालत में पड़ा था। नमन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।\

नमन मूल रूप से हॉस्टल नंबर 3 में रहता था, लेकिन उसने छलांग हॉस्टल नंबर 4 की छत से लगाई। पुलिस अब उसके रूममेट्स और दोस्तों से पूछताछ कर रही है कि आखिर वह रात के उस पहर दूसरे हॉस्टल की छत पर क्यों गया था?

पवई पुलिस ने फिलहाल इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नमन के कमरे या घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी मानसिक स्थिति या किसी तात्कालिक परेशानी का पता चल सके। पिलानी में रहने वाले नमन के परिजनों को सूचना दे दी गई है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

मिलावटी दूध के बड़े गिरोह का खुलासा, कई जिलों में करते थे सप्लाई

टोंक, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले के डिग्गी कस्बे में पुलिस ने मिलावटी दूध बनाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह कैमिकल और अन्य मिलावट करने वाले पदार्थों का इस्तेमाल कर दूध तैयार कर रहा था और टोंक, अजमेर से लेकर राजधानी जयपुर तक सप्लाई कर रहा था। स्वास्थ्य विभाग ने इस दूध को जानलेवा बताया है। जिला स्पेशल टीम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में छापेमारी कर इस गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की। इस दौरान पुलिस ने 5,500 लीटर मिलावटी दूध, पांच पिकअप वाहन और एक दूध टैंकर जब्त किया है।

जांच में सामने आया कि आरोपी दूध में घातक रसायनों का उपयोग कर रहे थे। दूध का रंग और बनावट बनाए रखने के लिए स्किम्ड मिल्क पाउडर, लैक्टोजा मोनोहाइड्रेट और कास्टिक सोडा मिलाया जा रहा था। दूध का फैट बढ़ाने के लिए डाल्डा घी, ताड़ का तेल और सोयाबीन तेल का प्रयोग किया जा रहा था।

पुलिस ने इस फैक्ट्री से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम हैं: राजू, कालू, महिपाल, शिवराज और ओमप्रकाश। इन आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे मिलावटी दूध को टोंक, अजमेर और जयपुर तक सप्लाई कर रहे थे। इस मिलावटी दूध फैक्ट्री का मुख्य संचालक बहरोड निवासी सोनू यादव फरार है। पुलिस उसकी जल्द गिरफ्तारी के प्रयास में है।

चांदी की तस्करी का भंडाफोड़, कोटा पुलिस ने 49 किलो चांदी के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

कोटा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा जिले की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चांदी की सिल्लियों के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से कुल 49.43 किलोग्राम चांदी बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए आंकी गई है। यह मामला कोटा ग्रामीण के कनवास थाना क्षेत्र का है, जहां पर पुलिस ने छापेमारी कर यह कार्रवाई अंजाम दी। दोनों तस्कर मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के गरोठ इलाके से कोटा की ओर आ रहे थे। इनमें से एक व्यक्ति कोटा में चांदी के काम से जुड़ा हुआ है। आरोपियों से पूछताछ के दौरान यह पता चला कि बड़ी मात्रा में लाई गई चांदी के कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। चांदी को कोटा में बेचने की योजना थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। आरोपी अभी भी पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में हैं। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि चांदी की बढ़ती कीमतों के चलते इसकी तस्करी में लगातार इजाफा हो रहा है। इसे रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' चलाया जा रहा है।

60 लाख की चोरी का खुलासा, बूस्टर डॉग की मदद से आरोपी पर कसा शिकंजा, जेल से निकलते ही की वारदात

बाड़मेर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर पुलिस ने 60 लाख रुपये की चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस मामले के खुलासे में डॉग स्क्वायड टीम के बूस्टर डॉग की अहम भूमिका रही, जिसकी मदद से पुलिस आरोपी तक पहुंच सकी और पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ। जिले के गुड़ामालानी थाना क्षेत्र के जीनगर मोहल्ला निवासी किशनलाल जैन 30 जनवरी को परिवार सहित बाहर गए हुए थे। रात में मकान सूनसान होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर करीब 25 तोला सोना, 13-14 तोला चांदी, 65 हजार रुपये नकद, बच्चे का टैबलेट और एक ट्रॉली बैग चोरी कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने नकबजनी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने बताया कि घटना के बाद डॉग स्क्वायड टीम को मौके पर बुलाया गया। बूस्टर डॉग घटनास्थल से सूंघता हुआ कुछ दूरी पर स्थित आरोपी के घर तक पहुंच गया। इसके आधार पर आरोपी को दस्तयाब किया गया और पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल की। पुलिस के अनुसार आरोपी तेजाराम आदतन चोर है, जिसके खिलाफ पूर्व में चोरी के पांच मामले दर्ज हैं और जेल से बाहर आते ही उसने इस चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और चोरी गए माल की बरामदगी की कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस शासन में कमजोर वर्गों को न्याय नहीं : नितिन नबीन

महबूबनगर , 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार कमजोर वर्गों को न्याय दिलाने में विफल रही है और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति कल्याण योजनाओं के लिए आवंटित धन में कटौती की गई है। महबूबनगर के एमवीएस डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित 'विजय संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों, कृषि मजदूरों, महिलाओं और युवाओं से किए गए चुनावी वादों को पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने महिलाओं को 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता देने के वादे को पूरा न करने को 'विश्वासघात' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में 'कमीशन राज और गुंडा राज' जारी है और सरकार 'आरआर टैक्स' वसूल रही है। नितिन नबीन ने कहा कि हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं और कांग्रेस नेता उन्हें रोकने में विफल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि तेलंगाना में ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के बयान सनातन धर्म को मानने वालों की भावनाओं को आहत करने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल का उल्लेख करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि तेलंगाना को तीन हाई-स्पीड कॉरिडोर, हल्दी बोर्ड, टेक्सटाइल पार्क और एक औद्योगिक कॉरिडोर आवंटित किया गया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका तेलंगाना का पहला दौरा है, जिसके दौरान उन्होंने नगर पालिका चुनावों की तैयारियों की भी समीक्षा की।

गहनों के लिए 85 वर्षीय महिला की हत्या मामला सुलझा

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल पुलिस ने गहनों की लूट के लिए 85 वर्षीय महिला की हत्या के मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक 36 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है, जो पहले मृतका के घर में काम कर चुकी थी। मेडचल डिवीजन के एसीपी च. शंकर रेड्डी के अनुसार, आरोपी पी. कविता (36) ने चिन्नवट्टिनी सुशीलम्मा की पत्थर से हत्या कर सोने के गहने लूट लिए और फरार हो गई। बाद में उसने गहने बेच दिए। स्थानीय निवासी श्रीकर रेड्डी (चर्च गगिलापुर, डुंडीगल) द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस को अहम सुराग मिले, जिससे मामला सुलझाने में बड़ी सहायता मिली। पुलिस ने सहयोग के लिए श्रीकर रेड्डी को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। डुंडीगल पुलिस ने सीसीएस और एसओटी टीमों के सहयोग से मामले को 24 घंटे में सुलझाया। पुलिस ने एक जोड़ी सोने की बालियां, एक सोने की अंगूठी और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अपराधों की रोकथाम और जांच में मदद के लिए आवासीय क्षेत्रों और प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगाएं।

भारत 10वीं बार अंडर-19 वर्ल्डकप के फाइनल में

6 फरवरी को इंग्लैंड से मुकाबला; अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, आरोन जॉर्ज का शतक

हरारे, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने 10वीं बार अंडर-19 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। 6 फरवरी को टीम इंडिया का फाइनल मैच इंग्लैंड के साथ होगा।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 310 रन बनाए हैं। टीम से फैजल शिनोजादा (110 रन) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101 रन) ने शतकीय पारियां खेलीं। भारत से दीपेश देवेन्द्रन और कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट झटके।

311 रन के जवाब में भारतीय टीम ने ओपनर आरोन जॉर्ज (115 रन) के शतक की बदौलत 41.1 ओवर में 3 विकेट पर जीत हासिल कर ली। टीम से वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और कप्तान आयुष म्हात्रे (62 रन) ने फिफ्टी लगाई। भारत ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा रन चेज किया है। इतना ही नहीं, भारत ने यूथ वनडे में सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है।

इस मुकाबले में 620 रन बने। जोकि भारत और अफगानिताान की टीमों के बीच यूथ वनडे मैच में सबसे ज्यादा हैं। पिछला रिकॉर्ड 521 रनों का था, जोकि 5 साल पहले 27 दिसंबर 2021 को ICC के दुबई मैदान पर बना था।

'ऑपरेशन स्माइल ' के तहत 674 बाल मजदूरों को बचाया

बाल मजदूरों का अमानवीय शोषण किया गया , देश के विभिन्न भागों के अलावा 7 बच्चे नेपाली

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 'ऑपरेशन स्माइल-बारह' के अंतर्गत मलकाजगिरी कमिश्नरेट की विभाजन स्तर की स्माइल टीमों तथा सभी संबंधित विभागों ने (674) बाल मजदूरों को बचाया, (186) मामलों में प्राथमिकी दर्ज की और (443) मामलों में प्रबंधन/नियोक्ता के खिलाफ सामान्य दैनिक प्रविष्टि की। मलकाजगिरी पुलिस कमिश्नरेट ने 'ऑपरेशन स्माइल-बारह' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लापता बच्चों का पता लगाना, संभावित बाल मजदूरी की पहचान करना और जोखिमपूर्ण व्यवसायों में लगे किशोरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

इस अभियान के अंतर्गत मलकाजगिरी कमिश्नरेट में कुल सात टीमों का गठन किया गया। प्रत्येक विभाजन में एक उपनिरीक्षक और चार कांस्टेबल (एक महिला कांस्टेबल सहित) शामिल थे। इसके अतिरिक्त बाल अपराध निवारण टीम भी इस अभियान में शामिल रही। ये टीमें 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक विभिन्न औद्योगिक इकाइयों, कंपनियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और अन्य स्थानों पर बचाव अभियान चलाती रहीं और बच्चों को संबंधित बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवधि में कुल 674 बच्चों को मलकाजगिरी कमिश्नरेट के क्षेत्रों में बचाया गया। ऑपरेशन स्माइल-बारह के दौरान (186) मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई और (443) मामलों में सामान्य दैनिक प्रविष्टि की गई। बाल मजदूरी में शामिल प्रबंधन/नियोक्ताओं के खिलाफ बाल एवं किशोर श्रम निषेध एवं नियमन अधिनियम-1986, किशोर न्याय अधिनियम और संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। इनमें से 189 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

प्रबंधकों/नियोक्ताओं ने बच्चों को नौ घंटे से अधिक काम कराया और उन्हें न्यूनतम वेतन अधिनियम के अनुरूप भुगतान नहीं किया। कई कंपनियों ने अन्य राज्यों से बाल मजदूरों को लाकर उनका अमानवीय शोषण किया, जो श्रम कानूनों के विपरीत है। बेगमपेट डिविजनल स्माइल टीम ने तीन बचाए गए बच्चों को शिक्षा विभाग की सहायता से सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाया।

बचाए गए बच्चों में से 376 बच्चे तेलंगाना राज्य के, 102 बच्चे आंध्र प्रदेश से, 189 बच्चे अन्य राज्यों (बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड आदि) से और 7 बच्चे नेपाल देश से हैं। इस बचाव अभियान और गिरफ्तारी का संचालन टी. उषा रानी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, महिला सुरक्षा विंग, मलकाजगिरी के नेतृत्व में किया गया।

इसमें एस. देवेंद्र, पुलिस निरीक्षक, बाल अपराध निवारण टीम मलकाजगिरी और उनकी टीम, विभाजन स्तर की स्माइल टीमें, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, स्वयंसेवी संगठन और बाल हेल्पलाइन के सदस्य शामिल थे।

देवासी समाज मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न

मेड़चल भंडामाधाराम स्थित श्री देवासी समाज संस्था ट्रस्ट समाज बन्धुओफ्ल के सानिध्य मे दो दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव दि.3 एवं 4 फरवरी को पुजा-अर्चना, कलश-यात्रा, हवन-यज्ञ, जागरण, मूर्ति स्थापना व महाप्रसादी के साथ भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष महेन्द्र खाटाणा, सचिव किशनाराम नांगु ने संयक्त रुप से बताया कि शिवालयम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया गया। प्रथम दिवस मंगलवार दि.3 फरवरी पंडित बाबूलालजी शर्मा के मंत्रोच्चारण से पुजा-अर्चनाकर कलश-यात्रा, हवन-यज्ञ व जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नरपत देवासी बालोतरा, छोटु मादलिया ने भजनोफ्ल के पुष्प अर्पित किये। द्वितीय दिवस बुधवार 4 फरवरी प्रातः वेला में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा, हवन पूर्णाहुति पधारे समाज बन्धुओफ्ल के लिए महाप्रसादी व सम्मान समारोह कार्यक्रम में पधारे महाराज श्री संध्यानाथजी, महंत योगी सुरेन्द्रनाथजी, योगी श्री लक्ष्मणनाथजी महाराज लांबिया मठ, मेड़चल विधायक मल्ला रेड्डी, भाजपा पशुपालन प्रकोष्ठ राजस्थान प्रदेश संयोजक जगदीश देवासी, पत्रकार परबत सोलंकी,

कार्यक्रम के लाभार्थीयोफ्ल, विभिन्न संस्थाओफ्ल के पदाधिकारियोफ्ल व सम्मानित अतिथियोफ्ल का आयोजकोफ्ल द्वारा शॉल, साफा व मोमेन्टोफ्ल से विशेष सम्मान किया। मुख्यअतिथि बोलते हुए योगी श्री लक्ष्मणनाथजी महाराज एवं प्रदेश संयोजक जगदीश देवासी ने भव्य प्राण-प्रतिष्ठा की शुभकामनाएँ देते हुए समाज बन्धुओफ्ल से अह्वाहन किया की समाज बन्धुओफ्ल को संस्कार व एकजुटता से रहते हुए हर प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। अध्यक्ष महेन्द्र खाटाणा ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियोफ्ल व समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री देवासी समाज संस्था ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियोफ्ल, सदस्योफ्ल व समाज बन्धुओफ्ल का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन योगाचार्य बुधाराम नांगू ने किया। युट्युब पर सीधा प्रसारण व साउंड की व्यवस्था पी.एम.एल.सीरवी द्वारा की गयी। सचिव किशनाराम नांगू के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

टी-20 वर्ल्ड कप वॉर्मअप; भारत ने साउथ अफ्रीका को हराया

बेंगलुरु , 4 फरवरी (एजेंसियां)। नवी मुंबई के DY पाटील स्टेडियम में भारत ने अपने इकलौते वॉर्म-अप मैच में साउथ अफ्रीका को 30 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने 240 रन बना दिए। ईशान किशन ने 20 गेंद पर फिफ्टी लगाई। तिलक वर्मा ने 45, हार्दिक पंड्या ने 30, अक्षर पटेल ने 35, अभिषेक शर्मा ने 24 और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 30 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्त्या और क्वेन मफाका ने 1-1 विकेट लिया।

241 रन के टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका ने पहले ही ओवर में जॉर्ज लिंडे का विकेट गंवा दिया। कप्तान ऐडन मार्करम ने फिर 38 रन बनाए। रायन रिकेल्टन ने 44, जैसन स्मिथ ने 35, मार्को यानसन ने 31 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 45 रन बनाए। टीम 210 रन ही बना पाई। भारत से अभिषेक शर्मा को 2 विकेट मिले। अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल को 1-1 विकेट मिला।

रामचंद्रपुरम डिवीजन में विकास कार्यों का शिलान्यास

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रामचंद्रपुरम डिवीजन में कुल 40.70 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किए जाने वाले विकास कार्यों के लिए नगर महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, उप-महापौर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी और स्नातक एमएलसी अंजी रेड्डी ने बुधवार को शिलान्यास और उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। सबसे पहले श्रीनिवासनगर में कम्युनिटी हॉल, रामचंद्रपुरम में सीसी सड़कें, अंडरग्राउंड ड्रेनेज, तथा डिवीजन विकास के लिए नए निधि मंजूर किए गए कार्यों का शिलान्यास किया गया। इसी प्रकार, श्रीनिवासनगर में हिंदू शमशान वाटिका, गांधी बाल विहार पार्क, ओल्ड रामचंद्रपुरम में मीट मार्केट, रायसमुद्रम तालाब का सौंदर्यीकरण, तालाब में गंदे पानी की निकासी कार्य, विभिन्न कॉलोनियों में सीसी सड़कें, अंडरग्राउंड ड्रेनेज, ओपन ड्रेनेज, कम्युनिटी हॉल, महिला संघ भवन, और थीम पार्क जैसे विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया।

इन विकास गतिविधियों के माध्यम से रामचंद्रपुरम डिवीजन में बुनियादी सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार होने की संभावना है, ऐसा स्थानीय प्रतिनिधियों ने बताया।

बच्चों से भिक्षाटन करवाने वाले माता-पिता पर कड़ी कार्रवाई की

पहली बार माता-पिता के खिलाफ सीधे कानूनी कार्रवाई

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने उन मामलों को गंभीरता से लिया है, जहां बच्चों को महात्मा गांधी की वेशभूषा पहनाकर सड़कों, ट्रैफिक सिग्नल और सार्वजनिक स्थलों पर भिक्षाटन के लिए मजबूर किया जा रहा था। हाल ही में, साइबर टावर जंक्शन पर भिक्षाटन करते पांच नाबालिग लड़कों को बचाया गया। जांच के बाद, माधापुर पुलिस स्टेशन में उनके माता-पिता के खिलाफ केस दर्ज किया गया, क्योंकि वे बार-बार बच्चों को सड़कों पर भिक्षाटन के लिए भेज रहे थे। माता-पिता को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। यह साइबराबाद में पहली बार है जब बच्चों को भिक्षाटन के लिए मजबूर करने वाले माता-पिता के खिलाफ सीधे कानूनी कार्रवाई की गई है। साइबराबाद पुलिस ने चेतावनी दी है कि ऐसे कृत्य बच्चों के अधिकारों, गरिमा और सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन हैं। बच्चों को भिक्षाटन के लिए मजबूर करना उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, विशेषकर उच्च-ट्रैफिक क्षेत्रों में। महिला एवं बाल सुरक्षा विंग की उप-आयुक्त एस. सुजना कर्णम ने कहा कि ऐसे किसी भी मामले में जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रभावित बच्चों को बचाने, सुरक्षित रखने और परामर्श देने के लिए बाल कल्याण एवं संरक्षण प्राधिकरणों के साथ समन्वय किया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/1888

संख्याः सी/ई-नीलामियों की सूची/एससी/2025- 26, दि.02-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम संख्याः1, श्रेणीः पे एण्ड यूज, सूची संख्याः पीएनयु- एसीडब्ल्यू एच-26, नीलामी शुरु तिथि व समयः 04-फरवरी-2026 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- एमएबीडी, आरडीएम,एससी नीलामी विवरणः महबूबाबाद, रामगुंडम तथा सिकंदराबाद प्लेटफार्म-10 रेलवे स्टेशनों पर एसी वेटिंग हाल हेतु पृथक संविदाएं या ठेका।

क्रम संख्याः2, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याःएमएसएस-मिक्स-2026-2, नीलामी शुरु तिथि व समयः 04- फरवरी-2026 के 15.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- एचएफजेड, केजेडजे, जेइटी, बीडीसीआर नीलामी विवरणः1. हाफिजपेटा रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग स्टेशन हेतु ठेका। 2. काजीपेट, जेम्स स्ट्रीट व भद्राचलम रोड स्टेशनों पर चाट स्टाल सहित फूड ट्रक्स/जूस बार की स्थापना व संचालन हेतु ठेका।

क्रम संख्याः3, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग, सूची संख्याः एडीवीटी-मिक्स- 26-3, नीलामी शुरु तिथि व समयः 04-फरवरी-2026 के 15.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- 12759/60 व 17319/20, केजेडजे, एमएबीडी, वायएडीडी, आरडीएम, बीपीए, एसकेजेडआर, जेएमकेटी, सीएचजेड, नीलामी विवरणः1. रेल सं. 12759/60 व 17319/17320 में विनाइल रैपिंग की बाहरी तरफ ठेका। 2. काजीपेट रेलवे स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र में डिजिटल बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 3. महबूबाबाद रेलवे स्टेशन के पास आउट आफ होम (ओओएच) के माध्यम से (स्टेटिक होर्डिंग, डिजीटल एलइडी बोर्ड्स, वाल पेन्टिंग आदि) वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 4. यादाद्रि रेलवे स्टेशन पर युनिपोल की स्थापना हेतु ठेका। 5. रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुरकागजनगर व जम्मीकुन्टा रेलवे स्टशनों के परिसंचरण क्षेत्र में स्थैतिक होर्डिंग्स द्वारा वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 6.चर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल के भीतर स्थैतिक बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु ठेका।

क्रम संख्याः4, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग, सूची संख्याः एडीवीटी- बीएमटी-एचटीसीवाय-3, नीलामी शुरु तिथि व समयः 05फरवरी-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- बीएमटी- एचटीसीवाय नीलामी विवरणः बेगमपेट व हायटेक सिटी रेलवे स्टेशनों पर युनिपोल/बायपोल के माध्यम से विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु पृथक संविदाएं।

क्रम संख्याः5, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः एमएसएस-मिक्स-26-3, नीलामी शुरु तिथि व समयः 05-फरवरी- 26 के 15.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- एससी, डब्ल्यूएल, सीएचजेड, बीआयडीआर, बीएमटी नीलामी विवरणः1. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर हेल्थ कियोस्क की स्थापना, रखरखाव व संचालन। 2. वरंगल रेलवे स्टेशन पर मोबाइल स्टोर एण्ड एस्सेसोरिज की स्थापना व संचालन हेतु ठेका। 3. चर्लापल्ली, बिदर व बेगमपेट रेलवे स्टेशनों पर चाट स्टाल सहित फूड ट्रक्स/जूस बार की स्थापना व संचालन हेतु पृथक संविदाएं।

क्रम संख्याः6, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः एससी-पैकिंग-26-2, नीलामी शुरु तिथि व समयः 06-फरवरी-26 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- एससी, सीएचजेड नीलामी विवरणः सिकंदराबाद व चर्लापल्ली रेलवे स्टेशनों के पार्सिल आफिस पर टू व्हीलर्स एवं अन्य पार्सिल्स की पैकिंग सहित सहायक कार्य।

क्रम संख्याः7, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः एमएसएस-जीजेड-26-2, नीलामी शुरु तिथि व समयः 09-फरवरी- 26 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- बीपीए, केजेडजे नीलामी विवरणः ओल्ड रेलवे क्वार्टर्स, काजीपेट रेलवे स्टेशन तथा बेल्लमपल्ली रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध क्षेत्र में फन झोन की स्थापना हेतु पृथक संविदाएं।

क्रम संख्याः8, श्रेणीः पे एण्ड यूज, सूची संख्याः पीएनयु-एससी- टीओआय-26-3, नीलामी शुरु तिथि व समयः 09-फरवरी-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-जेडएन, एलटीआरआर, एससी बीडीसीआर नीलामी विवरणः जनगांव, लातूर रोड, भद्राचलम रोड रेलवे स्टेशन तथा गेट-2 ए पर एससी स्टेशन की परिसंचरण क्षेत्र के पीएफ -1 पर पे एण्ड यूज टायलेट्स की पृथक व्यवस्था।

क्रम संख्याः9, श्रेणीः एमपीएस, सूची संख्याः एससी-एएमपीस- एमयुएल-0526, नीलामी शुरु तिथि व समयः 11-फरवरी-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-केजेडजे,बीपीए, एमडीआर नीलामी विवरणः काजीपेट, बेल्लमपल्ली व मधिरा स्टेशनों पर पृथक बहु उध्देशीय स्टाल हेतु ठेका।

क्रम संख्याः10, श्रेणीः पार्किंग, सूची संख्याः एससी-पार्क-आरटी- 0325, नीलामी शुरु तिथि व समयः 11-फरवरी-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-एचटीसीवाय, बीटीएनआर नीलामी विवरणः हायटेक सिटी व भरतनगर स्टेशनों पर पृथक रेडियो टैक्सी हेतु ठेका।

क्रम संख्याः11, श्रेणीः पार्किंग, सूची संख्याः एससी-पार्किंग-- 0426, नीलामी शुरु तिथि व समयः 12-फरवरी-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)-युडीजीआर, बीएचएलके, आरडीएम, पीआरएलआय नीलामी विवरणः उदगीर,भालकी, रामगुंडम व परली रेलवे स्टेशनों पर पृथक पार्किंग संविदाएं।

क्रम सं. 12, श्रेणीः एडवर्टाइजींग, सूची संख्याः एडवर्टाइजमेंट- एम, नीलामी शुरू तिथि व समय 16 फरवरी-26 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स) /रेल(रेलें)- 12723/24, 12791/92, 12704/03, 12757/58, ,सीएचजेड, एससी, एमसीआय, आरडीएम, बीपीए, एसकेजेडआर, जेएमकेटी, जेडबी, बीआयडीआर, बीएचएलके नीलामी विवरणः 1. रेल सं. 12723/24 (तेलंगाना एक्सप्रेस एचवायबी-एनडीएलएस), 12791-92 (दानापुर एक्सप्रेस एससी-डीएनआर), 12704/03 (एससी-एचडब्ल्यूएच फलकनुमा एक्सप्रेस) के रेल यात्रियों हेतु इन्फोटेनमेंट बुकलेट या पुस्तिका के वितरण हेतु ठेका। 2. रेल सं. 12791/92 सिकंदराबाद—दानापुर एक्सप्रेस (फुल फेस) में विनाइल रैपिंग विज्ञापन हेतु ठेका। 3. रेल सं. 12757/58- सिकंदराबाद एसकेजेडआर—सिकंदराबाद पर कोचेस की साइड्स पर विनाइल रैपिंग द्वारा विज्ञापन व्यवस्था। 4. रेल सं.12721 हैदराबाद-हजरत निजामुध्दीन एक्सप्रेस में विनाइल रैपिंग विज्ञापन हेतु ठेका। 5. रेल सं. 12723/24 तेलंगाना एक्सप्रेस हेतु रेल के एक्सटीरीयर या बाहरी तरफ (फुल फेस) पर विनाइल रैपिंग के लिए ठेका। 6. चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थैतिक/डिजीटल मीडिया व टीवी स्क्रीन्स, युनिपोल्स तथा होर्डिंग्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 7. सिकंदराबाद स्टेशन पर डिजीटल विज्ञापन सहित मोबाइल चार्जिंग कियोस्क की स्थापना, चालन व रखरखाव। 8. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर डिजीटल ठेका। 9. मंचेरियाल रेलवे स्टेशन के भीतरी भाग में डिजीटल ठेका। 10. चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के भीतर डिजीटल बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 11. रामगुंडम बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर व जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशनों पर रेलवे स्टेशन के भीतर स्टैटिक बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 12. क्लस्टर-IX (जहीराबाद (जेडबी), बिदर (बीआयडीआर) तथा भालकी (बीएचएलके) रेलवे स्टेशनों पर स्टेटिक मीडिया द्वारा वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु ठेका।

क्रम सं. 13, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः एमएसएस-एमआयएक्सएस-26-3, नीलामी शुरू तिथि व समयः 16 फरवरी-26 के 15.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल(रेलें)- बीडीएचयु, एनडीएमएच ,सीएचजेड, जेइटी, एससी, एनएलआरडी नीलामी विवरणः 1.भूदेवीनगर, नेरेडमेंट, चर्लापल्ली व जेम्स स्ट्रीट रेलवे स्टेशनों पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन की स्थापना व संचालन हेतु इनडीवीज्युएल कांट्रैक्ट्स या संविदाएं। 2. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 10 की तरफ वीपी साइडिंग में पार्सल स्कैन्नर की स्थापना, संचालन व रखरखाव हेतु ठेका। 3. नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन पर चाट स्टाल सहित फूड ट्रैक्स/जूस बार की स्थापना व संचालन हेतु ठेका।

क्रम सं.14, श्रेणीः पे एण्ड यूज, सूची सं.-पीएनयु-एससीडी- एमसीआय-टीओआय नीलामी शुरु तिथि व समयः 17 फरवरी- 26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल (रेलें)- एमसीआय नीलामी विवरणः मंचेरियाल रेलवे स्टेशन के पीएफ नं. 1 पर पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालय व्यवस्था।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण इस विषय पर ध्यान दें कि, ई- नीलामी सूचना की विस्तृत जानकारी हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A2367 — वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/सिकंदराबाद

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-01-2026, दिनांक 29.01.2026

कार्य का नामः P-WAY कार्यों का निष्पादनः- 1) मेन लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ट्रैक/वाल्टियर (WAT) के अधीन दुव्वाडा (DVD)-कोरुकोंडा (KUK) सेक्शन के बीच (पैचों में) 4.539 TKM की लंबाई के लिए 60 KG चौड़े आधार वाले स्लीपरों पर नए 60 KG 90 UTS रेलों द्वारा 60 KG PSC-14 स्लीपर पर वर्तमान 60 KG 90 UTS रेल का सम्पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण (प्राथमिक)। 2) सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ट्रैक/वाल्टियर (WAT) के अधीन सामलकोट (SLO)-गोपालपट्टणम (GPT) के बीच (पैचों में) 2.590 TKM की लंबाई के लिए नए चौड़े आधार वाले 60 KG स्लीपरों द्वारा वर्तमान PSC 60 KG स्लीपरों का सम्पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण (प्राथमिक) के साथ डीप स्क्रीनिंग तथा बैलास्ट कुशन को ऊपर उठाना। 3) सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ट्रैक/वाल्टियर (WAT) के अधीन गोपालपट्टणम-दुव्वाडा सेक्शनों के बीच DN लाइन पर KM 759.682 से 760.982 तक 1.300 KM की लंबाई के लिए (पैचों में) 60KG रेलों द्वारा सम्पूर्ण रेल नवीनीकरण (प्राथमिक)।

कार्य की अनुमानित लागतः रु.3,31,85,729.02, EMD: रु. 3,15,900.00

(2) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-02-2026, दिनांक 29.01.2026

कार्य का नामः P-WAY कार्यों का निष्पादनः- 1) सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/MYD/वाल्टियर (WAT) के अधीन विशाखापट्टणम (VSKP)-NCC के बीच UNI लाइन पर KM 1.217 से KM 1.99 तक 0.773 TKM की लंबाई के लिए 60 KG चौड़े आधार वाले स्लीपर पर नए 60 KG 90 UTS रेलों द्वारा 60 KG PSC-14 स्लीपर पर वर्तमान 60 KG 90 UTS रेल का सम्पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण (प्राथमिक)। 2) सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ट्रैक/वाल्टियर (WAT) के अधीन विशाखापट्टणम (VSKP)-NCC के बीच KM 0 से 1.322 तक DN लाइन तथा KM 1.217 से KM 1.99 UNI लाइन तक 2.837 TKM की लंबाई सिम्हाचलम नॉर्थ (SCMN)-गोपालपट्टणम (GPT) (बाई-पास) के लिए नए चौड़े आधार वाले 60KG स्लीपरों द्वारा वर्तमान PSC 60KG स्लीपरों का सम्पूर्ण स्लीपर नवीनीकरण (प्राथमिक) साथ में डीप स्क्रीनिंग एवं बैलास्ट कुशन को ऊंचा करना। 3) सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/MYD के अधीन WMY लाइन पर सम्पूर्ण टर्नआउट नवीनीकरण TTR (CS+ CMSC)-10 सेट। 4) वाल्टियर मंडल के विभिन्न सेक्शनों में सम्पूर्ण टर्नआउट नवीनीकरण-25 सेट-TTR(CS) -11 सेट एवं TTR(CMSC)-14 सेट। 5) वरिष्ठ मंडल अभियंता (SR. DEN)/साउथ/वाल्टियर (WAT) के अधीन सम्पूर्ण टर्नआउट नवीनीकरण-TTR(TFR)-39 सेट (1 इन 12.6 सेट तथा 1 इन 8½-33 सेट)।

कार्य की अनुमानित लागतः रु. 1,88,00,279.98, EMD: रु. 2,44,000.00.

कार्य समापन की अवधिः 12 (बारह) महीने (दोनों निविदाओं के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 19.02.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्यः प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-1081/P/25-26

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/1875

'सार्वजनिक अधिसूचना'

प्रारूप 10—01

इसके द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे के अधोलिखित खण्ड के पूर्ण खंड पर स्थित सभी रेलवे लाइनों के उपयोगकर्ताओं तथा तत्संबंधित परिसरों को यह सूचना दी जाती है कि, उक्त खंड की निर्धारित तिथि को या इसके बाद 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को उर्जावान या एनर्जाइज किया जायेगा। तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि को या वही तिथि के सभी समय पर ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सक्रिय या लाइव माना जायेगा तथा इसके चलते कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उपरोक्त ओवरहेड लाइन की परिधि में न प्रवेश कर सकेगा या कोई कार्य ही कर सकेगा।

खण्ड	तिथि
नवीनतम प्रस्तावित कामन लूप लाइनें 2 & 3 का विद्युतीकरण सहित सिकंदराबाद डिवीजन के विकाराबाद—परली सेक्शन पर एलओसी. 151/5 (किमी/सीएचः 151/321.00) से 153/15 (किमी/सीएचः 153/836.00) तक कमलनगर (केएमएनआर) स्टेशन के मौजूदा ओएचइ का परिवर्तन या माडिफिकेशन कार्य।	05.02.2026

A2374 — सीनि. डीईई/टीआरडी/एससी

पूर्व तट रेलवे

(1) बोली संख्याः GEM/2026/B/7160988, दिनांक 28.01.2026

सामग्री की श्रेणीः सेवाओं के लिए कस्टम बोली-B एरिया में कुशल श्रमिक की आपूर्ति (विवरण अनुसूची में), सेवाओं के लिए कस्टम बोली-C एरिया में कुशल श्रमिक की आपूर्ति (विवरण अनुसूची में), सेवाओं के लिए कस्टम बोली-B एरिया में अकुशल श्रमिक की आपूर्ति (विवरण अनुसूची में), सेवाओं के लिए कस्टम बोली-C एरिया में अकुशल श्रमिक की आपूर्ति (विवरण अनुसूची में)।

अनुमानित बोली मूल्यः रु. 1,11,29,164.00, EMD: रु. 2,05,600.00, संविदा अवधिः 1 वर्ष।

(2) बोली संख्याः GEM/2026/B/7161393, दिनांक 28.01.2026

सामग्री की श्रेणीः सेवाओं के लिए कस्टम बोली-C एरिया में कुशल श्रमिक की आपूर्ति (विवरण अनुसूची में), सेवाओं के लिए कस्टम बोली-C एरिया में अकुशल श्रमिक की आपूर्ति (विवरण अनुसूची में)।

अनुमानित बोली मूल्यः रु. 1,04,52,457.00, EMD: रु. 2,02,300.00, संविदा अवधिः 1 वर्ष।

बोली बंद होने की तारीख/समयः 19.02.2026 को 1500 बजे तक (दोनों क्रम सं. के लिए)।

बोली खुलने की तारीख/समयः 19.02.2026 को 1530 बजे (दोनों क्रम सं. के लिए)।

ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी एवं शुद्धिपत्र वेबसाइटःwww.gem.gov.in पर उपलब्ध है।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, वाल्टियर

PR-1084/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

विज्ञापन की ई-नीलामी

नीलामी सूचीपत्र सं.: CAT-ADVTD-018

(1) लॉट सं./श्रेणीः ADVT-WAT-VSKP-OSN-239-25-1 [Advertising - On Station Premise (Non-Digital)]

विवरणः विशाखापट्टणम (VSKP), दुव्वाडा (DVD), विजयनगरम (VZM), श्रीकाकुलम रोड (CHE), पारलाखेमुंडी (PLH) तथा रायगड़ (RGDA) स्टेशनों में स्वचालित सीढ़ियों तथा लिफ्टों पर 2 वर्षों की अवधि के लिए विज्ञापन का प्रदर्शन। कुल क्षेत्रफल 400.5 SQ. MTR.।

(2) लॉट सं./श्रेणीः ADVT-WAT-VSKP-OSN-240-25-1 [Advertising - On Station Premise (Non-Digital)]

विवरणः 3 वर्षों की अवधि के लिए वाल्टियर मंडल के ATVM के पैनलों पर विज्ञापन की जगह उपलब्ध है। कुल 54 ATVM है तथा विज्ञापन के लिए कुल प्रस्तावित क्षेत्रफल 703 SQ.FT।

नीलामी सूचीपत्र सं.: CAT-ADVTD-019

(3) लॉट सं./श्रेणीः ADVT-Int-131662-2-24-1 Advertising - Train Interior

विवरणः ट्रेन लिंक नं. 12805/12806 विशाखापट्टणम (VSKP)-लिंगमपल्ली (LPI)-विशाखापट्टणम (VSKP) जन्म-भूमि सुपरफॉस्ट (S/F) एक्सप्रेस में 02 रेकों के लिए ट्रेन के भीतर विनायल स्टिकरों के माध्यम से नॉन डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

विविध स्थैतिक सेवाओं की ई-नीलामी

नीलामी सूचीपत्र सं.: CAT-MSS-2WPKG-6

(4) लॉट सं./श्रेणीः MSS-WAT-RGDA-TWnOPS-98-26-1 Misc-Static-Services- Two wheeler and other parcel packing services

विवरणः रायगढ रेलवे स्टेशन में दो-पहिया एवं अन्य पार्सल/सामानों की पैकिंग के साथ डोर पिक अप एवं डोर डिलीवरी सेवाओं की वैकल्पिक सुविधा।

(5) लॉट सं./श्रेणीः MSS-WAT-CHE-TWnOPS-97-26-1 Misc-Static-Services - Two wheeler and other parcel packing services

विवरणः श्रीकाकुलम रेलवे स्टेशन में दो-पहिया एवं अन्य पार्सल/सामानों की पैकिंग के साथ डोर पिक अप एवं डोर डिलीवरी सेवाओं की वैकल्पिक सुविधा।

दर इकाईः वार्षिक लाइसेंस शुल्क (प्रत्येक के लिए), ट्रिप/दिनः 731 (क्रम सं. 1 के लिए) तथा 1096 (क्रम सं. 2 से 5 के लिए)। न्यूनतम वृद्धिः 0.2% (प्रत्येक के लिए)। लॉट की स्थितिः प्रकाशित सूचीपत्र में नया (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए) एवं मसौदा सूचीपत्र में नया (क्रम सं. 3 से 5 के लिए)।

नीलामी के शुरु होने की तारीखः 13.02.2026 (क्रम सं. 1, 2, 4 एवं 5 के लिए) एवं 14.02.2026 (क्रम सं. 3 के लिए)। शुरु होने का समयः 1100 बजे (प्रत्येक लिए)।

नीलामी बंद होने की तारीखः 13.02.2026 (क्रम सं. 1, 2, 4 एवं 5 के लिए) एवं 14.02.2026 (क्रम सं. 3 के लिए)। बंद होने का समयः 1130 बजे (क्रम सं. 1, 3 एवं 4 के लिए) तथा 1140 बजे (क्रम सं. 2 एवं 5 के लिए)।

टिप्पणीः प्रत्याशित बोलीदाताओं को www.ireps.gov.in देखने एवं इस ई-नीलामी से संबंधित सभी अपेक्षित जानकारी के लिए आगामी ई-नीलामी लीजिंग टैब की जांच करने की सलाह दी जाती है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-1083/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 ग्रुप एनालिसिस

ग्रुप डी साउथ अफ्रीका के साथ न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान, ग्रुप ए में भारत-पाकिस्तान

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होगा। आईसीसी के मेगा इवेंट में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है।

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चर्चा 'ग्रुप ऑफ डेथ' को लेकर है। इस बार यह टैग ग्रुप-डी को मिला है। जिसमें पिछली बार की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका के साथ 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और पिछली सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान शामिल हैं। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमों के अलावा ग्रुप-सी में 2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज भी आमने-सामने हैं। इस स्टोरी में हम टूर्नामेंट के चारों ग्रुप का एनालिसिस करेंगे...

ग्रुप-ए: पाकिस्तान को हरा चुका है यूएसए

ग्रुप-ए में डिफेंडिंग चैंपियन भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमें हैं। जबकि नीदरलैंड, यूएसए और नामिबिया भी इस ग्रुप का हिस्सा हैं। कागजों पर भारत और पाकिस्तान को मजबूत दावेदार माना जा रहा है, लेकिन पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया था।

2024 में पहली बार वर्ल्ड कप खेलने वाली अमेरिकी टीम ने 2009 की चैंपियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में मात देकर इतिहास रचा था। ऐसे में ग्रुप-ए में किसी भी टीम को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है। नीदरलैंड भी साउथ अफ्रीका जैसी टीमों को वर्ल्ड कप में हरा चुकी है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप्स

ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	ग्रुप डी
भारत	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	सा. अफ्रीका
पाकिस्तान	श्रीलंका	वेस्टइंडीज	न्यूजीलैंड
USA	जिम्बाब्वे	इटली	अफगानिस्तान
नामीबिया	आयरलैंड	स्कॉटलैंड	UAE
नीदरलैंड	ओमान	नेपाल	कनाडा

ग्रुप-बी: ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका का क्वालिफाई करना लगभग तय

ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत दावेदार नजर आता है, टीम बड़े टूर्नामेंट में दबाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। वहीं 2014 की विजेता श्रीलंका का भी होमग्राउंड पर खेलकर सुपर-8 में क्वालिफाई करना तय है। इनके अलावा आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे जैसी टीमें भी इस ग्रुप हैं। आयरलैंड और जिम्बाब्वे पहले भी बड़ी टीमों को चौंका चुकी हैं, जबकि ओमान भी छोटे फॉर्मेट में बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

ग्रुप-सी: नेपाल डार्क हॉर्स टीम

ग्रुप-सी में 2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज हैं। नेपाल को ग्रुप स्टेज का डार्क हॉर्स कहा जा सकता है। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद नेपाल ने 24 टी-20 इंटरनेशनल खेले, जिनमें उसे 16 में जीत और 5 में हार मिली, बाकी मुकाबले टाई या बेनतीजा रहे।

2024 से अक्टूबर 2025 के बीच नेपाल ने अमेरिका के खिलाफ सीरीज में दो जीत हासिल कीं, जबकि वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीम को शारजाह में दो मैचों में 19 और 90 रन से हराकर सबको चौंका दिया। अब टीम फिर एक बार वेस्टइंडीज के सामने ही होगी।

बांग्लादेश के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद ग्रुप-सी में स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। इस ग्रुप में अब स्कॉटलैंड के साथ इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली मौजूद हैं। इटली ने पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। ग्रुप-सी में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच मुकाबले हमेशा हाई-वोल्टेज रहते हैं। साल 2018 में स्कॉटलैंड ने इंग्लैंड को वनडे इंटरनेशनल में 6 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। वहीं, 2022 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड ने वेस्टइंडीज को हराया था।

ग्रुप-डी: सबसे अनप्रिडिक्टेबल ग्रुप

ग्रुप-डी में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी अनुभवी टीमें शामिल हैं, जिन्हें टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का अनुभव है। साउथ अफ्रीका डिफेंडिंग रनर-अप है, और न्यूजीलैंड ने 2021 का फाइनल खेला था।

वहीं, इस ग्रुप में अफगानिस्तान की मौजूदगी मुकाबलों को और भी रोमांचक बना देती है। 2024 में अफगान टीम ने सभी को चौंकाते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप में किससे खतरा

धोनी ने बताया कड़वा सच

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारत को पहला टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान एमएस धोनी ने माना कि टीम इंडिया बेहद मजबूत है और उसे हराना इतना आसान नहीं लेकिन उन्होंने एक चीज़ का डर जताया जो किसी भी मजबूत टीम को फंसा सकती है. धोनी ने एक कार्यक्रम में बताया कि टीम इंडिया के पास सबकुछ है लेकिन भारत में रात में गिरने वाली ओस किसी भी मैच की दशा और दिशा बदल सकती है. धोनी ने कहा कि वो अपने इंटरनेशनल करियर के दौरान ओस से काफी ज्यादा डरते थे.

धोनी ने कही बड़ी बात

धोनी ने कहा, ' टीम इंडिया बेहद ही खतरनाक टीम है. एक अच्छी टीम में क्या चाहिए, वो सबकुछ टीम इंडिया में है. उनके पास काफी ज्यादा अनुभव है, खासतौर पर टी20 फॉर्मेट में हर खिलाड़ी काफी अनुभवी है. उन्हें दबाव में खेलने का अनुभव है. जिस भी खिलाड़ी को जो रोल दिया गया है उसे काफी समय तक वहां मौका दिया गया है.' धोनी ने आगे कहा, ' मुझे जो चिंता में डालती है, वो है ओस. ओस काफी ज्यादा चीजें बदलती है. जब मैं खेलता था तो मुझे सबसे ज्यादा ओस ही डराती थी. ओस के दौरान टॉस काफी ज्यादा अहम हो जाता है. अगर कंडिशन सही रही, ओस नहीं पड़ी तो 10 में से ज्यादातर मैच टीम इंडिया ही जीतेगी'.

धोनी आगे बोले, 'अगर आपके किसी खिलाड़ी का खराब दिन हुआ और विरोधी के किसी खिलाड़ी का बहुत अच्छा दिन हुआ जैसा कि टी20 क्रिकेट में देखा जाता है. ये या तो लीग स्टेज में होता है या नॉक आउट स्टेज में होता है, वहां बस प्रार्थना काम करती हैं. किसी खिलाड़ी को चोट ना लगे, जिन खिलाड़ियों को जो रोल दिया गया है वो उसे पूरा करें. अगर ये हुआ तो टीम इंडिया सबसे खतरनाक टीमों में से एक हैं.'

भारत की टीम है कमाल

धोनी बात तो सही कह रहे हैं लेकिन टीम इंडिया के खिलाड़ी विपरीत हालात में भी जीतना जानते हैं. इस टीम के पास दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और नंबर 1 गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती हैं. यही नहीं सूर्यकुमार यादव रंग में आ चुके हैं. ईशान किशन के आने के बाद ये टीम और मजबूत हो गई है, उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में तूफानी शतक भी ठोका. हार्दिक पंड्या हमेशा की तरह रंग में हैं. शिवम दुबे, रिंकू सिंह ने मिडिल-लोअर ऑर्डर को मजबूत किया हुआ है. अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव जैसे गेंदबाज टीम के साथ हैं.

टी20 विश्व में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाला खिलाड़ी क्रिस गेल

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व का 10वां एडिशन शुरू होने जा रहा है. इस वर्ल्ड कप में भी कई ऐसे खिलाड़ी खेल रहे हैं, जिनकी अपनी अलग स्टोरी है. इस बार के वर्ल्ड कप में भी कई रिकॉर्ड टूटते और बनते दिख सकते हैं. लेकिन, हम बात कर रहे हैं उस क्रिकेटर की, जिसके नाम T20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के मारे हैं. अब जरा सोचिए कि जिस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं, वो कितना तूफानी मिजाज वाला रहा होगा. उस विस्फोटक मिजाज वाले और सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर का नाम है- क्रिस गेल, जिन्हें वर्ल्ड क्रिकेट 'यूनिवर्स बॉस' भी कहता है. हालांकि, आम खिलाड़ी से क्रिकेट का यूनिवर्स बॉस बनने का क्रिस गेल का सफर कभी आसान नहीं रहा. एक वक्त ऐसा भी था जब उन्हें पेट पालने के लिए कूड़ा भी ढोना पड़ा था.

क्रिस गेल की बीती जिंदगी पर हम आएंगे. लेकिन, उससे पहले उनके T20 वर्ल्ड कप में 'सिक्सर किंग' बनने के बारे में जान लेते हैं.

वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के बल्लेबाज क्रिस गेल ने 2007 से 2021 तक टी20 वर्ल्ड कप में कुल 33 मुकाबले खेले. इस दौरान वो 31 बार क्रीज पर उतरे और उसमें सबसे ज्यादा 63 छक्के लगाए. मतलब इतने छक्के टी20 वर्ल्ड कप में दूसरे किसी भी बल्लेबाज ने नहीं जड़े.

क्रिस गेल छक्के लगाने की संख्या में इतने आगे हैं कि उनके बाद दूसरे नंबर पर मौजूद रोहित शर्मा भी उनसे 13 छक्के पीछे नजर आते हैं. रोहित के 47 टी20 वर्ल्ड कप मैचों की 44 पारियों में 50 छक्के हैं. इंग्लैंड के जॉस बटलर 43 छक्के उड़ाकर तीसरे नंबर पर हैं तो वहीं ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 40 छक्कों के साथ चौथे नंबर पर हैं. वहीं भारत के विराट कोहली का स्थान 5वां है, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 35 छक्के लगाए हैं.

क्या बटलर तोड़ पाएंगे गेल का रिकॉर्ड?

मतलब देखा जाए तो T20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप 5 बल्लेबाजों में एक जॉस बटलर ही हैं जो एक्टिव हैं. बाकी सारे क्रिकेटरों ने टी20आई से संन्यास ले लिया है. ऐसे में बटलर के पास गेल के रिकॉर्ड के करीब पहुंचने या उसे तोड़ने का मौका होगा. हालांकि, उसके लिए उन्हें कम से कम 20 छक्के टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मारने होंगे.

विश्व चैंपियन गुकेश नॉर्वे शतरंज में खेलेंगे

कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी भी होंगे शामिल

चेन्नई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी शिरकत करेंगे। गुकेश ने 25 मई से पांच जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। यह दुनिया के सबसे कड़े शतरंज टूर्नामेंट में से एक होगा। यह प्रतियोगिता अपने पारंपरिक स्थल स्टेवेंगर से ओस्लो में स्थानांतरित होने वाली है।

पिछले साल ओपन वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे भारतीय स्टार गुकेश खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन के रूप में ओस्लो आएंगे। गुकेश ने कहा, मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से हिस्सा लेकर बहुत खुश हूं। हमेशा की तरह बहुत मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करूंगा और सभी रोमांचक बाजियों का इंतजार कर रहा हूं। गुकेश ने 2024 में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता और फिर तत्कालीन विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर सिर्फ 18 साल की उम्र में विश्व खिताब हासिल किया। गुकेश ने अपनी प्रगति के दौरान कई उपलब्धियां हासिल की जिसमें 2750 रेटिंग अंक पार करने वाला अब तक का सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनना और 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करना शामिल है। वह शतरंज के इतिहास में तीसरे सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर हैं।

नॉर्वे शतरंज में 2025 में गुकेश ने कार्लसन पर अपनी पहली क्लासिकल जीत भी हासिल की थी। कार्लसन ने पिछले महीने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी। सभी प्रारूप में 20 बार के विश्व चैंपियन ने पिछले 13 वर्षों में हमेशा अपने घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। हालांकि उन्होंने धीरे-धीरे क्लासिकल शतरंज से दूर होने की इच्छा जताई थी। नॉर्वे शतरंज एक क्लासिकल प्रारूप की प्रतियोगिता है और मौजूदा विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैंपियन कार्लसन ने इसे सात बार जीता है।

एक अन्य भारतीय स्टार आर प्रज्ञानंद ने भी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। भारतीय ग्रैंडमास्टर और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख नॉर्वे शतरंज में महिलाओं के वर्ग में पदार्पण करेंगी और 2024 में इस वर्ग के शुरू होने के बाद महिलाओं के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन जाएंगी। अब तक किसी भी भारतीय ने यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट नहीं जीता है।

टी20 वर्ल्ड कप में 3 इम्पैक्ट बॉलर्स मचा सकते हैं कहर : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में इस बार बॉलर का भी जबरदस्त जोर रह सकता है, खासकर स्पिनर पर हर किसी की नजर रहेगी, हालांकि तेज गेंदबाज भी बल्लेबाजों को चौंका सकते हैं. क्या आप इस बात का अंदाजा लगा सकते हैं कि ग्लोबल टूर्नामेंट के इस एडिशन में कौन से 3 क्रिकेटर्स इम्पैक्ट बॉलर साबित हो सकते हैं.

3 इम्पैक्ट बॉलर्स

टीम इंडिया के पूर्व ओपनर और मौजूदा कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपने टॉप-3 इम्पैक्ट बॉलर में 2 स्पिनर्स को शामिल किया. उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइंफो यूट्यूब चैनल पर बताया कि टीम इंडिया के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती उनके पहले ऑप्शन हैं, जिनके बाद भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलियन स्टार एडम ज़ाम्पा शामिल हैं.

वरुण-बुमराह-जाम्पा के आंकड़े

वरुण टी-20 इंटरनेशनल बॉलर रैंकिंग में टॉप पर हैं, जिनके पास जबरदस्त आंकड़े हैं. उनहोंने इस अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट के 36 मैचों में 59 विकेट हासिल किए, जिसमें उनका औसत 15.69 और इकोनॉमी 7.15 रहे. दूसरी तरफ उनके भारतीय साथी जसप्रीत बुमराह टी20आई में सबसे ज्यादा असरदार गेंदबाज बने हुए हैं. चैंपियन सीमर टी20 वर्ल्ड कप 2024 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे, जिसे भारत ने जीता. उन्होंने उस एडिशन 15 विकेट लिए और इकोनॉमी रेट 4.17 का रही.इसके बाद एडम ज़ाम्पा ऑस्ट्रेलियन टीम में एक अहम खिलाड़ी बने हुए हैं, उनके बेहतरीन टी20आई आंकड़ों के कारण, जिनमें 111 मैचों में 139 विकेट्स और औसत 21 से कम है.

3 इम्पैक्ट बैटर्स का नाम

बैटिंग डिपार्टमेंट की बात करें तो आकाश चोपड़ा ने आगामी टी20 वर्लड कप के लिए अपने 3 इम्पैक्ट बल्लेबाजों के तौर पर अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और जोस बटलर का नाम लिया. भारतीय लेफ्ट-हैंडर दुनिया के सबसे टॉप रैंक वाले टी20आई बल्लेबाज हैं, जिनका औसत 37 और टी20आई में स्ट्राइक रेट तकरीबन 195 है. इस बीच हेड और बटलर टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की संभावनाओं के लिए काफी अहम होंगे, जिसमें बटलर 2022 के पूर्व टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन भी रह चुके हैं.

कौन विकेटकीपर तोड़ेगें धोनी का रिकॉर्ड?

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जब भी आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में विकेटकीपर की बात की जाती है, तब हम सभी के जेहन में भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का नाम जरूर आता है. माही ने अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को साल 2007 में टूर्नामेंट का पहला एडिशन जिताया था. उनके नाम इस ग्लोबल इवेंट का एक और रिकॉर्ड है जो अब तक बरकरार है.

टी20 विश्व में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार

महेंद्र सिंह धोनी ने 2007 से लेकर 2016 तक कुल 6 टी-20 वर्ल्ड कप एडिशंस में हिस्सा लिया और कप्तानी भी की. उन्होंने इस टूर्नामेंट के 33 मैचों में विकेटकीपर के तौर पर भारत के लिए 32 डिसमिसल पूरे किए हैं, जिसमें 21 कैच और 11 स्टंपिंग शामिल हैं. उनके ठीक पीछे साउथ अफ्रीका के स्टार क्विंटन डी कॉक हैं, जिनके नाम विकेट के पीछे 30 शिकार हैं, इसमें 23 कैच और 7 स्टंपिंग शामिल हैं.

डी कॉक तोड़ेगें धोनी का रिकॉर्ड

साउथ अफ्रीका के धाकड़ विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक इस बार का टी-20 वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं, प्रोटियाज टीम को ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई के साथ रखा गया है. अगर दक्षिण अफ्रीका सिर्फ 4 मैच ही खेल पाती है, फिर भी डी कॉक 2 से ज्यादा शिकार करते हुए एमएस धोनी के इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को आसानी से तोड़ सकते हैं. इसके अलावा इंग्लैंड के जोस बटलर के नाम 25 डिसमिसल हैं, अगर वो विकेटकीपिंग ग्लव्स पहनते हैं तो उनके पास भी इस आंकड़े को सुधारने का मौका होगा.

क्रिकेट के 73 नियम बदले, 1 अक्टूबर से लागू होंगे: टेस्ट में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरा तो नया बैटर आएगा, लेमिनेटेड बैट को मंजूरी

मेलबर्न, 4 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट के 73 नियम बदल दिए हैं। इनमें टेस्ट मैच में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर पूरा ओवर खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। डेड बॉल, ओवरथ्रो, बाउंड्री पर लिए जाने वाले कैच, विकेटकीपर की पोजीशन जैसे कई नियम बदले गए हैं। लेमिनेटेड बैट को सशर्त मंजूरी दी गई है। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। 2022 के बाद नियमों में यह सबसे बड़ा अपडेट है।

बदले गए मुख्य नियम

1. टेस्ट मैच में दिन का आखिरी ओवर का नियम बदला

क्रिकेट नियम बनाने वाले मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि टेस्ट मैचों में दिन का आखिरी ओवर अब हर हाल में पूरा कराया जाएगा। ऐसा न होने से 'खेल का रोमांच कम हो जाता है।' एमसीसी ने कहा, 'यह अनुचित माना गया कि अगर दिन के अंतिम ओवर में गेंदबाजी कर रही टीम विकेट लेती है, तो बल्लेबाजी टीम को नया बल्लेबाज भेजने की जरूरत नहीं पड़ती।'

वहीं यह भी बयान में कहा गया कि, 'इससे समय की बचत भी नहीं होती, क्योंकि बची हुई गेंदें अगले दिन पूरी करनी ही पड़ती हैं। साथ ही इससे खेल का रोमांच कम हो जाता है। नया बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों से बच जाता है। क्योंकि आमतौर पर उस समय गेंदबाजों के लिए हालात अनुकूल होते हैं। नए नियम के तहत अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं, तो अंतिम पूरा किया जाएगा, भले ही उस दौरान विकेट गिर जाए।'

2. ओवरथ्रो और 'डेड बॉल' की नई परिभाषा

एमसीसी ने ओवरथ्रो और मिसफील्ड के बीच के अंतर को स्पष्ट कर दिया है। अब ओवरथ्रो सिर्फ तभी माना जाएगा, जब कोई फील्डर विकेट पर गेंद फेंकता है और वह गेंद आगे निकल जाती है।

अगर फील्डर बाउंड्री के पास गेंद रोकने की कोशिश करता है और गेंद हाथ से फिसलकर निकल जाती है, तो उसे ओवरथ्रो नहीं, बल्कि मिसफील्ड कहा जाएगा।

अब 'डेड बॉल' के लिए यह जरूरी नहीं है कि गेंद गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में ही हो। अगर गेंद किसी भी फील्डर के पास आ गई हो या मैदान पर रुक गई हो और अंपायर को लगे कि अब बल्लेबाज रन नहीं ले सकता, तो वह गेंद को डेड बॉल घोषित कर सकता है।

3. लेमिनेटेड बैट को मंजूरी

लेमिनेटेड बैट या टाइप-डी बैट वह क्रिकेट बैट होता है, जिसे लकड़ी के दो या तीन टुकड़ों को आपस में जोड़कर तैयार किया जाता है। ये बल्ले पारंपरिक सिंगल-पीस बल्लों की तुलना में सस्ते होते हैं। एमसीसी ने इन्हें ओपन एज क्लब क्रिकेट में इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। वहीं, ओपन एज क्रिकेट उस फॉर्मेट को कहा जाता है जिसमें खिलाड़ियों की उम्र की कोई सीमा निर्धारित नहीं होती और इस स्तर पर सभी उम्र के खिलाड़ी एकसाथ खेल सकते हैं।

4. हिट विकेट के नियम को और साफ किया गया

हिट विकेट में कन्फ्यूजन को दूर किया गया है। अब यह समझने में कोई दिक्कत नहीं रहेगी कि बल्लेबाज कब हिट विकेट आउट माना जाएगा और कब नहीं।

बैलेंस बिगड़नाः अगर बल्लेबाज शॉट खेलने के बाद लड़खड़ाता है और संतुलन बनाते-बनाते खुद स्टंप्स पर गिर जाता है, तो वह आउट होगा। इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि गेंद उस समय कितनी दूर जा चुकी है।

फील्डर से टक्करः अगर बल्लेबाज का किसी फील्डर से टकराव हो जाता है और उसी वजह से वह स्टंप्स पर गिरता है, तो उसे हिट विकेट आउट नहीं दिया जाएगा।

बल्ला छूटनाः अगर बल्लेबाज के हाथ से बल्ला छूटकर सीधे स्टंप्स पर लग जाता है, तो वह आउट माना जाएगा। लेकिन अगर बल्ला पहले विकेटकीपर या किसी फील्डर को छूता है और फिर स्टंप्स से टकराता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट रहेगा।

एमसीसी ने साफ किया है कि अगर बल्लेबाज गेंद खेलने के बाद संतुलन बनाने की कोशिश में लड़खड़ाकर स्टंप्स पर गिर जाता है, तो उसे हिट विकेट आउट माना जाएगा, चाहे गेंद उस समय काफी दूर जा चुकी हो।

5. बॉल और बैट के लिए तय हुए मानक

एमसीसी ने मौजूदा और पूर्व महिला खिलाड़ियों से सलाह लेकर जूनियर और महिला क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंदों के लिए नए नियम बनाए हैं। अब गेंदों को तीन साइज में बांटा गया है। साइज-1, साइज-2 और साइज-3।

साइज-1 वही गेंद है, जो अब तक मेंस क्रिकेट में इस्तेमाल होती रही है, इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

साइज-2: यह गेंद महिला क्रिकेट और जूनियर खिलाड़ियों के लिए तय की गई है। यह साइज-1 से थोड़ी हल्की और छोटी होती है, ताकि खिलाड़ियों को खेलने में आसानी हो।

साइज-3: यह गेंद छोटे उम्र के जूनियर खिलाड़ियों के लिए होती है। यह तीनों में सबसे हल्की और छोटी गेंद है, जिससे बच्चों को गेंद संभालने और खेल सीखने में मदद मिलती है।

एमसीसी का कहना यह है कि हर साइज की गेंद अपने तय वजन और आकार के अनुसार बनेगी, लेकिन गुणवत्ता, मजबूती और सुरक्षा से जुड़े नियम तीनों के लिए एक जैसे होंगे।

एमसीसी ही क्रिकेट के नियम बनाता है

एमसीसी एक प्राइवेट क्रिकेट क्लब है जिसकी स्थापना 1787 में लंदन, इंग्लैंड में हुई थी। इसे दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और पुराने क्रिकेट क्लबों में से एक माना जाता है।

एमसीसी ने 1788 में क्रिकेट के पहले आधिकारिक नियम तैयार किए थे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बनने के बाद भी एमसीसी के पास क्रिकेट नियमों का कॉपीराइट है। यही क्रिकेट के नियम बनाती है।

दलबदल मामले में स्पीकर का फैसला

जगतियाल विधायक संजय के खिलाफ याचिका खारिज

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दलबदल मामलों से जुड़े एक अहम घटनाक्रम में तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद ने मंगलवार को जगतियाल विधायक संजय के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। अध्यक्ष ने कहा कि संजय के बीआरएस छोड़कर सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अब तक दलबदल के आरोपों से जुड़े 10 में से 8 विधायकों को राहत मिल चुकी है।

इससे पहले बीआरएस ने कांग्रेस में शामिल हुए 10 विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को याचिका सौंपी थी। कार्यवाही में देरी का आरोप लगाते हुए बीआरएस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर को जांच में तेजी लाने और जल्द निर्णय करने के निर्देश दिए हैं। सरकार को अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है।

चल रही सुनवाई के तहत घनपुर स्टेशन से विधायक कडियाम श्रीहरि को बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष पेश होने के लिए तलब किया गया है। कडियाम श्रीहरि बीआरएस के टिकट पर चुने गए थे और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। यह नोटिस बीआरएस विधायक केपी विवेकानंद द्वारा दायर अयोग्यता याचिका के आधार पर जारी किया गया है।

इसके साथ ही अध्यक्ष के कक्ष में सुनवाई शुरू हो गई है। इससे पहले खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र से भी पूछताछ की जा चुकी है। भाजपा के फ्लोर लीडर अल्लेटी महेश्वर रेड्डी के अनुरोध पर, नगरपालिका चुनावों का हवाला देते हुए, मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

रायपुर जाने वाली उड़ान में तकनीकी खराबी

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बुधवार को रायपुर जाने वाली एक उड़ान में तकनीकी खराबी पाए जाने के कारण उड़ान में देरी हो गई।

जानकारी के अनुसार, नियमित जांच के दौरान पायलट ने तकनीकी खराबी देखी। उस समय तक सभी यात्री विमान में सवार हो चुके थे। एहतियात के तौर पर यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से नीचे उतार दिया गया। तकनीकी खराबी की जांच और उसे दूर करने के लिए विमानन कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों को तुरंत सूचना दी गई।

कोटी में व्यापारी को गोली मारकर लूट

बदमाशों की तलाश में पुलिस टीम यूपी रवाना

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोटी इलाके में एक व्यवसायी को गोली मारकर 6 लाख रुपये लूटने के मामले में हैदराबाद पुलिस की एक विशेष टीम शनिवार को उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गई है। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए यूपी पुलिस के साथ समन्वय कर रही है। जानकारी के अनुसार, ऋशाद नाम का एक व्यापारी 6 लाख रुपये नकद लेकर बैंक स्ट्रीट स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम केंद्र पहुंचा था। उसी दौरान दो लुटेरे उसके पास आए और उस पर दो गोलियां चला दीं। एक गोली ऋशाद के पैर में लगी। इसके बाद हाथापाई के दौरान लुटेरे 6 लाख रुपये से भरा कैश बैग छीनकर फरार हो गए।

घटना के बाद दोनों लुटेरे काचीगुडा पहुंचे, जहां उन्होंने अपने कपड़े बदले। इसके बाद वे एक ऑटो रिक्शा में सवार होकर श्रीशैलम राजमार्ग की ओर चले गए। पुलिस टीमों ने रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। जांच में सामने आया कि लुटेरे वारदात के बाद भागने से पहले पूरे दिन शहर में घूमते रहे। पुलिस ने इस मामले में लुटेरों को पनाह देने वाले एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम उत्तर प्रदेश रवाना हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दलबदल मामले में स्पीकर के फैसले पर केटीआर का हमला

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दलबदलू विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं खारिज किए जाने के फैसले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह फैसला संविधान और उसके मूल मूल्यों पर सीधा हमला है। जगतियाल विधायक संजय के मामले का जिक्र करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में विधायक के कांग्रेस में शामिल होने के सार्वजनिक और स्पष्ट सबूत मौजूद हैं। इसके बावजूद सबूतों के अभाव का हवाला देकर याचिका खारिज करना पूरी तरह तर्कहीन है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष दलबदलू विधायकों के खिलाफ कार्रवाई न कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों तथा जनता के जनादेश की अनदेखी कर रहे हैं। केटी रामाराव ने कहा कि इस फैसले से स्पीकर की कुर्सी की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पंचायत चुनावों में जनता के असंतोष के बाद संभावित उपचुनावों से बचने की कोशिश कर रही है। बीआरएस नेता ने कहा कि राज्य सरकार नगर निगम चुनावों में जनता के गुस्से से डर रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम के मूक दर्शक बने रहे, उन्हें संविधान की दुहाई देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। केटी रामाराव ने चेतावनी दी कि कांग्रेस संवैधानिक परंपराओं का पालन करने के बजाय राजनीतिक चालबाजियों में लगी हुई है और भविष्य में उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

कांग्रेस के रवैये से लोकतांत्रिक मूल्यों को ठेस पहुंच रही है : बंडी

राजन्ना-सिरसिल्ला, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर राज्य में अनैतिक राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के रवैये से लोकतांत्रिक मूल्यों को ठेस पहुंच रही है। सिरसिल्ला में नगरपालिका चुनाव प्रचार के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए बंडी संजय कुमार ने कहा कि बीआरएस विधायकों के कांग्रेस में दलबदल करने के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। इसके बावजूद सबूतों के अभाव का हवाला देकर याचिकाएं खारिज करना हास्यास्पद है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को आमतौर पर एक ईमानदार व्यक्ति के रूप में जाना जाता है, लेकिन कांग्रेस पार्टी उन पर दबाव बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस विधायक लगातार गांधी भवन और डीसीसी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि दलबदलू बीआरएस विधायक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बी-फॉर्म तक बांट रहे थे। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने सारे सबूत होने के बावजूद दलबदल से जुड़े मामलों को खारिज कर दिया गया। बंडी संजय कुमार ने कहा कि ऐसे फैसलों से लोकतंत्र का मजाक बन रहा है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को सलाह दी कि वे संवैधानिक पद की गरिमा बनाए रखें और ऐसे फैसलों से बचें, जिनसे उसकी प्रतिष्ठा धूमिल होती है। उन्होंने जनता से अपील की कि जब दलबदलू विधायक चुनाव प्रचार के दौरान अपने क्षेत्रों में आएं तो उनसे सवाल जरूर पूछें। उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि विधायक अब किस पार्टी से जुड़े हैं, किस पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं और दूसरी पार्टी के टिकट पर जीतने के बाद वे किसी और पार्टी के लिए वोट क्यों मांग रहे हैं।

कांग्रेस सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं लेकर आई है : रेवंत रेड्डी

प्रजा पालना प्रगति बाटा जनसभा में सीएम का तीखा हमला

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में हो रहे नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस की जीत तय है। उन्होंने कहा कि जनसभा में भारी संख्या में लोगों की मौजूदगी और महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी से स्पष्ट है कि नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस को कोई चुनौती नहीं है। मिर्यालगुडा में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार गरीबों, आदिवासियों, गिरिजनों, बेरोज़गारों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए अनेक विकास और कल्याणकारी योजनाएं लेकर आई है और जनता को नगर पालिका चुनावों में इन्हीं कार्यक्रमों के आधार पर फैसला करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य गठन के बाद पिछली सरकार ने एक भी नया राशन कार्ड जारी नहीं किया,

जबकि प्रजा सरकार सत्ता में आते ही लाखों लोगों को राशन कार्ड दिए। उन्होंने बताया कि हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है और कृषि के लिए भी मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने मिर्यालगुड़ा को 'राइस बाउल ऑफ तेलंगाना' बताते हुए कहा कि यहां सबसे अधिक धान की खेती होती है। उन्होंने कहा कि जहां पहले धान बोने पर किसानों को धमकाया जाता था, वहीं अब बारीक धान उगाने पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है, जिसके सबसे अधिक लाभार्थी मिर्यालगुड़ा में हैं। उन्होंने कहा कि किसान भरोसा योजना के तहत प्रति एकड़ 6,000 रुपये दिए जा रहे हैं और केवल 9 दिनों में 9,000 करोड़ रुपये किसानों के खातों में जमा किए गए। नगर पालिका चुनावों के बाद फिर से किसान भरोसा की राशि जारी की जाएगी। अब तक किसानों के लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। रेवंत रेड्डी ने महिलाओं के लिए आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि करोड़ों महिलाएं अपने मायके और मंदिरों तक मुफ्त सफर कर पा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस नेताओं के बच्चों को भी यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूलों में पढ़ने की अनुमति है और राज्य में ऐसे 100 स्कूल बनाए जा रहे हैं। नलगोंडा जिले की फ्लोराइड समस्या और एसएलबीसी परियोजना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ही जिले में सिंचाई परियोजनाएं लेकर आई। उन्होंने एसएलबीसी सुरंग दुर्घटना पर दुख जताया और आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं ने इस पर भी राजनीति की।

साइबर ब्लैकमेल से परेशान युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रामनगर इलाके में सोमवार को साइबर ब्लैकमेल का शिकार हुए 36 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पीड़ित की पहचान प्रेम कुमार के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह लंबे समय से मानसिक तनाव में था। जानकारी के अनुसार, अज्ञात साइबर जालसाजों ने प्रेम कुमार को उसकी मॉर्फ्ड नग्न तस्वीरें भेजीं और 3,000 रुपये की मांग की। आरोप है कि पैसे न देने पर उसके और उसके परिवार के सदस्यों की फर्जी अश्लील तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी दी गई। लगातार मिल रही धमकियों से प्रेम कुमार गहरे अवसाद में चला गया।

परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन्होंने उसे समझाने की कोशिश की और ब्लैकमेल करने वालों को पैसे न देने की सलाह दी, साथ ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए भी कहा। हालांकि, मानसिक दबाव सहन न कर पाने के कारण प्रेम कुमार ने कथित तौर पर अपने घर पर आत्महत्या कर ली। परिवार की शिकायत के आधार पर चिक्कड़पल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इसमें शामिल साइबर अपराधियों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि साइबर ब्लैकमेल या धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं या साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ब्लैकमेल करने वालों को पैसे देने से समस्या और बढ़ सकती है।

कोमटिरेड्डी का केसीआर पर हमला: 'तेलंगाना के पिता' कहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं निर्माण और सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केसीआर का 'तेलंगाना के पिता' के रूप में खुद को प्रस्तुत करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की स्थापना 1,100 से अधिक शहीदों के बलिदान से संभव हुई। मंत्री ने मेडचल निर्वाचन क्षेत्र के मूडु चिंतलपल्ली और अलीआबाद में कहा कि तेलंगाना आंदोलन समाज के सभी वर्गों का सामूहिक संघर्ष था, जिसमें जाति और धर्म की कोई बाधा नहीं थी। उन्होंने नालगोंडा के श्रीकांताचारी, जिन्होंने आंदोलन के दौरान आत्मदाह किया, और कांस्टेबल किश्तैया, जिन्होंने आत्महत्या की, जैसे शहीदों के सर्वोच्च बलिदानों को याद किया और कहा कि ये शहीद तेलंगाना के असली निर्माता थे। उनके बलिदानों की अनदेखी कर केवल स्वयं को श्रेय देना इतिहास के साथ अन्याय है।

कांस्टेबल की पत्नी की सतर्कता से छात्र की सुरक्षित वापसी

कोत्तागुडेम, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खुफिया विभाग के एक कांस्टेबल की पत्नी की सूझबूझ से सातवीं कक्षा के उस छात्र की सुरक्षित वापसी संभव हो सकी, जो स्कूल अधिकारियों को बताए बिना अपने छात्रावास से चला गया था। जानकारी के अनुसार, खम्मम जिले के खम्मम ग्रामीण मंडल के पोलिशेत्तिगुडेम गांव निवासी 12 वर्षीय छात्र कोत्तागुडेम जिले के दम्मपेट मंडल के मंडलपल्ली स्थित समाज कल्याण गुरुकुल स्कूल में पढ़ता था। छात्रावास का जीवन पसंद न आने के कारण वह 1 फरवरी 2026 की दोपहर बिना किसी को सूचना दिए स्कूल छोड़कर चला गया।

बताया गया कि छात्र मंडलपल्ली से पल्ले वेलुगु बस से सथुपल्ली पहुंचा और वहां से खम्मम जाने वाली बस में सवार हुआ। उसी बस में यात्रा कर रही दम्मपेट स्थित खुफिया कांस्टेबल एन. कृष्णा राव की पत्नी लक्ष्मी ने छात्र को अकेले और घबराया हुआ देखा। बातचीत के दौरान उसे पता चला कि छात्र छात्रावास छोड़कर चला आया है। लक्ष्मी ने तुरंत अपने पति कृष्णा राव को इसकी जानकारी दी। इसके बाद कृष्णा राव ने क्षेत्रीय खुफिया अधिकारी रामोजी रमेश को मामले से अवगत कराया। उनके निर्देश पर गुरुकुल स्कूल के प्रधानाध्यापक वेंकटेश्वरलू को सूचना दी गई।

जैसे ही बस खम्मम बस स्टैंड पहुंची, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों की मदद से छात्र की पहचान की गई और उसे सुरक्षित रूप से उसके पिता चंद्रशेखर को सौंप दिया गया, जिन्हें पहले ही सूचना दे दी गई थी। इस मानवीय और सराहनीय कार्य के लिए एडीजीपी (खुफिया) विजय कुमार, आईजीपी (खुफिया) कार्तिकेय और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हैदराबाद स्थित कार्यालय में खुफिया कांस्टेबल कृष्णा राव और उनकी पत्नी लक्ष्मी को सम्मानित किया। दंपति को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की सतर्कता और जिम्मेदारी से बड़ी घटनाओं को टाला जा सकता है और इस मामले में लक्ष्मी की तत्परता प्रशंसनीय है।

कनिष्ठ सहायक रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग के एक कनिष्ठ सहायक को 10,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, बंदलागुडा मंडल के उप शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ सहायक शिव प्रसाद ने एक स्कूल के प्रधानाध्यापक से एसएससी परीक्षा केंद्र सूची से स्कूल का नाम न हटाने के बदले रिश्वत की मांग की थी। प्रधानाध्यापक की शिकायत पर एसीबी ने मामला दर्ज कर जाल बिछाया। योजना के तहत शिव प्रसाद को रिश्वत की रकम स्वीकार करते समय रंगे हाथों पकड़ लिया गया। एसीबी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे हैदराबाद स्थित एसीबी अदालत में पेश किया जा रहा है।

भारतीय रिज़र्व बैंक / Reserve Bank of India
संपदा विभाग / Estate Department
हैदराबाद – 500 004 / Hyderabad - 500 004

ई–निविदा: भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के मेन ऑफिस परिसर तथा आवासीय कॉलोनियों में बागवानी कामों के विकास और वार्षिक रखरखाव (एएमसी)

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के मेन ऑफिस परिसर और आवासीय कॉलोनियों में बागवानी कामों के विकास और वार्षिक रखरखाव के लिए ई–टेंडर आमंत्रित करता है। काम की अनुमानित लागत ₹67.68 लाख (रुपये सड़सठ लाख अड़सठ हजार मात्र) है। प्री–क्वालिफिकेशन क्राइटेरिया के बारे में ज़्यादा जानकारी के लिए, कृपया MSTC लिमिटेड के ई–टेंडरिंग पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर ''टेंडर'' सेक्शन में 05 फरवरी, 2026 को शाम 16:00 बजे से टेंडर नोटिस के साथ टेंडर डॉक्यूमेंट देखें।
2. ई–निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 11 मार्च 2026 को 13:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकारों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

5 फरवरी, 2026
हस्ता/–
क्षेत्रीय निदेशक
हैदराबाद

यादाद्री भुवनगिरी में बाघ की दहशत, सातवां शिकार

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनगिरी जिले के अलायर मंडल में बाघ की मौजूदगी से लोगों में डर का माहौल है। बुधवार सुबह शरजीपेट गांव में बाघ ने एक गाय को मार डाला। यह उसका सातवां शिकार बताया जा रहा है। गाय एक पशुशाला के अंदर बंधी थी। सुबह जब पशु मालिक वहां पहुंचा तो गाय मरी हुई और आंशिक रूप से खाई हुई मिली। इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। इसी बीच अलायर मंडल के तंगुतुर गांव के पास किसानों ने तड़के बाघ के पदचिह्न देखे। इसकी जानकारी तुरंत व्हाट्सएप ग्रुपों में दी गई, जिससे ग्रामीण सतर्क हो गए। वन अधिकारियों का अनुमान है कि बाघ तंगुतुर से शरजीपेट की ओर गया है, जो करीब तीन किलोमीटर दूर है।

मंगलवार शाम को बाघ ने श्रीनिवासपुरम गांव में एक बछड़े को मार डाला था। इसके बाद वह सिद्देंकी गांव की ओर बढ़ गया, जहां पास के जंगल में उसके पदचिह्न मिले। सूचना मिलने पर वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके में दो पिंजरे लगाए गए। सिद्देंकी गांव के सरपंच एम. सुधाकर ने बताया कि ग्रामीणों को सुबह जल्दी खेतों में न जाने और सूर्यास्त से पहले घर लौटने की सलाह दी गई है। बुधवार तड़के तंगुतुर गांव के पास फिर से बाघ की हलचल देखी गई। गांव के निवासी अनिल ने बताया कि युवकों ने पदचिह्न देखकर ग्राम प्रधान और वन विभाग को सूचना दी। इससे पहले मंगलवार सुबह राजपेट मंडल के बसंतपुर गांव में भी बाघ ने एक बछड़े को मार डाला था। इसके बाद जिला कलेक्टर एम. हनुमंत राव ने गांव का दौरा कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

बंदरों का आतंक, छह साल की बच्ची पर हमला

मेदक, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह नरसपुर कस्बे में बंदरों के एक झुंड ने छह साल की बच्ची पर हमला कर दिया। बंदरों ने बच्ची का लंच बॉक्स छीनने की कोशिश की, जिससे वह डरकर सड़क पर गिर पड़ी।

पीड़िता की पहचान जोशनावी के रूप में हुई है। बताया गया कि बच्ची लंच बॉक्स लेकर स्कूल बस में चढ़ने ही वाली थी, तभी बंदरों ने उस पर हमला कर दिया और लंच बॉक्स छीन लिया। इस दौरान बच्ची घबराकर सड़क पर गिर गई। घटना देख बस चालक और बच्ची के माता-पिता तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे संभाला, जिससे उसे और गंभीर चोट लगने से बचा लिया गया। इसके बाद बच्ची को इलाज के लिए नरसपुर के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार नरसपुर इलाके में हाल के दिनों में बंदरों के हमले बढ़ गए हैं। कई बार शिकायत के बावजूद अधिकारी इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पाए हैं, जिससे लोगों में नाराजगी है।

बीसी आयोग ने विद्यार्थियों के डेटा संग्रह में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जानकारी जाति-वार एकत्र करने के संबंध में पिछड़ा वर्ग आयोग (बीसी कमीशन) कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. ई. नवीन निकोलस, राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सचिव प्रो. श्रीराम वेंकटेश, कालोजी नारायणराव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. के. नागार्जुन रेड्डी तथा इंटरमीडिएट शिक्षा विभाग के सचिव श्री कृष्ण आदित्य ने भाग लिया। बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन, सदस्य रापोलु जयप्रकाश, तिरुमलगिरी सुरेंदर, बाललक्ष्मी और सदस्य सचिव बाल माया देवी ने उपस्थित अधिकारियों के साथ इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उप निदेशक यू. श्रीनिवास राव, सहायक सचिव के. मनोहर राव, विशेष अधिकारी कुमारी एन. सुनीता, सेक्शन ऑफिसर जी. सतीश कुमार, रिसर्च ऑफिसर जी. लक्ष्मीनारायण सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। बीसी आयोग के अध्यक्ष एवं अधिकारियों ने राज्य में विद्यार्थियों के डेटा संग्रह में हो रही गंभीर देरी पर चिंता व्यक्त की और इस विषय की महत्ता को समझते हुए संबंधित विभागों से शीघ्र जानकारी एकत्र कर आयोग को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस जानकारी के आधार पर यह पहचाना जा सकेगा कि पिछड़ा वर्ग के कौन-कौन से जाति और वर्ग के विद्यार्थी शिक्षा से वंचित रह रहे हैं, जिससे उन्हें प्रोत्साहित करने और विशेष योजनाएं बनाने का अवसर मिलेगा। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे तुरंत इस प्रक्रिया को प्रारंभ करेंगे और मार्च माह के अंत तक आवश्यक विवरण आयोग को सौंपेंगे।

राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सचिव ने स्पष्ट किया कि इस वर्ष से ही प्रवेश प्रक्रियाओं में तथा आगामी शैक्षणिक वर्ष में आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं में भी जाति संबंधी जानकारी एकत्र की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence No.SD/384/21-22, Phone/Fax: [illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.